RNI नं. : 7387/63
मुद्रण तिथि : 29-30 जुलाई 2024
डाक प्रेषण तिथि : 29 जुलाई-01 अगस्त 2024
ISSN : 2456-611X

वर्ष : 62 अंक : 08
मूल्य : ₹10/- पृष्ठ संख्या : 96
डाक पंजीयन संख्या : BIKANER/022/2024-26
Office Posted at R.M.S., Bikaner

राम चमकते भानु समाना

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ का मुखपत्र

श्रमणोपासक

समाचार पाक्षिक

शिखर महोत्सव

चातुर्मास 2024

संघ शिखर सदस्य

श्री शान्तिलाल जी सांड
बेंगलुरु
MID No. : 189067

श्री विमल जी सिपाणी
बेंगलुरु
MID No. : 127238

श्री रिद्धकरण जी सिपाणी
बेंगलुरु
MID No. : 111161

श्री जयचन्दलाल जी डागा
बीकानेर
MID No. : 105289

श्री सोमप्रकाश जी नाहटा
सूरत
MID No. : 126222

श्रीमती मंजू जी शाह (बोहरा)
पिपलियाकलां
MID No. : 128972

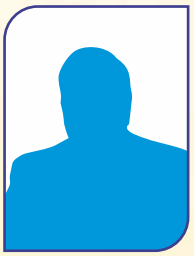

स्व. श्री मूलचन्द जी डागा
बीकानेर
MID No. : 187427

समता मनीषी
स्व. श्री उमरावमल जी बम्ब, टोंक
MID No. : 121469

स्व. श्री विजयचन्द जी डागा
बीकानेर
MID No. : 120472

श्री माणकचन्द जी नाहर
उदयपुर
MID No. : 107109

श्रीमती कुमुद विमल जी सिपानी
बेंगलुरु
MID No. : 127237

श्री दिनेश जी सिपाणी
बेंगलुरु
MID No. : 111134

श्री पंकजराज जी शाह (बोहरा)
पिपलियाकलां
MID No. : 128966

गुप्त
छत्तीसगढ़
MID No. : 197441

श्री सुरेश जी दक
मैसूर
MID No. : 129730

संघ महाप्रभावक सदस्य

श्री पुखराजजी मुकिम
जयपुर
MID No. 182624

श्री खूबचन्दजी पारख
राजनांदगाँव
MID No. 141590

स्व. श्री विनयजी अब्भाणी
चित्तौड़गढ़
MID No. 107376

श्री शांतिलालजी डागा
कोलकाता
MID No. 188697

श्री प्रकाशचंदजी सूर्या
उज्जैन
MID No. 160559

श्री उत्तमचंदजी रांका
जयपुर
MID No. 111353

श्री रावतमलजी संचेती
गंगाशहर
MID No. 123813

श्री सोहनलालजी पोखरना
चित्तौड़गढ़
MID No. 135732

श्री अनिलजी सिपानी
बेंगलुरु
MID No. 127002

श्री जयचंदलालजी मरोटी
देशनोक/कोलकाता
MID No. 114715

श्री शांतिलालजी बच्छावत
सूरत
MID No. 194606

श्री राजमलजी पंवार
कानवन
MID No. 113094

श्रीमती संतोषदेवी मोदी
भिलाई
MID No. 135692

श्री कमलजी बैद
मुंबई
MID No. 141022

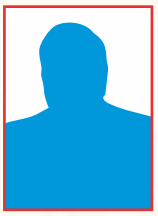

श्री विजयजी (कमलादेवी)
गोलछा–बीकानेर
MID No. 127729

श्रीमती कमला उत्तमजी कोठारी
बेंगलुरु
MID No. 112429

श्रीमती मनोरमादेवी बैद
रायपुर
MID No. 138223

चतुर्थ चरण

श्री प्रकाशजी कांकरिया
इन्दौर
MID No. 194512

स्व. श्रीमती सरोजदेवी
सुराणा–बेरला
MID No. 195647

श्री बसंतलालजी कटारिया
रायपुर
MID No. 137280

श्री विजयकुमारजी टंच
बदनावर
MID No. 113207

कार्यसमिति (10 जनवरी 2016) के अनुसार

तृतीय चरण * श्री अनिल कुमार जी गोलछा- सिलचर * श्री प्रकाशचंद जी कोठारी-अमरावती * श्रीमती कमला देवी संचेती- देशनोक/दिल्ली * श्री सुंदरलाल जी बोथरा-मुंबई * श्री गोपालचंद जी खिंवसरा-बेंगलुरु * स्व. श्री बापूलाल जी कोठारी-उदयपुर * श्री दिलीप जी पगारिया-जावरा * श्री प्रेमचंद जी व्होरा-बदनावर * श्री सोहनलाल जी रांका-ब्यावर * श्रीमती मधुलता जी लोढ़ा-डोंगरगाँव * श्री दिलीप जी ओस्तवाल-कलंगपुर * श्रीमती ज्ञानकँवर जी ओस्तवाल-ब्यावर * श्री प्रकाशचंद जी श्रीश्रीमाल-हैदराबाद * श्री निर्मल जी खिंवसरा-ब्यावर * श्री भीखमचंद जी ओस्तवाल-कलंगपुर * श्री कँवरलाल जी देशलहरा-गुंडरदेही * श्री अखराज जी ओस्तवाल-भिलाई

द्वितीय चरण * श्री तेज कुमार जी तातेड़ - इंदौर * श्री पूनमचंद जी भूरा - भीलवाड़ा * श्री बसंतीलाल जी चंडालिया-चित्तौड़गढ़ * श्रीमती इंद्रा बाई धाड़ीवाल-रायपुर * श्रीमती सुनीता जी मेहता-बेलगाँव * श्री राजकुमार जी बाफना-हरदा * श्री विजय कुमार जी मुणोत-हैदराबाद * श्री चेतन कुमार जी हिंगड़-ब्यावर * श्री अभय कुमार जी भंडारी-जावरा * श्रीमती सुंदर बाई कोटड़िया-कोंडागाँव * श्री निहालचंद जी कोठारी-ब्यावर * श्री झंवरलाल जी कुम्मट-सिलचर * श्री प्रकाशचंद्र जी चपलोत-निम्बाहेड़ा * श्री महेंद्र जी सोनावत-भीनासर * श्रीमती कमला कँवर जी कोठारी-चेन्नई * श्रीमती इंद्रा बाई गुणधर-संबलपुर

प्रथम चरण * स्व. श्रीमती सूरजा देवी बरड़िया-सिलचर * श्री मनोज कुमार जी संचेती-बेलगाँव * श्री उदयराज जी पारख-रायपुर * श्री मुन्नालाल जी पँवार-कानवन * श्री भागचंद जी सिंघी-जोधपुर * श्री विमलचंद जी सुराणा-गीदम * श्री पीयूष जी बैद-कोलकाता * श्री सुधीर जी जैन-पिपलिया मंडी * श्री विनोद जी मिन्नी-कोलकाता * श्री अरुण जी मालू-कोलकाता * श्रीमती गुलाब देवी भंसाली-गंगाशहर * श्रीमती सुधा जी भंसाली-कोलकाता * गुप्त-बंगईगाँव * श्री सुंदरलाल जी पींचा-गुवाहाटी * श्री अमरचंद जी बैद-नोखा * श्री जीवनलाल जी गोखरू-कानवन * श्री सुगनचंद जी धोका-चेन्नई * श्रीमती राजरानी जी रजत जी मूथा-जयपुर * श्री किरणचंद जी गुलगुलिया-चिकमगलूर

रचनाएँ आमंत्रित

500-1000 शब्द सीमा

आप संघ के मुखपत्र के नियमित पाठक हैं यह हमारे लिए हर्ष का विषय है। श्रमणोपासक के प्रत्येक माह के धार्मिक अंक विभिन्न विषयों पर आधारित होते हैं। आगामी धार्मिक अंक **'क्षमा'** व **'पर्वाधिराज पर्व पर्युषण'** पर आधारित रहेगा।

सम्माननीय पाठकगण अपनी रचनाएँ शीघ्रातिशीघ्र भिजवाने का लक्ष्य रखें। इन विषयों पर आलेख के साथ-साथ आप अपने अनुभव एवं संस्मरण भी भिजवा सकते हैं। यदि आपके पास श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा साधुमार्गी परिवारों को जारी M.I.D. (ग्लोबल कार्ड) नंबर हो तो उसका उल्लेख अवश्य ही करें। प्राप्त मौलिक एवं सारगर्भित रचनाओं को समाहित करने का लक्ष्य रहेगा। विषय संदर्भित आपकी रचनाएँ – लेख, कविता, भजन, कहानी आदि हिंदी व अंग्रेजी में सादर आमंत्रित हैं।

उपर्युक्त विषय के अतिरिक्त अन्य विषयों पर भी आपकी रचनाएँ, संस्मरण, कविताएँ, लेख, कहानियाँ या अन्य कोई ऐसी विषयवस्तु जो सर्वजन हिताय प्रकाशित की जा सकती हो तो इन रचनाओं का भी सहर्ष स्वागत है। आप अपनी रचनाएँ दिए गए मोबाइल व वॉट्सएप्प नंबर या ईमेल द्वारा भी भेज सकते हैं।

-श्रमणोपासक टीम

9314055390 news@sadhumargi.com

मुमुक्षु सुश्री दर्शना जी नाहटा

संक्षिप्त परिचय

जन्म स्थान	:	नगरी, धमतरी (छ.ग.)
जन्म तिथि	:	20 मार्च 2004
वैराग्यकाल	:	लगभग 1 वर्ष
व्यावहारिक शिक्षा	:	बी.बी.ए. प्रथम वर्ष पूर्ण
धार्मिक अध्ययन	:	प्रतिक्रमण, जैन सिद्धांत बत्तीसी, श्रीमद् दशवैकालिक सूत्र के 4 अध्ययन, कर्म प्रज्ञप्ति के 4 अध्ययन, लघुदंडक, जीवधड़ा, गति आगति, पुच्छिंसु णं
पदयात्रा	:	लगभग 350 किमी.
तपाराधना	:	9 उपवास
संभावित दीक्षा तिथि	:	14 अगस्त 2024

पारिवारिक परिचय

पड़दादा जी-पड़दादीजी	:	स्व. श्री रावतमल जी-मीना बाई नाहटा
दादाजी-दादीजी	:	जीवनलाल जी-देवी बाई, कांतिलाल जी-मधु देवी, मोहनलाल जी-किरण देवी, गुलाबचंद जी, सुभाषचंद जी, कमलचंद जी, निर्मलचंद जी, नरेशचंद जी, गौतमचंद जी, महेशचंद जी, दिनेशचंद जी, योगेशचंद जी, अनिल कुमार जी, अजय कुमार जी, राजेश कुमार जी, विनय जी, अभय जी, रविंद्र जी, विजय जी, गगन जी, राकेश जी, शरद जी, गौरव जी नाहटा
पिताजी-माताजी	:	जितेंद्र कुमार जी-किरण देवी नाहटा
चाचाजी-चाचीजी	:	वर्धमान जी-खुशबू जी, गुलशन जी-निशा जी, हर्ष जी, विरम जी, यश जी नाहटा
भाई	:	जिनेश जी, कल्प जी, मंत्र जी, दक्ष जी नाहटा
भुआजी-फूफाजी	:	वंदना जी-विनोद कुमार जी छाजेड़, कल्पना जी-निलेश कुमार जी गोठी, भावना जी-विनय कुमार जी बरमट, प्रेरणा जी-पीयूष जी टाटिया
नानाजी-नानीजी	:	उदयराज जी-विमला देवी कोचर, खैरागढ़
मामाजी-मामीजी	:	शीतल कुमार जी-गौरी देवी कोचर
परिवार से दीक्षित	:	साध्वी श्री चंचल कँवर जी म.सा., साध्वी श्री सुरभि श्री जी म.सा., साध्वी श्री सुरुचि श्री जी म.सा., साध्वी श्री सुमेरु श्री जी म.सा., साध्वी श्री पीहिता श्री जी म.सा.

विहार सेवा संयोजन सदस्य संक्षिप्त परिचय

सुश्रावक रमेशचंद जी कटारिया, रतलाम में प्रतिष्ठित ज्वेलर्स हैं। आपका प्रतिष्ठान कटारिया आई.डी. ज्वेलर्स के नाम से सुविख्यात है। आपकी आचार्य श्री नानेश व आचार्य श्री रामेश के प्रति अगाध श्रद्धा है। आप श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के गौरवशाली महाप्रभावक सदस्य हैं। आपकी धर्मपत्नी **सुश्राविका मधु देवी कटारिया** भी धर्मनिष्ठ, सरल व उदारमना महिलारत्न हैं। आपके संघ व शासन समर्पित परिवार में एक पुत्र-पुत्रवधू, पौत्री, तीन पुत्रियाँ व दामाद भी आपके ही पदचिह्नों पर चलकर चारित्रात्माओं की सेवा व सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं। संघ की विभिन्न प्रवृत्तियों में कटारिया परिवार का सहयोग सदैव ही बना रहता है। शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में आपका महत्त्वपूर्ण योगदान है। आपने अपनी धर्मपत्नी सहित विहार सेवा संयोजन सदस्यता स्वीकार कर अपने सेवा कार्यों को और विस्तृत किया है।

कानोड़ निवासी 83 वर्षीय वीर माता **सुश्राविका कमला देवी** धर्मपत्नी स्व. श्री गुलाबचंद जी भणावत धर्मपरायणा महिलारत्न हैं। आप प्रतिदिन प्रतिक्रमण, पाँच सामायिक करती हैं। आपके पिछले 50 वर्षों से जमींकंद त्याग, 50 वर्षों से शीलव्रत व चौविहार के प्रत्याख्यान हैं। आपने 4 वर्षीतप कर अपूर्व आत्मबल का परिचय दिया है। आपके दो पुत्र, पुत्रवधुओं, पौत्र-पौत्रवधुओं आदि का भरा-पूरा संस्कारवान परिवार हैं। आप साध्वी श्री अर्पणा श्री जी म.सा. की संसारपक्षीय माता जी हैं।

संघनिष्ठ **सुश्रावक कांतिलाल जी कटारिया** प्रमुख उद्योगपति व समाजसेवी हैं। आपका जन्म 5 अप्रैल 1948 को रतलाम में हुआ और एस.जी.एस.आई.टी.एस., इंदौर से आपने गोल्ड मेडल के साथ इंजीनियरिंग की। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने डी.पी. वायर्स लिमिटेड की नींव रखकर उद्योग जगत् में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। आपकी आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट श्रद्धा है। आपका व्यक्तित्व समाजवादी सोच व सामाजिक उत्तरदायित्वों से परिपूर्ण है।

सुश्रावक मोतीभाऊ मुणोत, जलगाँव का व्यक्तित्व अपने आप में विशिष्ट है। आप स्मृतिशेष महासती श्री ज्ञान कँवर जी म.सा. व साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. के संसारपक्षीय भतीजे हैं। धर्म व सेवा की सौरभ आपकी रग-रग में बसी है। आप श्री साधुमार्गी जैन संघ, जलगाँव के फाउंडर अध्यक्ष के रूप में सेवाएँ दे चुके हैं। इसी के साथ आप श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के गौरवशाली महाप्रभावक सदस्य भी हैं। आचार्य श्री रामेश के प्रति पूर्ण समर्पणा के साथ आप चारित्रात्माओं की सेवा में सदैव अग्रणी रहते हैं।

गोगेलाव निवासी सिलचर प्रवासी **सुश्रावक सुशील कुमार जी** सुपुत्र स्व. श्री बस्तीमल जी कांकरिया संघनिष्ठ व सेवाभावों से ओत-प्रोत व्यक्तित्व हैं। वर्तमान में आप श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के पूर्वोत्तर अंचल के राष्ट्रीय मंत्री पद पर सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। आपने समता सुवा संघ, सिलचर के उपाध्यक्ष व मंत्री के रूप में भी गुरुत्तर दायित्व का निर्वहन किया है। सौभाग्य से आपको अनन्य महोत्सव में पूर्वोत्तर अंचल के कॉर्डिनेटर के रूप में सेवा कार्य का अवसर प्राप्त हुआ। आपकी सेवाएँ सदैव ही अविस्मरणीय रही हैं।

:: अनुक्रमणिका ::

रुक्मिणी विवाह.....08
ज्ञान सार : श्रीमद् भगवतीसूत्र..... 12
श्रमणोपासक हेडलाइंस..... 14
गुरुचरण विहार..... 15
अपने आचार्यदेव को जानें : प्रश्नोत्तरी..... 26
चातुर्मास सूची..... 31
विविध समाचार..... 67
विविध भेंट मार्फत..... 70
विनम्र श्रद्धांजलि..... 76
भक्ति रस : अभिमोक्षम् की खास बात..... 77
श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति..... 78
श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ..... 83
धार्मिक परीक्षा बोर्ड परिवर्तित पाठ्यक्रम..... 84

सुविचार

क्षमा

वीरों का भूषण क्षमा, क्षमा कैवल्य का द्वार।
क्षमा गुण शून्य नर, पशु के समान है।।
दिल में क्षमा को धरे, सब दिल राज करे।
हर संकट का इक, क्षमा समाधान है।।
रूप गुण ज्ञान आदि, क्षमा धर्म द्वारा सोहे।
क्षमाधारी सर्वकाल, सर्वशक्तिमान है।।
वीर कहे गौतम से, क्षमा से पंडित होता।
क्षमा से श्रमण होता, क्षमा भगवान है।।

साभार – वीर कहे गौतम से

चिंतन

तन-मन पीड़ित कब?

–परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.

प्रवचन– दिल की पवित्रता से जो वचन व्यक्त हो, वह प्रवचन है। तीर्थंकर देवों के वचन, प्रवचन हैं। प्रशस्त भाव से निसृत वचन, प्रवचन है। प्रवचन देते समय मन पूर्णतया पवित्र होना चाहिए। किसी के प्रति द्वेषादि का भाव नहीं रहना चाहिए। कोई अपने से शत्रुता रखने वाला व्यक्ति भी यदि प्रवचन में हो, तो उस समय उसके प्रति शत्रुता का भाव मन में होना ही नहीं चाहिए। प्रवचन के पूर्व मन को शांत-प्रशांत, सहज, सरल बना लेना चाहिए।

देह और मन पीड़ित तब होते हैं, जब व्यक्ति का उन्हीं में ध्यान लगा रहता है। आत्म-भावों में जिस समय वह रमण करता है, उस समय देह और मन के कष्ट उसे पीड़ित नहीं कर सकते।

किसी के द्वारा कहे जाने वाले शब्दों से स्वयं को नहीं तौलना चाहिए। स्वयं पर अपना विश्वास होना चाहिए। स्वयं को जितना व्यक्ति स्वयं पहचान सकता है, दूसरा नहीं पहचान सकता। लोग अपने नजरिए से ही मूल्यांकन करते हैं। उनके द्वारा किया गया मूल्यांकन परिपूर्ण हो, यह जरूरी नहीं है। स्वर्ण और रत्न का मूल्य आँकते हुए भी व्यक्ति कई बार चूक जाता है, वैसी स्थिति में वह इनसान का पूर्ण मूल्यांकन कैसे कर सकता है?

प्रतिक्रिया का स्वाद अच्छा लगता है लेकिन परिणाम सुंदर नहीं आता। प्रतिक्रियात्मक जीव को संतुष्टि कभी नहीं होती, अपितु गर्व अवश्य जागृत हो जाता है। प्रतिक्रियात्मक व्यक्ति का प्रतिक्रिया के समय चेहरा देखो तो उस पर उत्कर्ष की छाया स्पष्टतः दृष्टिगत होती है।

भले ही उस समय वह हर्षित होता हो, किंतु वह प्रतिक्रिया उसके मन को पीड़ित करने वाली होती है। व्यक्ति को प्रतिक्रिया के बजाय सत्क्रिया का लक्ष्य रखना चाहिए। प्रतिक्रिया का अर्थ है – क्रिया के पश्चात् की जाने वाली क्रिया। सत्क्रिया, क्रिया के पश्चात् नहीं होती, वह क्रिया रूप होती है।

फाल्गुन शुक्ल 8, बुधवार, 16.03.2016

साभार- आरोह

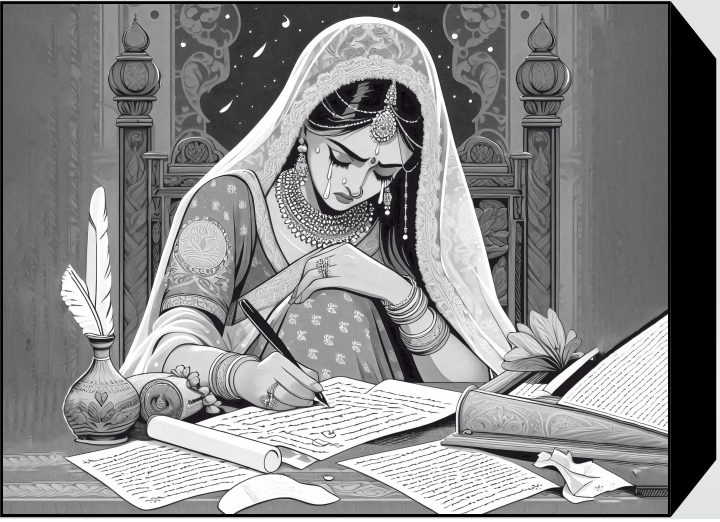

धर्मदेशना

रुक्मिणी विवाह

पत्र लेखन

29-30 जून 2024 अंक से आगे....

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री जवाहरलाल जी म.सा.

सुखं वा यदि वा दुःखं यत्किंचित् क्रियते परैः।
यत्कृतं तु पुनः पश्चात्सर्वमात्मनि तद्भवेत्।।

अर्थात् दूसरे के लिए किया हुआ किंचित् भी सुख-दुःख अपनी आत्मा से ही उत्पन्न होता है। यानी दूसरे को दिया हुआ सुख-दुःख अपने को ही प्राप्त होता है।

किसी भी प्राणी को असहाय अथवा असमर्थ समझकर सताना महान अन्याय है। ऐसा करना प्राप्त बल या सत्ता का दुरुपयोग करना तो है ही साथ ही अपने बल और अपनी सत्ता को अपना ही नाश करने में लगाना है। चाहे वह असहाय या निर्बल अपने पर होने वाले अन्याय का प्रत्यक्ष प्रतिकार भी नहीं कर सके, अन्यायी को प्रतिफल न भी भुगता सके, लेकिन ऐसे निर्बल या असहाय की सहायता कोई गुप्त शक्ति अवश्य ही करती है और वह शक्ति उस अन्यायी को उसके अन्याय का फल अवश्य देती है। उस गुप्त शक्ति को चाहे ईश्वरीय शक्ति कहा जाए या कर्मशक्ति, परंतु दीन-दुखियों व निर्बलों पर अत्याचार करने वाला अपने अन्याय का प्रतिफल भोगने से कदापि नहीं बच सकता। ध्वनि से प्रतिध्वनि और आघात से प्रत्याघात उत्पन्न होना प्राकृतिक नियम है। फिर चाहे प्रकृति इस नियम का उपयोग शीघ्र करे या देर से, लेकिन करती अवश्य है। यही बात अन्याय व अत्याचार की भी है। दूसरे पर अन्याय व अत्याचार करने वाला थोड़ी देर के लिए अपने को चाहे बड़ा मान ले, थोड़ी देर के लिए चाहे अभिमान कर ले और थोड़ी देर के लिए अपने को भले ही सुखी समझ ले, लेकिन जब उसे अपने द्वारा किए गए अन्याय का प्रतिफल भोगना पड़ता है, तब उसका बड़प्पन, अभिमान व सुख स्वप्न-संपदा के समान विलीन हो जाते हैं। फिर वह अपने को महान कष्ट में अनुभव करता है। उसके पश्चात्ताप की सीमा नहीं रहती।

संसार में पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियाँ अधिक निर्बल मानी जाती है। स्त्रियों ने चाहे स्वयं ही अपने आपको निर्बल बना रखा हो या वे वास्तव में निर्बल ही हों, परंतु उनकी गणना है निर्बलों में ही। इसी से वे अबला कही जाती हैं। निर्बल होने के कारण स्त्रियाँ पुरुषों के लिए दयापात्र मानी जानी चाहिए, लेकिन अनेक दुष्ट-दुराचारी पुरुष अबला मानी जाने वाली स्त्रियों पर अत्याचार करने में ही अपना पुरुषत्व मानते हैं। वे इस बात को तो भूल ही जाते हैं कि हम इन स्त्रियों पर जो अन्याय कर रहे हैं, उसका प्रतिफल हमें इस जन्म में या अगले जन्म में अवश्य भोगना पड़ेगा। स्त्रियाँ अपनी सहिष्णुता व क्षमा का परिचय देकर पुरुषों द्वारा होने वाले अन्याय को सहती क्या हैं, वे पुरुषों के अन्याय के प्रतिफल को भयंकर बना देती हैं। चींटी से लेकर हाथी तक किसी भी जीव को सताने वाला अवश्य सताया जाता है, तो जो विनम्र अबला और जीवनभर अधीन रहने वाली स्त्रियों पर

अत्याचार करता है, वह इस नियम से कैसे बच सकता है? रावण ने सीता पर अत्याचार किया तो वह परिवार सहित नष्ट हो गया। दुर्योधन ने द्रौपदी को सताया तो उसे भी रावण की ही भाँति नष्ट होना पड़ा। कंस ने देवकी को कष्ट दिया तो उसे भी ऐसा ही परिणाम भोगना पड़ा। रुक्मिणी पर भी शिशुपाल अत्याचार करने को उतारू हुआ है। रुक्म भी रुक्मिणी के कन्योचित अधिकारों को पददलित कर शिशुपाल के साथ उसका बलात् विवाह कर देने को तैयार हुआ है, लेकिन सत्य पर दृढ़ रहने वाली रुक्मिणी की भी कोई न कोई गुप्त शक्ति अवश्य सहायता करेगी और शिशुपाल व रुक्म को उनके दुष्कृत्यों के फल भी भोगने पड़ेंगे।

अपनी माता के सामने रुक्म जो कुछ कह गया था, वह सब रुक्मिणी ने भी सुना। साथ ही उसे यह भी मालूम हुआ कि नगर व महल के आस-पास सैनिक पहरा लगा हुआ है। नगर का आवागमन भी बंद हो गया है। इन सब समाचारों को सुनकर रुक्मिणी की चिंता बढ़ती जा रही थी। उसका हृदय धैर्य नहीं रख रहा था। वह विचार कर रही थी कि यदि दुष्ट भाई बलात् मेरा विवाह शिशुपाल के साथ करने लगा तो मैं प्राणनाश के सिवाय और क्या कर सकूँगी? ऐसी दशा में मैं इस शरीर में रहती हुई तो कृष्ण का दर्शन कैसे कर सकूँगी? अब तो कृष्ण के दर्शन होने की कोई आशा भी नहीं रही, क्योंकि एक तो कृष्ण दूर हैं, दूसरी मैं उनके पास अपनी प्रार्थना भेजूँ भी तो किसके द्वारा? मेरी प्रार्थना कौन ले जाएगा? कौन मेरा सहायक है? बुआ के सिवाय दूसरा कोई आश्वासन देने वाला तक तो है नहीं, फिर प्रार्थना ले जाने वाला कौन हो सकता है? बुआ मेरी सहायिका अवश्य है, परंतु मेरी ही तरह वे भी विवश हैं। कदाचित् बुआ के प्रयत्न से किसी ने मेरी प्रार्थना द्वारकानाथ के पास पहुँचाना स्वीकार भी कर लिया, तब भी वह नगर से बाहर कैसे निकल सकता है? विवाह का दिन भी समीप ही है। इतने अल्प समय में कैसे तो प्रार्थना पहुँच सकती है और कैसे श्रीकृष्ण आ सकते हैं? मेरे लिए अब प्राण-त्याग के सिवाय दूसरा मार्ग ही नहीं है? दुष्ट शिशुपाल को भी यह विचार नहीं होता कि मैं अपने को वीर मानता हूँ तो एक कन्या पर अपनी वीरता क्यों दिखाऊँ? भाई तो मुझे शिशुपाल के साथ बलपूर्वक विवाह करवा देने के लिए तैयार ही है और माता भी उसी के पक्ष में है। पिता कृष्ण के साथ मेरा विवाह होने के समर्थक होते हुए भी दुष्ट पुत्र से अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए तटस्थ हैं। कन्या को माता-पिता व भाई का ही बल होता है, परंतु मेरे लिए इनमें से कोई भी अनुकूल नहीं है। ऐसी दशा में प्राण-त्याग के बिना मेरी प्रतिज्ञा की रक्षा कदापि नहीं हो सकती।

इस प्रकार रुक्मिणी घोर चिंता-सागर में डूब रही थी। उसे कहीं किनारा नहीं दिखता था, न किनारे पर पहुँचने का कोई साधन ही दृष्टि में आता है। वह चुपचाप बैठी हुई आँखों से आँसू गिरा रही थी। चिंतामग्न रुक्मिणी की आँखों की पलकें भी नियमित रूप से नहीं गिरती थीं। वह आँसू गिराती हुई पृथ्वी की ओर ही एकटक देख रही थी। जैसे वह अपने आँसुओं से पृथ्वी को तृप्त करके उससे कह रही थी कि हे पृथ्वी! तू सबको आधार देने वाली है, अतः मुझ निराधार को अपने में स्थान दे। मुझे आश्रय देने वाला तेरे सिवाय और कोई नहीं है।

रुक्मिणी चिंता-सागर में गोते लगा रही थी। इतने में उसकी बुआ आ गई। रुक्मिणी को घोर चिंता में देखकर बुआ कहने लगी– ''रुक्मिणी! तू व्यर्थ ही क्यों चिंता करती है! अभी तो विवाह के दिन में पर्याप्त विलंब है। इतने समय में तो कुछ का कुछ हो सकता है।''

रुक्मिणी– ''हाँ बुआ! यह तो ठीक है, परंतु हृदय तो धैर्य नहीं धरता। ऐसा कोई कारण भी नहीं है कि जिससे हृदय को कुछ संतोष हो। सब ओर निराशा ही निराशा दिखती है। विवाह का दिन तो अवश्य दूर है, परंतु इतना दूर भी नहीं है कि कोई द्वारका जाकर फिर लौट आए। आप मुझसे श्रीकृष्ण के पास प्रेम प्रार्थना

भेजने को कहती थीं, परंतु अब तो वह मार्ग भी बंद हो गया। पहले तो प्रार्थना ले ही कौन जाए? कदाचित् कोई ले जाने को तैयार भी हो तो अब तो महल व नगर के चारों ओर सेना खड़ी हुई है। न तो कोई बाहर से आ सकता है, न बाहर जा ही सकता है। ऐसी दशा में किस आधार पर धैर्य रखूँ?''

बुआ– ''रुक्मिणी! सत्य व सच्चे प्रेम में बड़ी शक्ति होती है। वह शक्ति क्या नहीं कर सकती। तू विश्वास तो रख। सत्य न मालूम किसके हृदय में कैसी प्रेरणा करता है और सब मार्ग बंद होने पर भी न मालूम किस ओर मार्ग कर सकता है। तू मेरी बात मानकर कृष्ण को प्रार्थना-पत्र तो लिख। मेरा विश्वास है कि तेरा प्रार्थना-पत्र किसी तरह कृष्ण के पास पहुँच जाएगा और कृष्ण ठीक समय पर आकर तेरी रक्षा करेंगे।''

रुक्मिणी– ''आपकी आज्ञानुसार मैं रात को एकांत में बैठकर पत्र लिखूँगी। दिन में तो मेरे आस-पास कोई न कोई बना ही रहता है।''

''ठीक है, रात को लिखना, परंतु चिंता छोड़ दे'' – ऐसा कहकर बुआ रुक्मिणी के पास से चली गई। रुक्मिणी सूर्यास्त की प्रतीक्षा करने लगी, परंतु उसके लिए उस दिन सूर्य भी निश्चल-सा हो गया था अर्थात् रुक्मिणी के लिए शेष दिन बड़ी कठिनाई से बीता। रात होने पर रुक्मिणी कृष्ण को पत्र लिखने बैठी।

कलम, दवात व कागज लेकर रुक्मिणी श्रीकृष्ण को पत्र लिखने के लिए उद्यत हुई, परंतु क्या लिखूँ? यह निश्चय नहीं कर सकी। चिंता से अस्थिर हृदय किसी निश्चय पर नहीं पहुँचने देता था। रुक्मिणी ने बड़ी कठिनाई से हृदय स्थिर किया और वह श्रीकृष्ण को पत्र लिखने लगी। वह कलम से तो पत्र लिखती थी और आँखों से पत्र पर आँसू डालती थी। जैसे पत्र पर आँसू रूपी केसर के छींटे छिटकाकर श्रीकृष्ण को आमंत्रण-पत्र लिखा हो।

बड़ी कठिनाई से काँपते हुए हाथों से रुक्मिणी ने कृष्ण को पत्र लिखा। उसने पत्र में लिखा– ''हे प्राणनाथ! हे हृदय सर्वस्व! मुझ अबला की रक्षा करो। मैं सब प्रकार से असहाय हूँ। आपके सिवाय मेरा कोई भी सहायक नहीं। नारद जी से आपका यश सुनकर मैंने आपको अपना स्वामी मान लिया है। मैं स्वयं को आपके समर्पण कर चुकी हूँ। मेरे लिए आपके सिवाय संसार के समस्त पुरुष पिता व भ्राता के समान हैं। मेरी गति, मेरी साधना, मेरे आराध्य और मेरे पति आप ही हैं। मैं इस शरीर में रहती हुई आपके सिवाय किसी दूसरे को कदापि पति नहीं मान सकती हूँ। दुष्ट भाई मेरी इस प्रतिज्ञा को तोड़ने पर उतारू है। उसने पिता की अवहेलना करके नीच शिशुपाल को बुलाया है। वह मुझ सिंहवधू को शृगालवधू बनाना चाहता है। पापी शिशुपाल बारात सजाकर मुझे पाने की आशा से उसी प्रकार दौड़ा आया है, जिस प्रकार कुत्ते व कौए मृत पशु के मांस के लिए दौड़ आते हैं। मैं अपने निश्चय पर दृढ़ हूँ, परंतु रुक्म व शिशुपाल मुझ पर बल प्रयोग करना चाहते हैं। उन्होंने मुझ कन्या के लिए सारे नगर को सेना से घेर रखा है। विवाह के लिए नियत तिथि को भाई बलपूर्वक मेरा विवाह शिशुपाल के साथ कर देना चाहता है। मेरी प्रतिज्ञा जानकर शिशुपाल को भी कुछ विचार नहीं हुआ। वह निर्लज्जतापूर्वक मुझे मेरी इच्छा के विरुद्ध अपनी पत्नी बनाने के लिए उद्यत है। इस समय मेरा कोई भी सहायक नहीं है। गृहकलह के भय व प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए पिता तटस्थ बैठे हैं और माता, भाई की सहायिका है। इस प्रकार मेरे लिए सब ओर आपत्ति छाई हुई है। मुझे आश्रय देने वाला आपके सिवाय कोई नहीं है। मैं निश्चय कर चुकी हूँ कि चाहे प्राण त्याग दूँ, परंतु कृष्ण के सिवाय दूसरे को पति स्वीकार नहीं करूँगी। अभी मैं आपकी सहायता की आशा से जीवित हूँ। यदि विवाह तिथि तक भी आपने मेरी रक्षा नहीं की, तो दुष्ट भाई व पापी शिशुपाल सत्य, न्याय व वीरता के मस्तक पर पाँव रखकर मुझे अपने बल प्रयोग का लक्ष्य बनाएँगे। उस दशा में मेरे लिए शरीर त्याग करना आवश्यक हो जाएगा। मैं मरने से किंचित् भी भय नहीं करती हूँ। यदि भय है तो केवल यही कि मेरे मरने से उनके

यश को कलंक लगेगा, जिन्हें मैं पति मान चुकी हूँ। आपके यश को कलंक लगे, यह मेरे लिए असह्य है, परंतु आपकी ओर की सहायता के अभाव में मेरे लिए कोई दूसरा मार्ग नहीं है। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करती हूँ कि आप पधारकर मेरी रक्षा करिए। अधिक क्या निवेदन करूँ? मेरे लिए एक दिन एक वर्ष के समान बीतता है। मेरे प्राण केवल आपके दर्शन की आशा के सहारे ठहरे हैं। आप शरणागत वत्सल हैं और मैं आपकी शरण हूँ। मेरी रक्षा कीजिए। मुझ पापिन की उपेक्षा करने से आपका यश दूषित होगा। लोगों में सत्य व न्याय की श्रद्धा नहीं रहेगी। अन्यायियों का साहस बढ़ जाएगा। इसलिए आप अविलंब कुण्डिनपुर पधारिए। विवाह तिथि के पश्चात् आप मुझे जीवित नहीं पा सकेंगे और फिर आपका कष्ट व्यर्थ होगा। अंत में मैं यही निवेदन करती हूँ –

त्वमेव चातकाधारोऽसीति केषां न गोचरः।
किमम्भोदवरास्माकं कार्पण्योक्तिः प्रतीक्ष्यते।।

अर्थात् हे श्रेष्ठ मेघ! हम पपीहों के एकमात्र तुम्हीं आधार हो। इस बात को कौन नहीं जानता। फिर हमारे दीन वचन की प्रतीक्षा क्यों करते हो?

इसके अनुसार मेरे केवल आप ही आधार हैं। मेरी करुण पुकार सुनकर तो मुझ पर कृपा करो।

– मैं हूँ आपकी दासी, रुक्मिणी।''

रुक्मिणी ने जैसे-तैसे पत्र समाप्त किया। उसे अपना पत्र श्रीकृष्ण के पास पहुँचने की किंचित् भी आशा नहीं थी। इसलिए उसने पत्र को तो एक ओर छिपाकर रख दिया और स्वयं भावी चिंताओं में उलझकर रह गई।

साभार– श्री जवाहर किरणावली-5 (रुक्मिणी-विवाह)

– क्रमशः

मानव जीवन : धर्म की आवश्यकता

-परम पूज्य आचार्य प्रवर
1008 श्री जवाहरलाल जी म.सा.

आज कुछ लोगों को धर्म अनावश्यक व भाररूप प्रतीत होने लगा है, किंतु यह निस्संदेह कहा जा सकता है कि उन्होंने धर्म के ठीक स्वरूप को नहीं समझा है। वास्तव में धर्म के बिना जीवन भी नहीं टिक सकता। आज के युवक सुधार करना चाहते हैं, परंतु धर्म की सहायता के बिना सुधार होना संभव नहीं है। प्रत्येक क्षेत्र में धर्म की आवश्यकता है।

आज धर्म को भाररूप मानने का एक कारण यह भी है कि लोग धर्म का फल रुपए की भाँति तत्काल व प्रत्यक्ष देखना चाहते हैं। वे यह दलील देते हैं कि धर्म का फल यदि परलोक में मिलता है, तो उससे हमें क्या लाभ? यहाँ जैसे एक रुपए का सवा रुपया किया जा सकता है और उससे आनंदोपभोग किया जा सकता है, उसी प्रकार का लाभ यदि धर्म से भी मिले, तो उसे लाभ कहना चाहिए अन्यथा वह निरा भार ही है। इस प्रकार धर्म को लोग भारस्वरूप समझते हैं, किंतु यह विचारने का कष्ट नहीं उठाते कि जीवन में धर्म का उपक्रम किए बिना तो मनुष्य का जीवन ही संस्कारहीन बन जाएगा। किसी मनुष्य से शरीर पर कपास लपेटने के लिए कहा जाए, तो वह उसे स्वीकार नहीं करेगा। किंतु उसी कपास का संस्कार उपक्रम कर दिया जाए अर्थात् कपास से सूत बनाकर कपड़ा बना दिया जाए और उसे सुंदर रूप में सिला दिया जाए तो वही कपास शरीर पर धारण किया जा सकता है। इसी प्रकार बालक का जन्म होने पर संस्कार उपक्रम न किया जाए, तो उसका जीवन कच्चे कपास की तरह असंस्कारी ही बना रहेगा। ज्ञानीजन कहते हैं कि राग के समान कोई जुल्मी नहीं है। कितने ही लोग माता-पिता बनकर फूले नहीं समाते, किंतु राग के वश होकर अपने बालकों को ऐसे संस्कारहीन कर देते, फिर आगे चलकर वे ही बालक भारस्वरूप जान पड़ने लगते हैं। कच्चे कपास की तो थोड़ी-बहुत कीमत उपजती है, किंतु संस्कारहीन को तो संसार में कोई टके भाव भी नहीं पूछता। इस प्रकार धर्म का उपक्रम किए बिना जीवन का सुधार नहीं हो सकता। धर्म मानव-जीवन का सार है।

साभार– चिंतन : मनन : अनुशीलन

श्रीमद् भगवतीसूत्र प्रश्नमाला

संकलनकर्ता -
कंचन कांकरिया, कोलकाता

29-30 जून 2024 अंक से आगे....

ज्ञान का वर्णन शतक 8 उद्देशक 2

पूर्वापर संबंध – ज्ञान के ही भेदों का वर्णन किया जा रहा है। इस उद्देशक के मूल पाठ में श्रीमद् नंदीसूत्र का अतिदेश (भोलावण) किया गया है, तदनुसार प्रस्तुत वर्णन है।

श्रुतज्ञान

प्र.2507 श्रुतज्ञानी कितने काल को जानते देखते हैं?

उत्तर उत्कृष्ट श्रुतज्ञानी उपयोग लगाने पर तीनों काल (असंख्यात काल) को जानते हैं तथा मानो प्रत्यक्ष देख रहे हों, इस प्रकार स्पष्ट देखते हैं।

प्र.2508 श्रुतज्ञानी कितने भावों को जानते-देखते हैं?

उत्तर उत्कृष्ट श्रुतज्ञानी उपयोग लगाने पर रूपी-अरूपी सभी द्रव्यों के भावों को जानते हैं तथा मानो प्रत्यक्ष देख रहे हों, इस प्रकार स्पष्ट देखते हैं।

प्र.2509 उत्कृष्ट श्रुतज्ञानी को कितना ज्ञान होता है?

उत्तर उत्कृष्ट श्रुतज्ञानी को 12 अंगों का ज्ञान होता है। 12वें अंग दृष्टिवाद के ज्ञाता में 4 ज्ञान, वैक्रियलब्धि, आहारकलब्धि आदि अनेक लब्धियों की नियमा होती है। इन्हें श्रुतकेवली भी कहते हैं। श्रुतकेवली अविसंवादी होते हैं अर्थात् उनके वचन परस्पर विरुद्ध नहीं होते हैं।

प्र.2510 क्या श्रुतकेवली नियमा चरम शरीरी होते हैं?

उत्तर नहीं, भजना है क्योंकि श्रीमत् प्रज्ञापनासूत्र के 5वें पद में उत्कृष्ट श्रुतज्ञानी की अवगाहना चतुःस्थानपतित बताई है अर्थात् ये मारणांतिक समुद्घात करके वैमानिक में उत्पन्न होते हैं।

प्र.2511 श्रुतकेवली शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर केवली – संपूर्ण। संपूर्ण श्रुत के ज्ञाता को श्रुतकेवली कहते हैं।

प्र.2512 क्या उत्कृष्ट श्रुतज्ञानी द्रव्यादि को संपूर्ण रूप से जानते हैं?

उत्तर वे सभी द्रव्यादि को सामान्य और कुछ विशेष प्रकार से जानते हैं, किंतु केवलज्ञानी की तरह सर्व त्रैकालिक रूप से नहीं जानते हैं।

प्र.2513 श्रुतज्ञान में किसका प्ररूपण किया गया है?

उत्तर श्रुतज्ञान में धर्मास्तिकायादि शाश्वत, द्रव्य, घटादि 'कृत' (अशाश्वत) पदार्थ, महाव्रत, अणुव्रत, आदि का तीर्थंकर देव जो भाव 'निबद्ध' करते हैं अर्थात् नाम, स्वरूप आदि सामान्य रूप से बताते हैं तथा निकाचित् करते हैं यानी हेतु, उदाहरण आदि द्वारा अत्यंत दृढ़ करके बताते हैं, उनका प्ररूपण किया गया है।

प्र.2514 श्रुतज्ञान की विराधना किस प्रकार होती है और इसका क्या फल है?

उत्तर श्रुतज्ञान के विरुद्ध आचरण करना, उसमें दोष बताना, उसे निष्प्रयोजन

कहना आदि से श्रुतज्ञान की विराधना होती है। श्रुतज्ञान की विराधना करने वाला चारों गतियों में पर्यटन करता है। अतएव श्रुत की विराधना को छोड़कर आराधना करना चाहिए।

प्र.2515 श्रुतज्ञान की आराधना किसे कहते हैं और इसका क्या फल है?

उत्तर श्रुतज्ञान में जिसे हेय, ज्ञेय, उपादेय कहा है, उसे उसी रूप में विनय, एकाग्रता, ईहा (सम्यक् चिंतन), अपोह (सम्यक् निर्णय) से धारण करना, श्रुतज्ञान की आराधना है। इसकी आराधना करने वाले संसार सागर को पार कर जाते हैं।

प्र.2516 देशोन 10 पूर्वी ही परिहार विशुद्ध चारित्र, जिनकल्प, यथालंदकल्प आदि कल्प अंगीकार करते हैं, 10 यावत् 14 पूर्वी क्यों नहीं?

उत्तर 10 पूर्वी भी प्रवचन (शास्त्र) प्रभावना, आध्यात्मिक परोपकारादि से बहुत निर्जरा कर लेते हैं, इसलिए उन्हें कोई कल्प अंगीकार करने की आवश्यकता नहीं रहती है।

प्र.2517 क्या सभी का श्रुतज्ञान सम्यक् होता है?

उत्तर 10 पूर्व यावत् 14 पूर्व के ज्ञाता का श्रुतज्ञान सम्यक् श्रुत होता है, क्योंकि ऐसे ज्ञानी नियमा सम्यक् दृष्टि होते हैं, शेष के भजना है।

प्र.2518 पूर्वों की ज्ञान राशि विशाल है और श्रुतज्ञान की पराकाष्ठा है, उसे पूर्वधर कैसे दोहराते हैं?

उत्तर 10-14 पूर्वधर को यदि लब्धि प्राप्त हो जाती है तो वे अपने ज्ञान का एक अंतर्मुहूर्त में चिंतन कर सकते हैं। स्थूलिभद्र के पश्चात् इस लब्धि का विच्छेद हो गया।

प्र.2519 एक जीव उत्कृष्ट कितनी बार पूर्वधर बन सकता है?

उत्तर सूक्ष्म छत्तीसी नामक ढाल के अनुसार पूर्वधर 8 बार, देशोन 14 पूर्वी 5 बार और 14 पूर्वी 4 बार बन सकता है।

प्र.2520 क्या पूर्वधरों को ही श्रेणी आरोहण के समय शुक्लध्यान होता है?

उत्तर यद्यपि तत्त्वार्थसूत्र में वर्णन है कि पूर्वधर ही शुक्लध्यान से श्रेणी आरोहण करते हैं, शेष जीव धर्मध्यान से श्रेणी आरोहण करते हैं, तथापि श्रीमद् आचारांगसूत्र में भगवान महावीर स्वामी को तथा अंतगडसूत्र की टीका में गजसुकुमाल मुनि को शुक्लध्यानी बताया है, जबकि ये दोनों पूर्वधर नहीं थे।

प्र.2521 मिथ्यादृष्टि अभिन्न (पूर्ण) 10 पूर्व क्यों नहीं सीख पाते हैं?

उत्तर मिथ्यात्व अवस्था का स्वभाव ही ऐसा है। जैसे- अभवी, ग्रंथि देश के निकट आकर भी ग्रंथि-भेद नहीं कर पाता है, वैसे ही मिथ्यादृष्टि श्रुत सीखते-सीखते देशोन 10 पूर्व तक ही सीख पाता है, पूरे 10 पूर्व नहीं।

प्र.2522 श्रुतज्ञान की कितनी पर्यायें हैं?

उत्तर लोकाकाश व अलोकाकाश के जितने प्रदेश हैं, उन्हें उतने ही प्रदेशों से अनंत बार गुणित किया जाए (उपलक्षण से सभी द्रव्यों के प्रदेशों से) तब जितना गुणनफल होता है, उतनी श्रुतज्ञान की पर्यायें हैं।

साभार- श्रीमद् भगवतीसूत्र प्रश्नमाला

-क्रमशः

श्रमणोपासक हेडलाइंस

- चातुर्मास प्रारंभ से पूर्व ही परमागम रहस्यज्ञाता परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. व बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा की पावन चरणरज से भीलवाड़ा के अनेक उपनगर पावन। सभी जैन-जैनेतर संप्रदाय के श्रद्धालुओं ने की अगवानी। विहार मार्ग में हजारों गुरुभक्त आपश्रीजी के दृढ़ संयमी जीवन से अभिप्रेरित हो चरणों में हुए प्रणत। पावन दर्शनों से अनेकानेक आत्माएँ हुईं तृप्त। अनेक क्षेत्रों से विभिन्न प्रसंगों की विनतियाँ गुरुचरणों में हो रहीं समर्पित।
- चातुर्मास से पूर्व ही त्याग-प्रत्याख्यान का दौर जारी। प्रतिदिन 5 सामायिक, धोवन पानी पीने, तेला तप, व्यसनमुक्ति, आजीवन व चार माह शीलव्रत आदि के पच्चक्खाण से लग रहा तपस्याओं का ठाठ। '**लोच में क्या सोच**' कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुभक्त कर रहे कायाक्लेश तप।
- संपूर्ण भीलवाड़ा नगर धर्म के रंग में रंगा हुआ है। प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं का हुजूम स्थानक की ओर उमड़ रहा है। प्रार्थना, प्रवचन, ज्ञानचर्चा, आगम वाचनी व प्रश्नोत्तरी के माध्यम से ज्ञानार्जन का अपूर्व लाभ मिल रहा है। भीलवाड़ा नगर का सकल जैन समाज गुरुवर के सान्निध्य में ज्ञानार्थी बन कर रहा धर्मदलाली।
- देशभर में अनेक स्थानों पर चातुर्मास की अद्‌भुत छटा। सौभाग्यशाली संघों को मिल रहा चारित्रात्माओं के सान्निध्य का लाभ।
- रावतसर में श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के अंतर्गत नवीन समता भवन हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न। अनेक गणमान्यजन बने साक्षी।
- केंद्रीय संघ पदाधिकारियों का तमिलनाडु अंचल, दिल्ली-पंजाब-हरियाणा अंचल एवं बीकानेर-मारवाड़ अंचल में 7 दिवसीय सघन प्रवास। 30 जून से 6 जुलाई तक इन अंचलों के अनेक स्थानों पर संघ प्रवृत्तियों व आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त आयामों सहित महत्तम शिखर महोत्सव की अद्‌भुत प्रभावना। अनेक संघों ने संघ आबद्धता ग्रहण की तथा विभिन्न सदस्यताओं के लिए अनेक महानुभावों ने स्वीकृति प्रदान कर संघनिष्ठा का परिचय दिया।
- श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत युवती शक्ति, साधुमार्गी वुमन्स मोटिवेशनल फोरम, केसरिया कार्यशाला, महिला संगठन व शिविरों के अद्‌भुत ठाठ। प्रत्येक महिला शक्ति को मिल रहा अपना व्यक्तित्व निखारने का अवसर। आचार्य की आठ संपदाएँ जानकर महिलाओं का ज्ञान खजाना बढ़ रहा।
- श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन समता युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमित जी बंब, जयपुर आगामी कार्यकाल 2024-26 के लिए पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत।
- श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड परिवर्तित पाठ्यक्रम इसी वर्ष से लागू।

दुनिया की नहीं,
स्वयं की पहचान करें।
- आचार्य भगवन्

गुरु जीवन को
नई दिशा देते हैं।
- उपाध्याय प्रवर

युगनिर्माता आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. व उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. की पावन चरणरज से वस्त्रनगरी भीलवाड़ा का कण-कण हो रहा पावन

जैन-जैनेतर श्रद्धालु महापुरुषों के पावन दर्शनार्थ उमड़ रहे

**वर्षों की तमन्ना पूरी हुई।
भीलवाड़ा की धरती पावन हुई।।**

शंकर समता भवन, तेरापंथ नगर स्थित तेरापंथ भवन, यश स्वाध्याय भवन, मॉडर्न वूलन, अहिंसा भवन शास्त्री नगर, समता भवन काशीपुरी, महावीर भवन बापू नगर, स्वाध्याय भवन न्यू आजाद नगर, पुराना आजाद नगर स्थानक, अमर समता भवन महावीर कॉलोनी, आदिनाथ भवन कांचीपुरम्, शांति भवन भोपालगंज, महावीर भवन भीलवाड़ा शहर, यश विहार, प्राज्ञ भवन, भीलवाड़ा।

देख तुम्हारी उज्ज्वल आभा, चाँद सूरज शरमाते।
गुरुवर आपके दर्शन करने, भक्त दूर-दूर से आते।।

जन-जन को सन्मार्ग दिखाकर धर्म का बोध कराने वाले युगनिर्माता, युगपुरुष, साधना के शिखर, रत्नत्रय के महान आराधक, उत्क्रांति प्रदाता, गुणशील संप्रेरक, ज्ञान व क्रिया के बेजोड़ संगम, नानेश पट्टधर, परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा., बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा के धर्मनगरी भीलवाड़ा के उपनगरों में प्रभावी विचरण से सभी क्षेत्र पावन-पवित्र हो गए। जैन-जैनेतर सभी संप्रदाय के लोग दर्शन, प्रवचन व उत्कृष्ट संयम साधना से प्रभावित हो रहे हैं। इस पंचम आरे में चौथे आरे की बानगी को देखकर जनता नतमस्तक हो त्याग-पच्चक्खाण से जीवन को धन्य बना रही है।

शासन दीपक श्री प्रकाश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-2 का गंगापुर चातुर्मास के लिए मंगल विहार हो गया। महासतियाँ जी म.सा. भीलवाड़ा के उपनगरों में अलख जगा रही हैं। देश-विदेश से दर्शनार्थियों का आवागमन जारी

है। श्री साधुमार्गी जैन संघ, समता महिला मंडल, समता युवा संघ, समता बहू मंडल, समता बालिका मंडल एवं सकल जैन समाज भीलवाड़ा अहर्निश सेवारत हैं।

धन्य हो जाती है वो धरती जहाँ महापुरुषों के चरण पड़ते हैं

1 जुलाई 2024, शंकर समता भवन, भीलवाड़ा। प्रात: मंगलमय प्रार्थना में सुप्त पड़ी आत्मा को जगाने का भाव लेकर *'उठ भोर भई टुक जाग सही'* भजन से भक्ति की गई। धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्री राजन मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि वह गाँव, नगर धन्य हैं, जहाँ महापुरुषों के चरण पड़ते हैं। वो नगरी व व्यक्ति धन्य हो जाते हैं, जिन्हें गुरु की अमृतवाणी व देशना सुनने को मिलती हैं। वह दिन धन्य होगा, जिस दिन हमारे भीतर वैराग्य की भावना उत्पन्न होगी। यदि भोगों में सुख होता तो भगवान महावीर राजमहल, राजपाट क्यों छोड़ते? पुद्गल हमेशा सड़ता-गलता, बिगड़ता-बनता रहता है। अत: वह सच्चा सुख कैसे देगा? सच्चा सुख तो धन व पुद्गलों का त्याग करने में है।

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि सुख पाने की इच्छा सभी व्यक्तियों में रहती है। जीवनभर भौतिक साधनों को प्राप्त करने के लिए अनेकानेक पाप कर्म करते रहते हैं, जबकि शाश्वत सुख तो कर्मों का क्षय करने में है, न कि बढ़ाने में।

शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता श्री जी म.सा. आदि ठाणा व साध्वी श्री अरुणा श्री जी म.सा. आदि ठाणा ने आचार्य भगवन् के दर्शन-सेवा का लाभ लिया। विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए। '**लोच में क्या सोच**' कार्यक्रम में कुछ भाइयों ने कायाक्लेश तप किया। एक घंटा मौन रहने का संकल्प कई भाई-बहनों ने लिया। संघ मंत्री ने अवसर का लाभ उठाने की अपील की। आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके मंगलपाठ फरमाया। दोपहर में महापुरुषों के सान्निध्य में ज्ञानचर्चा व प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए।

धर्म जीवन की रग-रग में हो

2 जुलाई 2024, तेरापंथ भवन। परमागम रहस्यज्ञाता आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर आदि ठाणा का जय-जयकारों के साथ तेरापंथ भवन, तेरापंथ नगर में भव्य मंगल पदार्पण हुआ। सभी संप्रदाय के लोगों ने महापुरुषों की अगवानी की।

विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए शास्त्रज्ञ परम पूज्य आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि **"हमारे मन-मंदिर में जिनेश्वर देवों के प्रति सच्ची प्रीत होनी चाहिए। अन्य को मन-मंदिर में प्रवेश न करने दें। हमारा मन इधर-उधर नहीं भटके। जितनी गहरी लालसाएँ होंगी, उतने ही भटकेंगे। व्रत-पच्चक्खाण, मर्यादा से मन की दौड़ पर लगाम लग जाएगी, आकांक्षाएँ सीमित हो जाएँगी। व्रत-पच्चक्खाण धारण करने के बाद जीवन परिवर्तित हो जाएगा। मर्यादित होने से जीवन में शांति हो जाएगी। बड़े-बड़े स्थानक बन गए, किंतु धर्म-ध्यान करने वाले कितने मिल रहे हैं? आज हमारे दिमाग में धर्म की जगह धन ने ले ली है। हमारे दुख-दर्द दूर करने वाला नवकार मंत्र है। धर्मस्थान में धार्मिक बन गए, किंतु जीवन में धर्म रग-रग में रम जाना चाहिए। आरंभ-परिग्रह संसार वृद्धि की जड़ है। तन जाए तो जाए, धन जाए तो जाए, किंतु सत्य धर्म नहीं जाना चाहिए।"**

श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि संस्कारवान व्यक्ति कहीं भी जाएगा, वह अपने संस्कार व धर्म को कभी नहीं छोड़ सकता। गुरुदेव की निधि आपके शुभ भावों को बढ़ाने वाली है।

शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्री जी म.सा. व साध्वी श्री उपासना श्री जी म.सा. आदि साध्वी मंडल ने

'तेरा मेरा मानो गुरुवर सदियों पुराना नाता है' गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष जसराज जी चोरड़िया ने अपने भावोद्गार में कहा कि आचार्य भगवन् का चातुर्मास भीलवाड़ा क्षेत्र को मिलना अत्यंत सौभाग्य की बात है। तेरापंथ भवन में पधारकर आपने अति कृपा की। तेरापंथ समाज की ओर से हार्दिक वंदन-अभिनंदन करता हूँ। श्रावक व साधु विषयक आपकी सूक्ष्म सुंदर प्रवचन शैली से हम अभिभूत हो गए हैं।

चातुर्मास में एक तेला करने का प्रत्याख्यान कई भाई-बहनों ने लिया। अन्य कई त्याग-प्रत्याख्यान हुए। दोपहर में आगम वाचनी, ज्ञानचर्चा, जिज्ञासा-समाधान के कार्यक्रम में आगमसम्मत सुंदर समाधान प्राप्त कर जनता हर्षित व नतमस्तक हो गई।

तेरापंथ समाज की सेवा-भक्ति सराहनीय रही। तेरापंथ महिला मंडल ने *'खुशियों से भरा आज दिवस गुरुवर पधारे'* स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

चंचलता दुःख का कारण है

3 जुलाई 2024, मॉर्डन वूलन। परम श्रद्धेय आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर आदि ठाणा का मॉर्डन वूलन में राजेश जी रांका के यहाँ पधारना हुआ। प्रवेश पश्चात् आयोजित धर्मसभा में अपार जनमेदिनी व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए आचार्य भगवन् ने फरमाया कि **''धार्मिक संस्कारों से यदि हम ओत-प्रोत नहीं होंगे तो हम नीचे की ओर चले जाएँगे। हरि सिंह जी रांका स्वयं धर्म के प्रति श्रद्धावान थे। कर्मचारियों द्वारा समता सर्व मंगल प्रार्थना कार्य शुभारंभ से पूर्व की जानी चाहिए। सर्व मंगल से समता का भाव आ जाना चाहिए।''**

बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर ने फरमाया कि **''गुरु-भगवंतों का पदार्पण जीवन को नई दिशा देने वाला है। सभी अपने जीवन में प्रतिदिन 15 मिनट धार्मिक पुस्तक पढ़ने का नियम लें। आचार्य भगवन् के प्रवचन पर चिंतन व मनन करने से जीवन को सफल बना सकते हैं। जीवन हमेशा एक जैसा नहीं है। जीवन में कभी सुख आता है, तो कभी दुःख के क्षण भी आते हैं।''**

स्थानीय संघ अध्यक्ष व चातुर्मास संयोजक ने आचार्य भगवन् के प्रति अहोभाव व्यक्त करते हुए धर्म व संघ सेवा में आगे बढ़ने की बात कही। परम गुरुभक्त राजेश जी-ललिता जी रांका ने कहा कि आज हमारा जीवन व क्षेत्र धन्य हो गया। आपकी कृपा हम पर सदैव बनी रहे। कर्मचारियों ने माह में चार दिन रात्रिभोजन त्याग करने, व्यसनमुक्त रहने व जान-बूझकर किसी जीव को नहीं मारने का संकल्प लिया।

मॉर्डर्न वूलन में प्रवचन पश्चात् महापुरुषों का यहाँ से यश स्वाध्याय भवन में जय-जयकारों के साथ मंगल प्रवेश हुआ। यहाँ पर आयोजित प्रवचन सभा में सभी को भगवान महावीर की अमृतवाणी का रसपान कराते हुए बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर ने फरमाया कि **''स्थिरता सुख है और अस्थिरता दुःख है। हम अपने जीवन को अस्थिरता से स्थिरता की ओर आगे बढ़ाएँ। स्थिरता एक ऐसा गुण है जो विशिष्ट शक्तियों से संपन्न रहता है। चंचलता दुःख का कारण है। हम जितने चंचल होते जाएँगे, उतने दुःखी होते जाएँगे। हमारी पूरी साधना चंचलता से स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने वाली है।''**

श्री गगन मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि हमें लोगों के गुणों को देखना है। प्रदर्शन, दिखावा, आडंबर से दूर रहें। अनावश्यक हिंसा से बचें। *'जिनवाणी सुनना है, जीवन को बदलना है'* भाव गीत प्रस्तुत कर सबको भावविभोर कर दिया।

शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्री जी म.सा. व साध्वी श्री मनीषा श्री जी म.सा. ने *'संयम अहो संयम,*

बहुश्रुत को नमन' गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। यश महिला मंडल ने *'आज पधारे गुरुवर सा सबको बधाई हो बधाई'* स्वागत गीत प्रस्तुत किया। चार माह के लिए शीलव्रत, रात्रिभोजन व जमींकंद त्याग के प्रत्याख्यान कई भाई-बहनों ने लिया।

धर्म की यात्रा में यतना विशिष्ट

4 जुलाई 2024, अहिंसा भवन, भीलवाड़ा। तरुण तपस्वी प्रशांतमना आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर का जय-जयकारों के साथ अहिंसा भवन, शास्त्रीनगर में मंगलमय पदार्पण हुआ। यहाँ चतुर्विध संघ की उपस्थिति में आयोजित धर्मसभा में आगमसार से भक्तों का जीवन पावन-पवित्र करते हुए जिनशासन प्रद्योतक आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि **''धर्मक्रियाएँ करना अलग बात है और धर्म स्पर्श करना अलग बात है। सामायिक, प्रतिक्रमण बहुत किया, परंतु धर्म का बोध, धर्म का स्पर्श नहीं हुआ। मासखमण किया, पर सम्यक्त्व प्राप्ति नहीं की तो मासखमण की कीमत कितनी? धर्म की यात्रा में यतना विशिष्ट है। छह काया के जीवों की रक्षा के भाव हों, तो धर्म का जन्म होता है। यतना नहीं तो कुछ भी नहीं। परमार्थ का परिचय एवं उसकी संगति करनी चाहिए। परमार्थ यानी परम प्रयोजन अंतिम प्रयोजन यानी मोक्ष को जिसने जान लिया। आज हर चीज में नाक का सवाल आता है। नाक सामने से हट जाएगी तो मोक्ष सामने नजर आएगा। जिसने अपने सम्यक्त्व को प्राप्त कर लिया उसकी मुक्ति निश्चित है।**

सभी आत्मा मेरी आत्मा के समान है। सभी जीवों के प्रति हमारा मैत्रीभाव हो। कोई मेरे प्रति कितनी भी शत्रुता रखे मेरे अंदर द्वेष ना हो। हमें दूसरों की बुराई नहीं, अपितु अच्छाई देखनी है।''

प्रतिक्रिया से कर्मबंधन

5 जुलाई 2024, अहिंसा भवन, भीलवाड़ा। प्रात: मंगलमय प्रार्थना के माध्यम से प्रभु व गुरुभक्ति कर जीवन धन्य हो गया। तत्पश्चात् आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए दिव्य विभूति परम श्रद्धेय आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि **''जो जिनेश्वर देव के चरणों को स्वीकार कर लेता है, वह कर्मों का बंधन नहीं करता है। सम्यक् दृष्टि जिनेश्वर देवों के चरण स्वीकार कर लेता है। चरण पकड़ने के बाद मिथ्यात्व का बंध नहीं होता। हमारी दृष्टि ज्ञाता-द्रष्टा की बन जाएगी। क्रिया है, पर प्रतिक्रया नहीं। प्रतिक्रिया होगी तो ज्ञाता-द्रष्टा भाव पैदा नहीं होगा। यह अच्छा है, वह बुरा है, इसका विश्लेषण करो। जैसे ही प्रतिक्रिया की और बंध चालू हो जाएगा। प्रतिक्रिया के भाव होंगे, तो कर्म बंधन होगा। राग-द्वेष नहीं होगा, तो कर्मों के पुद्गल आएँगे और झड़ जाएँगे। मिथ्यात्वी को ज्ञाता-द्रष्टा भाव नहीं आएगा। सम्यक् दृष्टि के मन में प्रतिक्रिया पैदा नहीं होती। जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।''**

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि दुर्लभ मनुष्य जन्म प्राप्त करने के बाद हम ऊपर उठने का काम कर रहे हैं या नीचे गिरने का काम कर रहे हैं? साधु बन सकें तो सर्वश्रेष्ठ, नहीं तो सच्चे श्रावक अवश्य बनें। जैन धर्म जबरदस्त है, पर जबरदस्ती नहीं करता है।

महिला मंडल ने *'जिनशासन के वीरों को वंदन है, अभिनंदन है'* भक्ति गीत प्रस्तुत किया। धोवन पानी पीने व रखने, प्रतिदिन 5 सामायिक करने का नियम कई भाई-बहनों ने लिया। दोपहर में वीर पिता वर्धमान जी कटारिया-भीलवाड़ा ने अपना 85वाँ तेला तप पूर्ण किया। मॉडर्न पब्लिक स्कूल में **'राम गुरु का है संदेश, व्यसनमुक्त हो सारा देश'** अभियान के तहत व्यसनमुक्ति जागरण का कार्यक्रम हुआ। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ की सेवाएँ सराहनीय रहीं। सभी संप्रदाय के भाई-बहनों ने महापुरुषों के पावन सान्निध्य का लाभ लिया। महावीर

नवयुवक मंडल सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने गुरुदर्शन का लाभ लिया।

प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट धार्मिक अध्ययन अवश्य करें

6 जुलाई 2024, समता भवन, काशीपुरी, भीलवाड़ा। सिरीवाल प्रतिबोधक परम श्रद्धेय आचार्य भगवन् व बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर आदि ठाणा का अपूर्व उल्लासमय माहौल में जय-जयकारों के साथ प्रथम बार समता भवन, काशीपुरी में मंगल पदार्पण होने से श्रद्धालुजन अति उत्साहित नजर आए। संपूर्ण विहार मार्ग **'संयम इनका सख्त है, तभी तो लाखों भक्त हैं'**, **'नाना गुरु ने क्या दिया, राम दिया भई राम दिया'** एवं जय-जयकारों से गूँज उठा। मंगल प्रवेश पश्चात् आयोजित धर्मसभा में साधना के शिखर पुरुष आचार्य भगवन् ने जन-जन का जीवन भगवान महावीर की अमृतवाणी से पावन करते हुए अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि **"परम निधान जिनेश्वर, निधान यानी भंडार या खजाना। जब तक दृष्टि में ज्योति नहीं आती तब तक देख नहीं पाते। ज्योति बिना जान नहीं पाते कि हमारे भीतर केवलज्ञान, केवलदर्शन की ज्योति भरी हुई है। साधु जीवन, श्रावक जीवन समता से भरा हुआ हो। समता हो तो परम निधान दिखाई देता है। मोह हट जाता है तो सही दृष्टि प्रकट होकर देखने की क्षमता भीतर जागृत हो जाती है। जो जैसा है वैसा जानना चाहिए। सम्यक् दृष्टि व मिथ्यादृष्टि में क्या है? पहचानना, एक दृष्टिकोण होना चाहिए। जो सुनते हैं, पढ़ते हैं, उस पर विचार करना, अनुप्रेक्षा करना चाहिए। प्रतिदिन 15 मिनट धार्मिक पुस्तक का अध्ययन करें। ज्ञान विकसित होगा तो दृष्टि पर प्रभाव पड़ेगा और दृष्टि निर्मल होगी। 15 मिनट में जो पढ़ा है, वह बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रेरणा वाली पंक्तियों से जीवन में प्रेरणा ले सकते हैं। जीवन में नैतिकता, सत्यनिष्ठा, प्रामाणिकता, ईमानदारी को सर्वप्रथम रखना चाहिए।"**

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने *'मानव का शुभ तन पाया, व्रतधारी बनो, व्रतधारी बनो'* गीत प्रस्तुत करते हुए फरमाया कि हर श्रावक को बारह व्रत स्वीकार करने चाहिए। शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा., साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्री जी म.सा. आदि साध्वीवर्याओं ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। संघ मंत्री व महेश नाहटा ने चातुर्मास जैसे स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

धन की नहीं धर्म की दौड़ लगाएँ

7 जुलाई 2024, बापूनगर, भीलवाड़ा। भीलवाड़ा क्षेत्र के अनेक उपनगरों को पावन करते हुए आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर का विहार क्रम जारी रहा। आपश्रीजी का जय-जयकारों के साथ महावीर भवन में मंगल पदार्पण हुआ। प्रवेश पश्चात् यहाँ पर आयोजित धर्मसभा में उपस्थित धर्मपिपासु भक्तों को आगमवाणी से पावन करते हुए उत्क्रांति प्रदाता परम पूज्य आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यवाणी में फरमाया कि **"जो अंदर है, वही बाहर है और जो बाहर है, वही अंदर है। कथनी-करनी में एकरूपता होगी तो ही सुखी बनेंगे। कोई हमें परेशान नहीं कर सकता। आत्मा ही कर्ता व भोक्ता है। हमने जो कर्म किए हैं उनको हमें भुगतना ही पड़ेगा। धन का भाव बढ़ता है तो मन बढ़ता है। मन बढ़ने से धन बढ़ता है। धन का भाव घटता है तो मन घटता है और मन घटता है तो धन घटता है। धर्म और पुण्य के प्रभाव से धन की प्राप्ति होती है, लेकिन धन की दौड़ लगाने से कुछ नहीं मिलता। धन की नहीं, धर्म की दौड़ लगाएँ। व्यापार करते हुए हमने किसी का दिल तो नहीं दुःखाया, जमीन तो नहीं हड़पी, झूठ तो नहीं बोला? तन जाए तो जाए, पर सत्य धर्म नहीं जाए।"**

श्री गगन मुनि जी म.सा. ने *'आया कहाँ से, कहाँ है जाना'* भाव गीत प्रस्तुत करते हुए फरमाया कि अनुकूल-प्रतिकूल अवस्था में समभाव रखें। गुरु के प्रति हमारी अटूट श्रद्धा होनी चाहिए। गुरु का साथ है तो डरने की क्या बात है।

साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा. आदि साध्वीवृंद ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। स्थानीय संघ मंत्री ने आचार्य भगवन् के आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। परम गुरुभक्त भंवरलाल जी लुणावत-बिलासीपाड़ा व सूरजमल जी चौरड़िया-खाचरौद के निधन पर परिजनों ने गुरुचरणों में आध्यात्मिक शांति व संदेश प्राप्त किया। चार माह रात्रिभोजन, जमीकंद का त्याग व शीलव्रत के प्रत्याख्यान हुए। समता युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्रमणोपासक सह-संपादिका ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया।

मेरेपन से दुःख अपार

8 जुलाई 2024, स्वाध्याय भवन, न्यू आजाद नगर, भीलवाड़ा। प्रातःकालीन दैनिक धार्मिक क्रम के पश्चात् कृपानिधान आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर आदि ठाणा का आगामी क्षेत्र स्वाध्याय भवन, न्यू आजाद नगर के लिए विहार हुआ। मार्ग में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। जैन-जैनेतर हर कोई आपके दृढ़-संयमी जीवन से अभिप्रेरित हो पावन चरणों के दर्शन कर आत्मतृप्त हो रहा है। आपश्रीजी का जय-जयकारों के साथ स्वाध्याय भवन में मंगल प्रवेश हुआ।

स्वाध्याय भवन पहुँचकर विहार यात्रा धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। संयम साधना के सजग प्रहरी आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में उपस्थित अपार जनसमूह को धर्म का मर्म समझाते हुए फरमाया कि **"चुनौतियाँ स्वीकार करने वाले साधना पथ के अधिकारी होते हैं। एक मनोवृत्ति ऐसी होती है, जिसमें कष्ट, कठिनाई आने पर व्यक्ति घबराता है और एक मनोवृत्ति ऐसी होती है जिसमें कष्ट, कठिनाई आने पर व्यक्ति सामना करता है। आज आसान रास्ता अपनाने वाले ज्यादा हैं और कठिनाईयों से जूझने वाले बहुत कम हैं। चुनौतियाँ आने पर इधर-उधर देखेंगे तो साधना नहीं होगी। राम वनवास में भी कष्टों से जूझते रहे। कष्ट में भगवान व धर्म याद आते हैं। अनाथी मुनि ने वेदना का कोई इलाज नहीं किया। कष्टों से माता-पिता, परिवार कोई नहीं बचा सकता। कष्टों को स्वयं ही सहन करना होता है। जो आत्मा में केंद्रित हो जाता है, उसके शरीर के साथ कुछ भी हो, वह परवाह नहीं करता। मेरेपन का भाव है, तो दर्द होता है। दुर्घटनाएँ रोज होती हैं, पर हमें तो तब ही दर्द होता है जब दुर्घटना किसी अपने के साथ होती है। दुःख, मेरेपन से होता है। दुःख, दुःखी नहीं बनाता, अपितु मेरापन दुःखी बनाता है। मेरेपन की बुद्धि को छोड़ेंगे तो दुःख नहीं होगा। शरीर के साथ मेरापन है तो दुःख है।"**

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि जिनेश्वर देव का धर्म कायरों का नहीं, वीरों का धर्म है। शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा. आदि ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। संघ मंत्री ने आचार्य भगवन् के आगमन को अनंत पुण्यवानी का उदय बताया। स्कूलों में व्यसनमुक्ति व संस्कार जागरण के कार्यक्रम हुए।

लाभ-अलाभ में रखें समभाव

9 जुलाई 2024, अमर समता भवन, आदिनाथ भवन, भीलवाड़ा। दया व करुणा के सागर परम प्रतापी आचार्य भगवन् आदि ठाणा का वर्धमान नगर से विहार कर अमर समता भवन, महावीर कॉलोनी में जय-जयकारों के साथ पधारना हुआ। परम गुरुभक्त श्रावकों ने आचार्य भगवन् के आगमन पर हर्ष व्यक्त करते हुए चातुर्मास के पश्चात् अमर समता भवन में प्रवचन लाभ देने की विनती गुरुचरणों में प्रस्तुत की। मंगलमय प्रार्थना में *'मेरे प्यारे देव-गुरुवर श्री धर्म जिन महान'* एवं *'हे प्रभु पंच परमेष्ठी दयाला'* गीतों के स्वर प्रस्फुटित हुए। आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके मंगलपाठ फरमाया।

अमर समता भवन से आचार्य भगवन् आदि ठाणा का आदिनाथ भवन, कांचीपुरम् में जय-जयकारों के साथ मंगलमय पदार्पण हुआ। बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा व शासन

दीपक श्री प्रकाश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा का भी कांचीपुरम् के आदिनाथ भवन में मंगल पदार्पण हुआ।

विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए दयानिधान करुणानिधि आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि **"सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। यह व्यावहारिक कथन है। निश्चय रूप में जन्म-मरण होता ही नहीं है। केवल जीना नहीं सुख से जीना चाहते हैं। सुख प्रिय और दुःख अप्रिय हैं। अभाव-सभाव में प्रकट हो जाए तो मान लेते हैं कि सुखी हो गया। सुख वह है जिसमें दुःख का संबंध न हो। लाभ-अलाभ में संतोष रहना चाहिए। संतोषी सदा सुखी होता है। लाभ-अलाभ में समान भाव रहना चाहिए। लाभ में हर्ष नहीं और अलाभ में पीड़ा नहीं। पुरुषार्थ करना कर्तव्य है। सफलता नहीं मिले तो मेरे पुरुषार्थ में कमी है। हम अपनी शक्ति का अहसास करें। दुःख का कारण मोह है। विचारों से ही दुःख से बचा जा सकता है अन्यथा छोटे-छोटे प्रसंग दुःखी बना देंगे। मोह के कारण नहीं करने योग्य कार्य भी हो जाता है। विश्वास है तो विश्व है। बहुत सारी लड़ाइयाँ अविश्वास के कारण होती है। परिवार ही नहीं संघ, समाज, संगठन की लड़ाइयाँ भी अविश्वास के कारण होती है। आप विश्वास कर रहे हैं तो सामने वाले में कुटिलता नहीं आ सकती।"**

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि श्रावक को अपनी मर्यादा का ध्यान रखना होगा। स्थावर जीव की मर्यादा, त्रस जीव की जान-बूझकर हिंसा करने का त्याग करना है। श्रावक को अधर्म, अन्याय सहन करना नहीं है।

शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता श्री जी म.सा. आदि ठाणा ने गुरुभक्ति भजन प्रस्तुत किया। आदिनाथ महिला मंडल ने *'आज पधारे गुरुवर सा'* स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संघ मंत्री ने आचार्य भगवन् के पदार्पण पर कहा कि आपश्रीजी के पधारने से हम सब धन्य-धन्य हो गए। इतने महान कठोर साधनाशील महापुरुष आचार्य भगवन् में जो सरलता हमने देखी है, उसके लिए शब्द नहीं हैं। चातुर्मास में एक तेला, 12 एकासना, 12 आयंबिल, 12 उपवास करने का नियम कई भाई-बहनों ने लिया।

चार माह शीलव्रत का पच्चक्खाण गौतम जी, रमेश जी ने लिया। कई भाई-बहनों ने चार माह रात्रिभोजन त्याग का प्रत्याख्यान लिया। '**लोच में क्या सोच**' कार्यक्रम के अंतर्गत सुनीता जी खारीवाल व अर्चित जी चंडालिया ने कायाक्लेश तप किया। दोपहर में श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने लेश्या, संज्ञा व धोवन पानी की विस्तृत जानकारी प्रदान की। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया।

सबसे बड़ी तपस्या समभाव की साधना

10 जुलाई 2024, आदिनाथ भवन, कांचीपुरम्, भीलवाड़ा। प्रातःकाल मंगलमय प्रार्थना में प्रभु व गुरुभक्ति के पश्चात् प्रवचन सभा का आयोजन किया गया। प्रतिपल वंदनीय आचार्य भगवन् ने धर्मसभा में उपस्थित अपार जनमेदिनी को संबोधित करते हुए अपनी दिव्यवाणी में फरमाया कि **"केवलज्ञानी भगवान की बातों का हमने अनुभव नहीं किया, पर श्रद्धा, विश्वास रखें तो आश्चर्य नहीं। एक समय लोगों को ये बातें गप्पे लगती थीं कि पृथ्वी, पानी, अग्नि में भी कोई जीव होता है क्या। लेकिन वैज्ञानिकों ने थोड़ा कुछ सिद्ध किया तो सभी मानने लगे। विज्ञान अपूर्ण है, भगवान संपूर्ण है। जब तक ज्ञान अधूरा है तब तक अनुभव नहीं कर पाएँगे। धर्म क्रिया कर रहे हैं तो उसकी अनुभूति करें। आज उपवास किया, कैसा लगा? शरीर हलका और मन शांत लगा? तो इसे डायरी में लिखें। भगवान ने सिर्फ भूखे रहने के लिए साधना नहीं की, अपितु मन को साधने के लिए साधना की। मन को पारदर्शी कैसे बनाएँ? भगवान ने ना जाने कितनी बड़ी-बड़ी तपस्याएँ की, उसके पश्चात् भी जो मिला उसी से पारणा कर लिया। सबसे बड़ी**

तपस्या है समभाव की साधना। समभाव में जो आत्मा चली गई, वह अवश्य मोक्ष जाएगी। लाभ-अलाभ, सुख-दु:ख, निंदा-प्रशंसा में मेरी प्रसन्नता कोई छीन नहीं सकता। जितनी क्षमा होगी, उतनी प्रसन्नता होगी।''

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि घर-परिवार में आपसी प्रेम-स्नेह बनाए रखें। बच्चे हों या बड़े, परिवार में किसी के ऊपर हाथ न उठाएँ। तुरंत कई भाई-बहनों ने परिवार में किसी के भी ऊपर हाथ नहीं उठाने की प्रतिज्ञा ली।

शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा. ने *'ले ले प्रभु गुरु का नाम'* भक्ति गीत प्रस्तुत किया। 92 वर्षीय मिलापंचद जी खाब्या, गोविंदगढ़ ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लेकर जीवन धन्य किया।

पराया धन नहीं फलेगा

11 जुलाई 2024, शांति भवन, भीलवाड़ा। चातुर्मास प्रारंभ से पूर्व आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर भीलवाड़ा के चप्पे-चप्पे को अपनी चरणरज से पावन कर भक्तों को धर्म का मर्म बता रहे हैं। आपश्रीजी के सान्निध्य में विहार का क्रम जारी है। महापुरुषों का आज प्रात: शांति भवन, भोपालगंज, भीलवाड़ा में जय-जयकारों के साथ मंगलमय पदार्पण हुआ।

यहाँ पर आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए उत्कृष्ट संयमधारी आचार्य श्री नानेश के सुशिष्य आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. ने अपनी दिव्य पीयूषवर्षिणी वाणी में फरमाया कि **''हम कर्मों के कारण संसार में भ्रमण कर रहे हैं। पाँच इंद्रियों के विषय लुब्ध हैं। भगवान ने जो कहा है वह नि:शंक है। हमें समझ नहीं आ रहा है तो क्षयोपशम मंद है। जिनका मन धर्म में अनुरक्त रहता है, वे संशयशील नहीं बनते। भगवान ने जो बताया है, उस पर विश्वास करें। भगवान ने साधना का मतलब समभाव बतलाया है। क्रोध बढ़ेगा, गुस्सा आएगा तो प्रीति का नाश हो जाएगा। मान से अकड़पन आ जाता है। माया, छल से विश्वास समाप्त हो जाता है। लोभ-लालच बुरी बला है। पराया धन फलेगा नहीं, पराए धन को धूल समझना चाहिए। झूठी कमाई कभी शांति देने वाली नहीं है। इच्छाएँ आकाश के समान अनंत हैं। न्याय-नीति की कमाई से शांति व समाधि मिलेगी। अनीति का पैसा टिकेगा नहीं। हमें यह जन्म सुधारना होगा। जिसने स्वयं को पहचाना, उसने सारी दुनिया को पहचान लिया।''**

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि सच्चा श्रावक सदा सत्य कथन करता है। पूर्व के श्रावकों की एक साख होती थी। आज के श्रावकों पर विश्वास कम हो गया है। बात-बात में झूठ का प्रयोग करते हैं। यहाँ तक कि श्रावक अपने घर फरसाने के लिए किसी भी रास्ते पर लेकर चले जाते हैं, झूठ का प्रयोग करते हैं। श्रावकों से निवेदन है कि झूठ ना बोलें। विशुद्ध संयम पालन करने वालों के संयम पालन में सहयोगी बनें।

शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा., साध्वी श्री स्थितप्रभा जी म.सा., साध्वी श्री जयघोषा श्री जी म.सा., साध्वी श्री खंतिप्रिया श्री जी म.सा. आदि साध्वीवर्याओं ने *'गुरु राम को झुकता चला जा'* गुरुभक्ति भजन प्रस्तुत किया। संघ मंत्री ने आचार्य भगवन् के आगमन पर हर्ष व्यक्त करते हुए अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

वर्ष में 12 एकासना, आयंबिल, उपवास करने व धोवन पानी घर में रखने तथा घर में रहते हुए धोवन पानी पीने का नियम कई भाई-बहनों ने लिया। अनिता जी श्रीमाल-बिरमावल ने दूसरे वर्षीतप का प्रत्याख्यान लिया। दोपहर में श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने धर्म व तत्त्वज्ञान की जानकारी देते हुए जिज्ञासाओं का आगमसम्मत समाधान फरमाया।

मुक्ति का मार्ग खुद को खोजने से प्रारंभ

12 जुलाई 2024, शांति भवन, भीलवाड़ा। प्रात:कालीन मंगलमय प्रार्थना में पंच परमेष्ठी का गुणगान कर जीवन धन्य बनाने के पश्चात् आयोजित धर्मसभा में जिनशासन प्रद्योतक आचार्य भगवन् ने उपस्थित गुरुभक्तों की विशाल जनमेदिनी को धर्मदृष्टि से जीवन जीने की प्रेरणा देते हुए फरमाया कि **"देह से जीव का अलग होना मरण है, लेकिन शरीर से जीवन की भिन्नता का भाव होना द्रष्टाभाव है। चाहे श्रावक हो या साधु जीव-अजीव तत्त्वों का ज्ञान अवश्य होना चाहिए, अन्यथा व्रतों का पालन कठिन होगा। मुक्ति का मार्ग खुद को खोजने से चालू होता है। हमें हमारी पहचान हो गई तो फिर दुनिया की पहचान करने से क्या फायदा? अपने आपको देखने का सामर्थ्य नहीं जग रहा है। वो नहीं जगेगा, तब तक साधना सिद्ध नहीं होगी। एक खुद की पहचान से नवकारसी भी साधना में ले जाने वाली होगी, वरना मासखमण भी कुछ काम नहीं आएगा। दृष्टि सही होनी चाहिए।"**

शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा. आदि साध्वीवृंद ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। संघ मंत्री ने आचार्य भगवन् के गुणों पर प्रकाश डाला। विविध तप-त्याग, प्रत्याख्यान हुए।

आकांक्षाओं पर लगाएँ लगाम

13 जुलाई 2024, महावीर भवन, भीलवाड़ा शहर। महत्तम शिखर महापुरुष आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर का शांति भवन से महावीर भवन, भीलवाड़ा शहर में अपूर्व जय-जयकारों के साथ मंगल पदार्पण हुआ।

प्रवेश पश्चात् आयोजित धर्मसभा में तीर्थंकर भगवान की आगमवाणी से उपस्थित भक्तों के मनों को सिंचित् करते हुए महत्तम शिखर महापुरुष आचार्य भगवन् ने फरमाया कि **"धन से सुविधाएँ मिल जाएगी, लेकिन सुख की कोई गारंटी नहीं हैं। सभी प्राणी भगवान के उपदेश सुनकर सुखी हो सकें इसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं, अपितु कर्मनिर्जरा करना है। धन से नाम, यशकीर्ति हो जाए, उससे क्या होगा? अनादिकाल से हम भटक रहे हैं। भगवान ने हमें उपदेश दिया कि हे भव्य प्राणियो! प्रमाद में जी रहे हो, आत्मा को भूल रहे हो। धन-दौलत, आत्मा की रक्षा करने में समर्थ नहीं है। यदि भयंकर बीमारी आ गई, डॉक्टर ने जवाब दे दिया तो धन क्या काम आएगा? मौत के समय क्या धन काम आएगा? परलोक में भी धन काम नहीं आएगा। वह न्याय मार्ग को जानते हुए भी नहीं जान रहा। परिग्रह या अपरिग्रह, सही मार्ग मोक्ष या संसार, हिंसा या अहिंसा, सत्य या असत्य जान रहे हैं, लेकिन दृष्टि परिवर्तित नहीं हो पा रही है। जानकर भी अनजान बन रहे हैं। ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के पास छह खंड की ऋद्धि थी। नौ निधियों की कमी नहीं थी। संपत्ति जोड़ लेने मात्र से सुख नहीं मिलेगा। आकांक्षाओं व लालसाओं पर लगाम लग जानी चाहिए।"**

श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने भीलवाड़ा चातुर्मास में अधिकाधिक सामायिक, संवर, दया, पौषध करने की विशेष प्रेरणा दी। साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा. ने *'गुरु राम आ गए हैं'* भक्ति भजन प्रस्तुत किया। महिला मंडल ने *'धन्य भाग हमारे गुरुवर यहाँ पधारे'* स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संघमंत्री तथा महेश नाहटा ने आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर के दिव्य गुणों से प्रेरणा लेने का निवेदन किया। दो व चार माह के लिए शीलव्रत, चातुर्मास काल में एक तेला करने, रात्रिभोजन व जमीकंद त्याग के प्रत्याख्यान कई भाई-बहनों ने लिए। '**लोच में क्या सोच**' कार्यक्रम निरंतर जारी है। रूपा देवी सुराणा, पांचू तथा मधुबाला जी जैन, इंदौर के संथारापूर्वक महाप्रयाण पर परिजनों ने गुरुचरणों में उपस्थित होकर आध्यात्मिक शांति व संदेश प्राप्त किया।

संसार दुःखों की खान

14 जुलाई 2024, यश विहार, भीलवाड़ा। अनेकानेक उपक्षेत्रों के निवासियों की शुभ भावनाएँ आचार्य भगवन् के दर्शन लाभ से फलीभूत हो रही हैं। आचार्यदेव प्रत्येक भक्त की भावना को मूर्तरूप में साकार कर भक्तों के द्वार पर पहुँचकर उनका जीवन धन्य बना रहे हैं। जगत् उद्धारक परम श्रद्धेय आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर का आज प्रात:काल महावीर भवन से विहार कर जय-जयकारों के साथ अहिंसा सर्किल स्थित यश विहार में भव्य मंगलमय पदार्पण हुआ। इस अवसर पर सभी संप्रदायों के प्रमुखों ने अगवानी की।

विशाल भूरा मोहन सभागार में आयोजित धर्मसभा में आगमवाणी से जन-जन में ज्ञान का भंडार करने वाले जन-मन के भगवान आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि **"भव रोग के कारण राग, द्वेष, क्रोध, मान, माया, लोभ हैं। इनसे भव-परंपरा बढ़ती है। इनको नष्ट कर दिया तो भव-परंपरा नष्ट कर सकते हैं। हमारा यह विचार बन जाए कि संसार से मुक्त क्यों होना है? तो ध्यान रखें कि क्योंकि संसार दुःखों की खान है। मनुष्य गति में जन्म का, मरण का दुःख है। हो सकता है बुढ़ापा नहीं आए। मरते समय अनंत वेदना होती है। मरण के समय कई जन बेहोश हो जाते हैं। जन्म के समय भी अनंत वेदना होती है। हमें बोध नहीं होता है। कभी परिवार टूट गया, क्लेश हो गया, किसी की जमीन हड़प ली, केस लगा दिया तो ये दुःख पीछा नहीं छोड़ते। देवलोक में भी दुःख होता है। वहाँ भी झगड़े, मारपीट, धन चुराना आदि कृत्य होते हैं। सुख पाना है तो सिद्ध अवस्था के वरण का मार्ग अपनाएँ, जहाँ न जन्म है, न जरा है, न मरण है, न कर्म है और न ही काया है। शरीर हो तो भूख लगती है, लेकिन वहाँ तो शरीर भी नहीं है। जिसका मोह क्षय हो गया, उसे दुःख नहीं होता। कुल्हाड़ी से कोई काटे या फूल बरसावे, कोई फर्क नहीं पड़ता। भगवान खड़े थे, ग्वाला आया और कीलें ठोंक दी। भगवान ने कोई प्रतिकार नहीं किया। कोई कैसा भी व्यवहार करे, करता रहे, मगर मैं समभाव में रहूँ। कर्मनिर्जरा निश्चित है। लाभ ही लाभ है, हानि नहीं। जैसा हम कर्म करेंगे, वैसा फल निश्चित है। दूसरों को सुख देंगे तो सुख मिलेगा, दुःख देंगे तो दुःख मिलेगा।"**

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने पाँच इंद्रियों के विषयों पर आसक्त न होने की प्रेरणा दी। साध्वी श्री स्थितप्रज्ञा श्री जी म.सा. ने फरमाया कि गुरुचरणों में ज्ञान, दर्शन, चारित्र की प्राप्ति होती है। गुरु के मुख से निकलने वाला हर वचन वरदान होता है। महिला मंडल, तिलक नगर ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। एक दिवसीय बालक-बालिका समता संस्कार शिविर महापुरुषों के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

किसी के प्रति दुर्भावना ना लाएँ

15 जुलाई 2024, प्राज्ञ स्वाध्याय भवन, भीलवाड़ा। जैसे-जैसे चातुर्मास प्रारंभ दिवस नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे आचार्य भगवन् के चरण तेजी से अनेकानेक क्षेत्रों को पावन करने हेतु अग्रसर हो रहे हैं। मंगलमय विहार का क्रम जारी रखते हुए आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर आदि ठाणा का अपूर्व जयनादों के साथ प्राज्ञ स्वाध्याय भवन में मंगल प्रवेश हुआ।

प्रवेश यात्रा में शामिल गुरुभक्त आचार्यदेव की अमृतवाणी से अपना जीवन धन्य बनाने हेतु प्रवेश पश्चात् धर्मसभा में शामिल हो गए। इस धर्मसभा को संबोधित करते हुए बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश

मुनि जी म.सा. ने अपनी ओजस्वी-तेजस्वी वाणी में फरमाया कि **''व्यक्ति संपन्न है, अरबपति-करोड़पति है तो उससे क्या लाभ? लाभ तो उससे है जिसने आश्रय में आने वाले को ऊँचा उठा दिया हो। माता-पिता व गुरु का उपकार चुकाना मुश्किल है। जिसने तकलीफ में सहायता की और अपने स्तर तक ऊँचा उठा दिया उसका महत्त्व है। कुछ लोग सोचते हैं कि मेरा मुनीम, मुनीम ही रहे और कुछ लोग सोचते हैं कि मेरा मुनीम मेरे बराबर आ जाए। महान वह नहीं जिसने ज्यादा फॉलोअर्स तैयार किए हैं, बल्कि महान वह है जिसने नेतृत्व करने वाले बहुत सारे तैयार कर दिए हैं। भगवान कहते हैं कि राग-द्वेष दूर करो। राग-द्वेष ऐसे शब्द हैं, जो हमने कई बार सुन लिए। यह हमारे लिए घिसी-पिटी बात है, लेकिन राग-द्वेष में हम कितने उलझे। मेरे प्रति कोई भी दुर्भावना रखे इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। हम किसी के बारे में न सोचें और दुर्भावना नहीं लाएँ।''**

श्री गौरव मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि इस चातुर्मास में हमें समय का योगदान देकर धर्माराधना करनी है। संघ मंत्री ने ***'राम आए हैं, राम आए हैं'*** भजन प्रस्तुत करते हुए महापुरुषों के प्रति अहोभाव व्यक्त किया। अनेक त्याग-प्रत्याख्यान हुए।

'लोच में क्या सोच' कार्यक्रम निरंतर जारी है। पूरा भीलवाड़ा नगर धर्म व राम के रंग में रंगा हुआ है। हर संप्रदाय के धर्मप्रेमी भाई-बहन आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर के दर्शन, प्रवचन के लिए उमड़ रहे हैं। चातुर्मास स्थल में महापुरुषों के मंगल प्रवेश हेतु श्री साधुमार्गी जैन संघ, समता महिला मंडल, समता युवा संघ, समता बालिका मंडल एवं सकल जैन समाज भीलवाड़ा नगर पलक-पावड़े बिछाए हुए हैं।

तपस्या सूची

आजीवन शीलव्रत	प्रकाश जी वंदना जी सुराणा-भीलवाड़ा, लक्ष्मी जी मेहता-कटक, किरण जी किरण देवी सेठिया-भीलवाड़ा, दिलीप जी मीना देवी बाघमार-भीलवाड़ा, तेजकरण जी छाजेड़-रासीसर, संपत सिंह जी शकुंतला देवी गोखरू-भीलवाड़ा, राजेंद्र जी नीला देवी भूरा-नागपुर/देशनोक, किशोर कुमार जी ब्राह्मण-भीलवाड़ा, प्रेमलता जी शांतिलाल जी बोथरा-बुरहानपुर, बुलाकीचंद जी गुलगुलिया-भीलवाड़ा, पारसमल जी नयना देवी कूकड़ा-भीलवाड़ा, प्रभुलाल जी शांता देवी वीरवाल-भीलवाड़ा, अनिल जी चौपड़ा-हैदराबाद
पौरसी	***एक वर्ष*** **–** पद्मा जी दरड़ा-भीलवाड़ा
संवर	***250*** **–** बसंत जी इंदिरा जी नागौरी-भीलवाड़ा
गाथा का स्वाध्याय	***प्रतिदिन 700*** **–** किरण जी भड़कत्या-बदनावर ***एक लाख*** **–** प्रणिता जी चौपड़ा-इंदौर (एक लाख नवकार मंत्र जाप भी) ***वर्ष में 25000*** **–** प्रभा जी भूरा-कोयंबटूर
उपवास	***29*** **–** कल्पना जी दीपक जी बेताला-भीलवाड़ा (तपस्या जारी) ***15*** **–** विहार सेवाकर्मी बगदीराम जी ओम जी परमार-कामलाखेड़ा ***अठाई*** **–** रतन जी देसरला-भीलवाड़ा *कई गुप्त तपस्याएँ जारी....*

-महेश नाहटा

अपने आचार्यदेव को जानें

परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के 50वें दीक्षा वर्ष को **'महत्तम शिखर'** के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पाठकों को आचार्यश्री के जीवन से परिचित कराने के लिए उनका जीवन चित्रण प्रस्तुत किया जा रहा है। यह चित्रण 29-30 मार्च 2024 समाचार अंक से प्रारंभ हुआ है, जो 12 माह तक श्रमणोपासक के समाचार अंकों में प्रकाशित किया जाएगा। इसके अंतर्गत आचार्यदेव का संपूर्ण जीवन- **बाल्यकाल, युवावस्था, मुनि प्रवर, युवाचार्य एवं आचार्य अवस्था** आदि विभिन्न पड़ावों का वर्णन किया जाएगा। इन पड़ावों के आधार पर पाठकों के समक्ष कुछ प्रश्न प्रस्तुत किए जाएँगे, जिनके उत्तर पाठकों को भरकर भिजवाने होंगे। इस शृंखला के अंतिम पड़ाव के रूप में **फरवरी 2025** के अंक में वर्षभर में दिए गए संपूर्ण चित्रण पर एक मुख्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें वर्षभर में प्रकाशित विभिन्न पड़ावों पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। अत: पाठकों से आग्रह है कि 29-30 मार्च 2024 समाचार अंक से आचार्य प्रवर के जीवन पर प्रकाशित संपूर्ण सामग्री संग्रहित करके रखें।

****

मुनि राम ने मुनि अवस्था में अपने दूसरे-तीसरे चातुर्मास से ही अद्‌भुत कार्य करना शुरू कर दिया था। आप आचार्यश्री की नेश्राय में रहकर ज्ञान-ध्यान तो सीख ही रहे थे साथ ही तिन्नाणं-तारयाणं की उक्ति को चरितार्थ करते हुए कभी-कभी ऐसे सुझाव दे जाते जो संघहित व जनहित में होते। मुनि राम के जीवन की कुछ झलकियाँ जो उनके भीतर छुपे महामानव के दर्शन कराती हैं, साथ ही उनके अंतर में समाहित गुणों को परिलक्षित करती है, उनका अल्प विवेचन -

1. अल्प उपधि – 1975 में देशनोक चार्तुमास लगते समय 4 हाथ और उठते समय सिर्फ 22 हाथ वस्त्र था।

2. दूरदृष्टि/अष्टाचार्य के प्रति सर्मपणा – नोखा चातुर्मास के दौरान युगद्रष्टा आचार्य प्रवर 1008 श्री जवाहरलाल जी म.सा. की जन्म शताब्दी पर मुनि राम ने आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालाल जी म.सा. से निवेदन किया कि ''जवाहराचार्य पर कोई ठोस कार्य हो तो शताब्दी मनाने का उद्देश्य सफल हो पाएगा।'' मुनि राम के दूरदृष्टि चिंतन के फलस्वरूप 'श्रीमज्जवाहराचार्य यशोविजयं महाकाव्य' हम सभी के समक्ष प्रस्तुत है।

लगभग उसी समय से प्रत्येक आचार्य के विभिन्न बड़े अवसरों व जयंतियों को कुछ खास प्रयोजन से मनाया जाता है, जिनमें आडंबर का कोई स्थान नहीं होता है। विभिन्न धार्मिक परीक्षाएँ व गतिविधियाँ इन जयंतियों में रंग भर रही हैं।

3. ज्योतिष शास्त्र में पारंगत – ज्ञान उस सागर के समान है, जिसका कोई अंत नहीं है। आवश्यकता है ऐसे विद्वान् गोताखोरों की जो उस ज्ञान के सागर में गोते लगाकर मोती ढूँढ़ लाएँ। मुनि राम साधु समाचारी, आगम, तत्त्वज्ञान आदि में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दे चुके थे।

रतलाम चार्तुमास में ज्योतिष के विद्वान् झमकलाल जी बोहरा ने मुनि राम से चर्चा कर पाया कि इन्होंने अल्पकाल में ज्योतिष का आश्चर्यजनक ज्ञानार्जन किया है।

4. क्रांतिकारी विचार/युवाचेत्ता – कानोड़ वर्षावास में मुनि राम ने आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. की दीक्षा अर्द्धशताब्दी पर समता युवा संघ को संबोधित करते हुए अपने क्रांतिकारी वचनों में कहा कि ''नेतागिरी छोड़कर कुछ

रचनात्मक कार्यों की ओर ध्यान दो। असहाय व कमजोर स्वधर्मी बंधुओं को संभालना सम्यक्त्वी का काम है। इस तरफ ध्यान नहीं गया तो धर्म का विकास संभव नहीं।'' जब युवाओं के दिल पर चोट की जाती है तो युवा सजग होकर समाज में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं। मुनि राम सदैव ही युवाओं के लिए चिंतनशील रहते और वर्तमान में भी युवाओं को जगाने हेतु अनेक आयाम दिए हैं।

जहाँ आज के युवा बढ़ती उम्र के साथ अपने जीवन की सही दिशा निर्धारित नहीं कर पा रहे हैं, बिना सोचे-समझे अपने आपको पाश्चात्य संस्कृति की चकाचौंधभरी आग में धकेल रहे हैं, उन सभी युवाओं के लिए मुनि राम का जीवन मात्र एक उदाहरण ही नहीं, अपितु मार्गदर्शन है।

कानोड़ वर्षावास पूर्ण होते-होते केकड़ी निवासी तत्त्वज्ञ श्रावकवर्य श्री लालचंद जी नाहटा 'तरुण' के काफी प्रश्न लेकर पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. की सेवा में आए। आचार्य-प्रवर समयाभाव व अन्यान्य कार्यवशात् प्रश्नों के उत्तर नहीं दे पाए। आचार्य-प्रवर ने वह प्रश्नावली मुनि राम के हाथों में सौंपते हुए फरमाया कि ''इन प्रश्नों के उत्तर तैयार करने हैं।''

मुनि राम ने सविनय 'तह त्ति' कहकर आचार्यश्री के आदेश को शिरोधार्य किया और कुछ प्रश्नों के उत्तर तैयार किए। विहार का समय नजदीक आ गया अत: यह कार्य अधूरा ही रह गया।

पूज्य गुरुदेव के साथ मुनि राम का उदयपुर पधारना हुआ। उदयपुर के उपनगर अशोक नगर में श्रावकवर्य श्री लालचंद जी नाहटा का आना हुआ। नाहटा जी ने कुछ प्रश्न पूछे तथा समाधान प्राप्त कर प्रमुदित हुए। मुनि राम ने कहा- ''आपके प्रश्न कानोड़ में भी आए थे। समयाभाव तथा अन्य कार्यवश उनके उत्तर नहीं दिलवा पाए। यद्यपि कुछ प्रश्नों के उत्तर लिखे हुए हैं तथा कुछ प्रश्नों के उत्तर लिखने शेष हैं। पूरे होने पर आपको प्राप्त हो सकते हैं।''

श्री नाहटा जी के समग्र प्रश्नों के उत्तर विद्वान् मुनि राम ने तैयार किए। आचार्य भगवन् के अवलोकन पश्चात् वे प्रश्नोत्तर जब नाहटा जी के पास केकड़ी पहुँचे तो उनकी प्रसन्नता का पार नहीं रहा। उन्होंने प्रश्नोत्तर प्राप्ति का उत्तर दिया। कुछ समय बाद उन्होंने फिर पत्र दिया। उस पत्र की पंक्तियाँ दृष्टव्य हैं।

श्री नाहटा जी लिखते हैं- ''आपके वहाँ पर विराजमान जैन शासन सम्राट, आचार्य चक्रवर्ती, हुक्मवंश भास्कर, प्रतिपल वंदनीय, आगम-तत्त्व महोदधि, महामहीम, प्रात: स्मरणीय, परम पूज्य, गुरुदेव श्रीमज्जैनाचार्य श्री नानालाल जी म.सा., परमागम रहस्यज्ञाता, युवाचार्य कल्प, विद्वद्रत्न श्री राम मुनि जी म.सा. आदि ठाणा के परम पवित्र चरणारविंदों में नाहटा परिवार केकड़ी की अत्यंत भक्ति व बहुमानपूर्वक मत्थएण वंदना अर्ज कर सुख-शांति पूछावें।''

''पूज्य आचार्य भगवन् व परमागम रहस्यज्ञाता श्री राम मुनि जी म.सा. द्वारा आगमिक जिज्ञासाओं के समाधानों को इन दिनों गहराई से देखा। देखकर मैं चमत्कृत हो गया। कुछ समाधान तो प्रचलित धारणाओं से हटकर भी इतने युक्तियुक्त व प्रमाण पुरस्सर हैं कि जिनको देखकर स्थानीय विद्वान् भी दंग रह गए हैं। पूज्य गुरुदेव को कितना परिश्रम करना पड़ा होगा, इसकी कल्पना ही दुष्कर है। तथापि केवल मात्र परिश्रम ही काफी नहीं है। उसके साथ-साथ तीव्र मेधा शक्ति, अवधारणा शक्ति, स्मरण शक्ति व स्वयं का तलस्पर्शी अध्ययन भी आवश्यक है। इन सबकी आपके यहाँ एक साथ उपस्थिति समस्त विश्व के लिए गौरव का विषय है।''

ये पंक्तियाँ नाहटा जी ने उस समय लिखी, जब मुनि प्रवर राम 'मुनि-प्रवर राम' ही थे। वे युवाचार्य नहीं बने थे।

श्री नाहटा जी तत्त्वज्ञ व जैन दर्शन के जानकार थे। उनकी जन्मभूमि केकड़ी शास्त्रार्थ भूमि है। उनके पिताजी भी शास्त्रार्थ करने में निपुण थे। नाहटा जी को शास्त्रीय चर्चा की रुचि बपौती से प्राप्त थी। ऐसे श्रावक ने समय से पूर्व मुनि प्रवर राम के लिए जो पंक्तियाँ लिखीं, वो सहज आश्चर्य में डालती हैं। इससे पाठकवृंद स्वयं अनुमान लगा सकते हैं कि शास्त्रीय विषयों में मुनि प्रवर की कितनी गहरी रुचि व ग्रहण शक्ति थी।

प्रश्नावली

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर देवें -

प्रश्न 1. रतलाम चातुर्मास में मुनि राम से ज्योतिष पर किसने चर्चा की?

.....

प्रश्न 2. युवा समाज में कब आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? .....

प्रश्न 3. कानोड़ वर्षावास पूर्ण होते-होते काफी प्रश्न लेकर पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. की सेवा में कौन आए? .....

प्रश्न 4. मुनि राम साधु समाचारी, आगम, तत्त्वज्ञान आदि में किसका परिचय दे चुके थे?

.....

प्रश्न 5. कुछ प्रश्नों के समाधान प्रचलित धारणाओं से हटकर भी क्या थे कि जिनको देखकर स्थानीय विद्वान् दंग रह गए? .....

प्रश्न 6. मुनि राम के पास देशनोक चातुर्मास लगते व उतरते समय कितना वस्त्र था?

.....

प्रश्न 7. मुनि राम ने किसको संबोधित करते हुए नेतागिरी छोड़कर कुछ रचनात्मक कार्यों की ओर ध्यान देने को कहा? .....

प्रश्न 8. श्री लालचंद जी नाहटा ने पत्र में मुनि राम को कौनसी उपाधि दी?

.....

प्रश्न 9. श्री नाहटा जी के पिताजी किसमें निपुण थे? .....

प्रश्न 10. मुनि राम के दूरदृष्टि चिंतन के फलस्वरूप हम सभी के समक्ष क्या प्रस्तुत है?

.....

प्रश्न 11. किनकी एक साथ उपस्थिति समस्त विश्व के लिए गौरव का विषय है?

.....

प्रश्न 12. कौनसी उक्ति को चरितार्थ करते हुए मुनि राम संघहित व जनहित में सुझाव दे जाते?

.....

प्रश्न 13. श्री नाहटा जी के समग्र प्रश्नों के उत्तर किसने तैयार किए? .....

प्रश्न 14. मुनि राम आचार्यश्री की नेश्राय में रहकर क्या सीख रहे थे? .....

प्रश्न 15. देशनोक चातुर्मास कौनसे सन् में हुआ? .....

उत्तर भिजवाने हेतु WhatsApp No. : 9314055390
Email : shramanopasak @sadhumargi.com

अंतिम तिथि
25 अगस्त 2024

केंद्रीय संघ पदाधिकारियों का तीन अंचलों में सघन प्रवास : सभी प्रवास स्थलों पर महत्तम महोत्सव सहित विभिन्न प्रवृत्तियों की पुरजोर प्रभावना

तमिलनाडु, दिल्ली-पंजाब-हरियाणा व बीकानेर-मारवाड़ अंचल में 30 जून से 6 जुलाई तक सात दिवसीय प्रवास से नया जोश

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष, शिखर सदस्य विमल जी सिपानी, अंचलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री व कार्यसमिति सदस्यों का तमिलनाडु, दिल्ली-पंजाब-हरियाणा व बीकानेर-मारवाड़ अंचल का सात दिवसीय प्रवास 30 जून से 6 जुलाई 2024 तक हुआ। इस दौरान प्रवास स्थलों के स्थानीय संघ अध्यक्ष, मंत्री व सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

❖ तमिलनाडु अंचल

दिनांक 30 जून को प्रवास का शुभारंभ चेन्नई से हुआ। यहाँ स्थानीय संघ के साथ बैठक में महत्तम महोत्सव, अभिरामम् आनंदम् सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। तत्पश्चात् 3 जुलाई तक यह क्रम चेन्नई, चिंगलपेट, सिरकाली, मायावरम्, विल्लिपुरम व मदुरांतकम् आदि स्थलों पर जारी रहा। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के आगमन से स्थानीय संघों में एक नया ही जोश देखने को मिला। अनेक स्थानों के संघनिष्ठ गुरुभक्त महानुभावों ने संघ सेवा हेतु आगे आकर समता भवन निर्माण समिति हेतु 3, विहार सेवा हेतु 1, संघ आजीवन सदस्यता हेतु 1, इदं न मम हेतु 13, महत्तम महोत्सव हेतु 27 एवं महाप्रभावक सदस्यता हेतु 6 घोषणाएँ कर सभी को गौरवान्वित किया। प्रवास के दौरान एक नए स्थानीय संघ का गठन व 1 स्थानीय संघ को संघ आबद्धता के लिए पंजीकृत किया गया।

❖ दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरी अंचल

तमिलनाडु अंचल का प्रवास संपन्न कर प्रवासी दल 4 जुलाई को दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरी अंचल की ओर अग्रसर हुआ। यहाँ प्रवासी दल के साथ अंचल के पदाधिकारी, कार्यसमिति तथा स्थानीय संघों के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सहभागिता निभाई। प्रवास के दौरान चंडीगढ़, पंचकुला, मोहाली व लुधियाना आदि क्षेत्रों में स्थानीय पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों का आयोजन किया गया। सभी स्थानों पर महत्तम शिखर महोत्सव सहित संघ की विविध प्रवृत्तियों तथा आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त आयामों की जानकारी देते हुए इनसे जुड़ने की प्रभावना की गई। इससे प्रेरित होकर दो स्थानीय संघों ने संघ आबद्धता ग्रहण की और महाप्रभावक सदस्यता हेतु 2, प्रभावक सदस्यता हेतु 1, विहार सेवा सदस्यता हेतु 1, श्रमणोपासक सदस्यता हेतु 1, इदं न मम हेतु 9 महानुभावों ने स्वीकृति प्रदान की। हर्ष व उल्लास भरे माहौल में यहाँ का एक दिवसीय प्रवास संपन्न कर प्रवासी दल कर आगामी गंतव्य की ओर प्रस्थान हुआ।

❖ बीकानेर-मारवाड़ अंचल

प्रवासी दल संघ उत्थान में पूर्ण मनोयोग से संकल्पित हो प्रवास के अगले क्रम में 4 जुलाई से 6 जुलाई तक इस अंचल के जेतोमंडी, भटिंडा, रामामंडी, सिरसा, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, गोलूवाला, पीलीबंगा व सूरतगढ़ आदि क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रवास किया। इन सभी क्षेत्रों के गुरुभक्तों का उल्लास देखते ही बनता था। इन स्थानीय संघों में आयोजित बैठकों में हर कोई गुरुचरणों में नतमस्तक हो संघ सेवा में अपना सर्वोत्तम योगदान देने हेतु आतुर था। इस अंचल के 1 संघ ने संघ आबद्धता ग्रहण की तथा महाप्रभावक सदस्यता हेतु 2, महत्तम महोत्सव हेतु 1, इदं न मम हेतु 4 महानुभावों ने सहर्ष घोषणा की।

सभी प्रवास स्थलों पर संघ आबद्धता, महत्तम महोत्सव, संघ आजीवन सदस्यता, इदं न मम, विहार सेवा, महाप्रभावक व प्रभावक सदस्यता, श्रमणोपासक, समता संस्कार पाठशाला तथा समता भवन निर्माण सहित संघ की विविध प्रवृत्तियों की प्रभावना के साथ-साथ '**अभिरामम् आनंदम्**' हेतु सकल जैन समाज को जोड़ने का आह्वान किया गया। संघ विकास हेतु स्थानीय संघों के साथ विचार-विमर्श एवं सहभागिता से सभी एकनिष्ठ हो समष्टि के कल्याण हेतु आगे बढ़े। प्रवास के दौरान शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यदेशना श्री जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन का लाभ प्राप्त हुआ।

❖ मुख्य उपलब्धियाँ –

- ⌘ चारित्रात्माओं के दर्शन-वंदन व मार्गदर्शन
- ⌘ 10 महाप्रभावक, 1 प्रभावक, 27 इदं न मम, 2 विहार सेवा, 1 संघ आजीवन, 1 श्रमणोपासक आजीवन सदस्यता हेतु घोषणा
- ⌘ 1 नवीन संघ का गठन
- ⌘ 4 स्थानीय संघ केंद्रीय संघ से आबद्ध हुए
- ⌘ समता भवन निर्माण सहयोग हेतु 3 महानुभावों द्वारा घोषणा
- ⌘ 28 महानुभावों द्वारा महत्तम महोत्सव में अनुदान की घोषणा।

– राष्ट्रीय महामंत्री

परम श्रद्धेय, परमागम रहस्यज्ञाता, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, दृढ़ प्रतिज्ञ, सामाजिक क्रांति के पुरोधा, श्रीमज्जैनाचार्य 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के आज्ञानुवर्ती चारित्रात्माओं के विक्रम संवत् 2081 के स्वीकृत चातुर्मास की सूची

चातुर्मास सूची-2024
अनुक्रमणिका

क्र.सं.	प्रमुख संत/सतीवर्याओं के नाम	स्थान	ठाणा
1.	**परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.** **उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा**	भीलवाड़ा (राज.)	20
2.	शासन दीपक श्री रमेश मुनि जी म.सा.	सेठिया कोटड़ी, बीकानेर (राज.)	8
3.	शासन दीपक श्री प्रकाश मुनि जी म.सा.	गंगापुर (राज.)	2
4.	शासन दीपक श्री गौतम मुनि जी म.सा.	गंगाशहर-भीनासर (राज.)	5
5.	शासन दीपक श्री पद्म मुनि जी म.सा.	शहादा (महा.)	3
6.	शासन दीपक श्री निश्चल मुनि जी म.सा.	मीरा रोड, मुंबई (महा.)	3
7.	शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी म.सा.	बेरला (छ.ग.)	2
8.	पर्याय ज्येष्ठ श्री अनंत मुनि जी म.सा. शासन दीपक श्री छत्रांक मुनि जी म.सा.	ब्यावर (राज.)	5
9.	शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा.	बड़ीसादड़ी (राज.)	5
10.	शासन दीपक श्री मनीष मुनि जी म.सा.	कोटा (राज.)	2
11.	शासन दीपक श्री संजय मुनि जी म.सा.	नोखामंडी (राज.)	4
12.	शासन दीपक श्री हेमंत मुनि जी म.सा.	रतलाम (म.प्र.)	3
13.	शासन दीपक श्री सुबाहु मुनि जी म.सा.	सिल्लोड (महा.)	2

14.	शासन दीपक श्री विदेह मुनि जी म.सा.	बरकतपुरा, हैदराबाद (तेलं.)	2
15.	शासन दीपक श्री श्रुतप्रभ मुनि जी म.सा.	मानसरोवर, जयपुर (राज.)	3
16.	शासन दीपक श्री सुमित मुनि जी म.सा.	जलगाँव (महा.)	3
17.	शासन दीपक श्री आदर्श मुनि जी म.सा.	रामामंडी (पंजाब)	2
18.	शासन दीपक श्री दिव्यदर्शन मुनि जी म.सा.	धमतरी (छ.ग.)	2
19.	शासन दीपिका साध्वी श्री रोशन कँवर जी म.सा.	ब्यावर (राज.)	6
20.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (उदयपुर वाले)	उदयपुर (राज.)	5
21.	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री कस्तूर कँवर जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री चंदनबाला जी म.सा. (पिपलिया मंडी वाले)	मंदसौर (म.प्र.)	7
22.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलता जी म.सा.	चित्तौड़गढ़ (राज.)	7
23.	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री पारस कँवर जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री कमलप्रभा जी म.सा.	मालू कोटड़ी, बीकानेर (राज.)	14
24.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (महाराष्ट्र वाले)	नीमच (म.प्र.)	4
25.	शासन दीपिका साध्वी श्री शकुंतला श्री जी म.सा.	रतलाम (म.प्र.)	6
26.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (बीकानेर वाले)	निकुंभ (राज.)	5
27.	शासन दीपिका साध्वी श्री विमला कँवर जी म.सा.	प्रतापगढ़ (राज.)	10
28.	शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याण कँवर जी म.सा.	शिवा बस्ती, गंगाशहर (राज.)	4
29.	शासन दीपिका साध्वी श्री श्रीकांता जी म.सा.	इंदौर (म.प्र.)	14
30.	शासन दीपिका साध्वी श्री चेतन श्री जी म.सा.	सरवानिया महाराज (म.प्र.)	4
31.	शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता जी म.सा. (जावरा वाले)	जावद (म.प्र.)	3
32.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (मोड़ी वाले)	साबरमती, अहमदाबाद (गुज.)	5
33.	शासन दीपिका साध्वी श्री समता श्री जी म.सा.	कांकरोली (राज.)	5
34.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियलक्षणा श्री जी म.सा.	कानोड़ (राज.)	4
35.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुमनप्रभा जी म.सा.	वांसदा (गुज.)	4
36.	शासन दीपिका साध्वी श्री वनिता श्री जी म.सा.	नरडाणा (महा.)	4
37.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रभा जी म.सा.	बेलगाँव (कर्ना.)	4
38.	शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुला श्री जी म.सा. (देशनोक वाले)	निम्बाहेड़ा (राज.)	7
39.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रीतिसुधा जी म.सा.	रतलाम (म.प्र.)	5
40.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुदर्शना श्री जी म.सा.	मोरवन (राज.)	4
41.	शासन दीपिका साध्वी श्री चंद्रप्रभा जी म.सा.	जयपुर (राज.)	6
42.	शासन दीपिका साध्वी श्री आदर्शप्रभा जी म.सा.	धुलिया (महा.)	3
43.	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्चना श्री जी म.सा.	मैसूर (कर्ना.)	4
44.	शासन दीपिका साध्वी श्री मनोरमा श्री जी म.सा.	दिल्ली	4
45.	शासन दीपिका साध्वी श्री चंचल कँवर जी म.सा.	छोटीसादड़ी (राज.)	6

46.	शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता जी म.सा. (छत्तीसगढ़ वाले)	भीलवाड़ा (राज.)	19
47.	शासन दीपिका साध्वी श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा.	सोमेसर (राज.)	6
48.	शासन दीपिका साध्वी श्री मधुबाला जी म.सा.	कोठारी जी की हवेली, उदयपुर (राज.)	8
49.	शासन दीपिका साध्वी श्री गुणसुंदरी श्री जी म.सा.	मोरवन बाँध (म.प्र.)	3
50.	शासन दीपिका साध्वी श्री सरोजबाला जी म.सा.	जावरा (म.प्र.)	5
51.	शासन दीपिका साध्वी श्री वंदना श्री जी म.सा.	फलोदी (राज.)	3
52.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमोद श्री जी म.सा.	सुदामा नगर, इंदौर (म.प्र.)	4
53.	शासन दीपिका साध्वी श्री दर्शना श्री जी म.सा.	गुड़ी (म.प्र.)	4
54.	शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभा जी म.सा.	दुर्ग (छ.ग.)	6
55.	शासन दीपिका साध्वी श्री ज्योतिप्रभा जी म.सा.	जमुनिया कलां (म.प्र.)	3
56.	शासन दीपिका साध्वी श्री विद्यावती जी म.सा.	कपासन (राज.)	4
57.	शासन दीपिका साध्वी श्री विनय श्री जी म.सा.	मंडफिया (सांवलिया जी) (राज.)	3
58.	शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेता श्री जी म.सा.	उदयरामसर (राज.)	4
59.	शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभा जी म.सा.	जोरावरपुरा, नोखामंडी (राज.)	3
60.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावना श्री जी म.सा.	देशनोक (राज.)	7
61.	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्पणा श्री जी म.सा. (कानोड़ वाले)	सवाई माधोपुर (राज.)	3
62.	शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणि जी म.सा.	महासमुंद (छ.ग.)	4
63.	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री सुबोधप्रभा जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री साक्षी श्री जी म.सा.	धरणगाँव (महा.)	3
64.	शासन दीपिका साध्वी श्री भावना श्री जी म.सा.	मल्लेश्वरम्, बेंगलुरु (कर्ना.)	4
65.	शासन दीपिका साध्वी श्री उज्ज्वलप्रभा जी म.सा.	दलोट (राज.)	4
66.	शासन दीपिका साध्वी श्री चारित्रप्रभा जी म.सा.	सावन (म.प्र.)	3
67.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमिला श्री जी म.सा.	बालोद (छ.ग.)	4
68.	शासन दीपिका साध्वी श्री शर्मिला श्री जी म.सा.	बारडोली (गुज.)	3
69.	शासन दीपिका साध्वी श्री पावन श्री जी म.सा.	चिकारड़ा (राज.)	3
70.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रज्ञा श्री जी म.सा. (चिकारड़ा वाले)	बंबोरा (राज.)	4
71.	शासन दीपिका साध्वी श्री श्रुतशीला जी म.सा.	बालाघाट (म.प्र.)	3
72.	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री विवेकशीला जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशप्रज्ञा जी म.सा.	दल्लीराजहरा (छ.ग.)	4
73.	शासन दीपिका साध्वी श्री मननप्रज्ञा जी म.सा.	संजीत (म.प्र.)	3
74.	शासन दीपिका साध्वी श्री चिंतनप्रज्ञा जी म.सा.	शाही बाग, अहमदाबाद (गुज.)	3
75.	शासन दीपिका साध्वी श्री समीक्षा श्री जी म.सा.	नाई (राज.)	3
76.	शासन दीपिका साध्वी श्री रश्मि श्री जी म.सा.	वाशिम (महा.)	4
77.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशा श्री जी म.सा.	रायपुर (छ.ग.)	5

29–30 जुलाई 2024 www.sadhumargi.com | श्रमणोपासक | 33

78.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रशांत श्री जी म.सा.	नागौर (राज.)	4
79.	शासन दीपिका साध्वी श्री समीक्षणा श्री जी म.सा.	राहुरी फैक्ट्री (महा.)	3
80.	शासन दीपिका साध्वी श्री ऋजुता श्री जी म.सा.	वरणगाँव (महा.)	3
81.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुभक्ति श्री जी म.सा.	घाटकोपर (मुंबई)	3
82.	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री प्रभात श्री जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री वरण श्री जी म.सा.	पावटा बी रोड, जोधपुर (राज.)	4
83.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुसमृद्धि श्री जी म.सा.	सूरत (गुज.)	3
84.	शासन दीपिका साध्वी श्री महक श्री जी म.सा.	बालेसर दुर्गावता (राज.)	3
85.	शासन दीपिका साध्वी श्री करिश्मा श्री जी म.सा.	मल्काजगिरी, हैदराबाद (तेलं.)	3
86.	शासन दीपिका साध्वी श्री संयति श्री जी म.सा.	खेतिया (छ.ग.)	3
87.	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री मैनासुंदरी श्री जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री अभीप्सा श्री जी म.सा.	पाली (राज.)	4
88.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुमेरु श्री जी म.सा.	कांग्रेस नगर, नागपुर (महा.)	3
89.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुसौम्य श्री जी म.सा.	सेक्टर 5, उदयपुर (राज.)	3
90.	शासन दीपिका साध्वी श्री समया श्री जी म.सा.	परासोली (उ.प्र.)	3
91.	शासन दीपिका साध्वी श्री समिया श्री जी म.सा.	हावड़ा (प.बं.)	4
92.	शासन दीपिका साध्वी श्री पूर्वी श्री जी म.सा.	वल्लभनगर (राज.)	4
93.	शासन दीपिका साध्वी श्री निखार श्री जी म.सा.	उदासर (राज.)	4
94.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियंका श्री जी म.सा.	अर्जुनी (छ.ग.)	4
95.	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियता श्री जी म.सा.	बैतूल (म.प्र.)	3
96.	शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यदेशना श्री जी म.सा.	कोंडीतोप, चेन्नई (तमि.)	3
97.	शासन दीपिका साध्वी श्री सुरीली श्री जी म.सा.	गुवाहाटी (असम)	4
98.	शासन दीपिका साध्वी श्री अक्षिता श्री जी म.सा.	भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)	4
99.	शासन दीपिका साध्वी श्री खंतिप्रिया श्री जी म.सा.	भीलवाड़ा (राज.)	21
100.	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री चंद्रकला श्री जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री काव्ययशा श्री जी म.सा.	कमला नेहरु नगर, जोधपुर (राज.)	5
101.	शासन दीपिका साध्वी श्री स्वागत श्री जी म.सा.	समता भवन, हैदराबाद (तेलं.)	4

संत–मुनिराज	:	76	चातुर्मास स्थल	:	18
साध्वीश्रीजी	:	398	चातुर्मास स्थल	:	83
कुल ठाणा	:	474	कुल चातुर्मास स्थल	:	101

नोट – चारित्रात्माओं के नाम, वरीयता क्रम, चातुर्मास स्थल व पता आदि लिखने में यदि कोई त्रुटि हुई हो तो अविनय अशातना के लिए श्रमणोपासक टीम क्षमायाचना करती है।

परम श्रद्धेय, परमागम रहस्यज्ञाता, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, दृढ़ प्रतिज्ञ, सामाजिक क्रांति के पुरोधा, श्रीमज्जैनाचार्य 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के आज्ञानुवर्ती चारित्रात्माओं के विक्रम संवत् 2081 के स्वीकृत चातुर्मास की सूची

चातुर्मास सूची-2024

1. भीलवाड़ा (राज.)

1. **परम श्रद्धेय, परमागम रहस्यज्ञाता, परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.**
2. **बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा.**
3. श्री चंद्रेश मुनि जी म.सा.
4. श्री हैमगिरि मुनि जी म.सा.
5. श्री नीरज मुनि जी म.सा.
6. श्री राजन मुनि जी म.सा.
7. श्री हर्षित मुनि जी म.सा.
8. श्री गगन मुनि जी म.सा.
9. श्री धीरज मुनि जी म.सा.
10. श्री गौरव मुनि जी म.सा.
11. श्री इभ्य मुनि जी म.सा.
12. श्री मयंक मुनि जी म.सा.
13. श्री यत्नेश मुनि जी म.सा.
14. श्री गुणीश मुनि जी म.सा.
15. श्री नमन मुनि जी म.सा.
16. श्री रामसुवर्ण मुनि जी म.सा.
17. श्री रामहृदय मुनि जी म.सा.
18. श्री रामयश मुनि जी म.सा.
19. श्री रामसौरभ मुनि जी म.सा.
20. श्री रामसूर्य मुनि जी म.सा.

ठाणा-20

चातुर्मास स्थल : 1. श्री महावीर सेवा समिति, अरिहंत भवन, छोटी पुलिया के पास, सी-286 से 288, आर.के. कॉलोनी, पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)
2. जयाचार्य भवन, 2-डी-21 एंड 22, आर.सी. व्यास कॉलोनी, पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)

1. श्री बलवंत सिंह जी रांका
रांका हाउस, सोनी हॉस्पिटल के पास,
शास्त्रीनगर, पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9829178431, 9799738431 (व्हाट्सएप्प)

2. श्री सुरेंद्र कुमार जी संखलेचा
संखलेचा हाउस, सोनी हॉस्पिटल के पास,
शास्त्रीनगर, पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9414115394

3. श्री संपतलाल जी बाफना
बी-199, आर.के. कॉलोनी,
पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9414115280

4. श्री अमरचंद जी दुग्गड़
ए-98, सुभाष नगर, मेन पार्क के पास,
पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9414978697

2. सेठिया कोटड़ी, बीकानेर (राज.)

1. शासन दीपक श्री रमेश मुनि जी म.सा.
2. श्री वीरेन्द्र मुनि जी म.सा.
3. श्री राकेश मुनि जी म.सा.
4. श्री चिन्मय मुनि जी म.सा.
5. श्री मुदित मुनि जी म.सा.
6. श्री शमित मुनि जी म.सा.
7. श्री उम्मेद मुनि जी म.सा.
8. श्री मंगल मुनि जी म.सा.

ठाणा-8

चातुर्मास स्थल : सेठिया कोटड़ी, मरोठी सेठिया मोहल्ला, ठंठेरा बाजार, पो. बीकानेर-334001 (राज.)

1. श्री इंद्रचंद जी दुगड़
मरोठी सेठिया मोहल्ला, सेठिया कोटड़ी के पास,
पो. बीकानेर-334001 (राज.)
मो.: 9351383508

2. श्री सुरेंद्र कुमार जी पारख
बेगाणी चौक,
पो. बीकानेर-334001 (राज.)
मो.: 9414142109

3. गंगापुर (राज.)

1. शासन दीपक श्री प्रकाश मुनि जी म.सा.
2. श्री किशोर मुनि जी म.सा.

ठाणा-2

चातुर्मास स्थल : समता भवन, कुंड चौक, पो. गंगापुर, जि. भीलवाड़ा-311801 (राज.)

1. श्री कैलाशचंद्र जी कोठारी
द्वारा- कैलाश जनरल स्टोर, कंसारा बाजार,
पो. गंगापुर, जि. भीलवाड़ा-311801 (राज.)
मो.: 9414740985

2. श्री पवन जी गिलुंडिया
सदर बाजार, पो. गंगापुर,
जि. भीलवाड़ा-311801 (राज.)
मो.: 9079110703

4. गंगाशहर-भीनासर (राज.)

1. शासन दीपक श्री गौतम मुनि जी म.सा.
2. श्री प्रशम मुनि जी म.सा.
3. श्री विनय मुनि जी म.सा.
4. श्री मधुर मुनि जी म.सा.
5. श्री जयेश मुनि जी म.सा.

ठाणा-5

चातुर्मास स्थल : श्री जैन जवाहर विद्यापीठ, पो. भीनासर, जि. बीकानेर-334401 (राज.)

1. श्री कौशल जी दुग्गड़
बोथरा चौक, नई लाइन,
पो. गंगाशहर, जि. बीकानेर-334401 (राज.)
मो.: 9001037121

2. श्री चंचल कुमार जी बोथरा
इंद्रा चौक, नई लाइन,
पो. गंगाशहर, जि. बीकानेर-334401 (राज.)
मो.: 8118824853, 9314128719

5. शहादा (महा.)

1. शासन दीपक श्री पद्म मुनि जी म.सा.
2. श्री निर्वाण मुनि जी म.सा.
3. श्री अनन्य मुनि जी म.सा.

ठाणा–3

चातुर्मास स्थल : समता भवन, पीपल्स बैंक के सामने, दोंडाइचा रोड, पो. शहादा, जि. नंदुरबार–425409 (महा.)

1. श्री प्रकाशचंद जी मिश्रीलाल जी कोटड़िया
इंप्रेशन गिफ्ट शॉपी, शॉप नं. 24,
मोंगिनिस केक के पास, दोंडाइचा रोड,
पो. शहादा, जि. नंदुरबार–425409 (महा.)
मो.: 9423485603

2. श्री उत्तमचंद जी नेमीचंद जी चोरड़िया
द्वारा– प्रकाश प्रोविजन
बस स्टैंड के सामने,
पो. शहादा, जि. नंदुरबार–425409 (महा.)
मो.: 9403875917

6. मीरा रोड, मुंबई (महा.)

1. शासन दीपक श्री निश्चल मुनि जी म.सा.
2. श्री मदन मुनि जी म.सा.
3. श्री रोहित मुनि जी म.सा.

ठाणा–3

चातुर्मास स्थल : अजरामर जैन स्थानक, वागड़ नगर, रामदेव पार्क, मीरा रोड (ईस्ट), मुंबई–401107 (महा.)

1. श्री पारसमल जी चपलोत
रश्मि विला, पोरवाल टॉवर के सामने,
1–2, पी.वी.आर. सिनेमा के पास, कनकिया,
पो. मीरा रोड (ईस्ट), जि. ठाणे (महा.)
मो.: 9930053933

2. श्री महावीर जी सुराणा
ए–1802, इंद्रप्रस्थ गोल्डन नेस्ट, फेज–16,
मीठालाल जैन बंगलो के पीछे,
पो. भायंदर (ईस्ट), जि. ठाणे–401105 (महा.)
मो.: 9320229389

3. श्री अरुण कुमार जी बांठिया (मो.: 9819250735)

7. बेरला (छ.ग.)

1. शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी म.सा.
2. श्री दिनेश मुनि जी म. सा.

ठाणा–2

चातुर्मास स्थल : जैन भवन, पो. बेरला, जि. बेमेतरा–491332 (छ.ग.)

1. श्री सुनील जी लोढ़ा
वर्षा रेडीमेड, बाजार चौक,
पो. बेरला, जि. बेमेतरा–491332 (छ.ग.)
मो.: 9424134692

2. श्री हर्षद जी सुराणा
प्रथम ट्रेडर्स, पुराना बस स्टैंड के पास,
पो. बेरला, जि. बेमेतरा–491332 (छ.ग.)
मो.: 9424103010

8. ब्यावर (राज.)

1. पर्याय ज्येष्ठ श्री अनंत मुनि जी म.सा.
2. पर्याय ज्येष्ठ श्री प्राणेश मुनि जी म.सा.
3. शासन दीपक श्री छत्रांक मुनि जी म.सा.
4. श्री अमित मुनि जी म.सा.
5. श्री शोभन मुनि जी म.सा.

ठाणा–5

चातुर्मास स्थल : समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नया बास, पो. ब्यावर–305901 (राज.)

1. श्री विनयचंद जी रांका
राजदीप, मुणोत नगर,
पो. ब्यावर-305901 (राज.)
मो.: 9414008974

2. श्री उत्तमचंद जी लोढ़ा
3, लक्ष्मी मार्केट, पाँच बत्ती के पास,
पो. ब्यावर-305901 (राज.)
मो.: 9352772477

9. बड़ीसादड़ी (राज.)

1. शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा.
2. श्री अटल मुनि जी म.सा.
3. श्री हिमांशु मुनि जी म.सा.
4. श्री उदित मुनि जी म.सा.
5. श्री जयप्रभ मुनि जी म.सा.

ठाणा-5

चातुर्मास स्थल : समता भवन, कमला नेहरू मार्ग, राजमहल के पास, पो. बड़ीसादड़ी, जि. चित्तौड़गढ़-312403 (राज.)

1. श्री राजमल जी भंडारी
ब्रह्मपुरी, सुनार गली,
पो. बड़ीसादड़ी, जि. चित्तौड़गढ़-312403 (राज.)
मो.: 9950438223

2. श्री प्रकाशचंद्र जी नागौरी
ब्रह्मपुरी, स्टेशन रोड,
पो. बड़ीसादड़ी, जि. चित्तौड़गढ़-312403 (राज.)
मो.: 7597529999

10. कोटा (राज.)

1. शासन दीपक श्री मनीष मुनि जी म.सा.
2. श्री प्रणत मुनि जी म.सा.

ठाणा-2

चातुर्मास स्थल : समता भवन, जैन दिवाकर हॉस्पिटल के सामने, तालाब रोड, पो. कोटा-324006 (राज.)

1. श्री महेंद्र जी कांकरिया
आशा टी सेंटर, अग्रसेन बाजार,
पो. कोटा-324006 (राज.)
मो.: 9414933550

2. श्री पंकज जी सामसुखा
करणी ट्रेडर्स, अग्रसेन बाजार,
पो. कोटा-324006 (राज.)
मो.: 9799205049

11. नोखामंडी (राज.)

1. शासन दीपक श्री संजय मुनि जी म.सा.
2. श्री प्रमोद मुनि जी म. सा.
3. श्री हृषीकेश मुनि जी म.सा.
4. श्री मुक्तेश्वर मुनि जी म.सा.

ठाणा-4

चातुर्मास स्थल : श्री जैन जवाहर भवन, जैन चौक, पो. नोखा, जि. बीकानेर-334803 (राज.)

1. श्री मदनलाल जी पारख
नोखा वस्त्र भंडार, तापड़िया मार्केट,
पो. नोखा, जि. बीकानेर-334803 (राज.)
मो.: 9413968297

2. श्री बाबूलाल जी कांकरिया
श्री राम इलेक्ट्रिकल्स, गांधी चौक,
पो. नोखा, जि. बीकानेर-334803 (राज.)
मो.: 8112298035

12. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन दीपक श्री हेमंत मुनि जी म.सा.
2. श्री लाघव मुनि जी म.सा.
3. श्री ब्रह्मऋषि मुनि जी म.सा.

ठाणा-3

चातुर्मास स्थल : समता शीतल पैलेस, छोटू भाई की बगीची, पो. रतलाम-457001 (म.प्र.)

1. श्री कांतिलाल जी छाजेड़
130, छाजेड़ ज्वेलर्स, चांदनी चौक,
पो. रतलाम-457001 (म.प्र.)
मो.: 9425103380

2. श्री अशोक जी पिरोदिया
71, गहना ज्वेलर्स, त्रिपोलिया गेट रोड,
पो. रतलाम-457001 (म.प्र.)
मो.: 9424529214

13. सिल्लोड (महा.)

1. शासन दीपक श्री सुबाहु मुनि जी म.सा. 2. श्री सौरभ मुनि जी म.सा. **ठाणा-2**

चातुर्मास स्थल : सचिन राजमल जी नाहटा का नया मकान, रिखबचंद जी कर्नावट के मकान के सामने, तिलक नगर, तालुका सिल्लोड, जि. संभाजीनगर-431112 (महा.)

1. श्री अनिल जी गोलछा
द्वारा- श्री मिश्रीलाल जी गोलछा
तिलक नगर, तालुका सिल्लोड,
जि. संभाजीनगर-431112 (महा.)
मो.: 9422214180

2. श्री कांतिलाल जी ओस्तवाल
महाराणा प्रताप नगर,
तालुका सिल्लोड,
जि. संभाजीनगर-431112 (महा.)
मो.: 9422722701

3. श्री शांतिलाल जी वोरा (मो.: 9422204345)

4. श्री राजू पाटिल (मो.: 7972866551)

14. बरकतपुरा, हैदराबाद (तेलंगाना)

1. शासन दीपक श्री विदेह मुनि जी म.सा. 2. श्री उत्तमयश मुनि जी म.सा. **ठाणा-2**

चातुर्मास स्थल : श्री पारसमल जी विजेंद्र जी पितलिया का निवास, 'कल्पतरु', 3-4-9/1, डॉ. बोमन्ना गली, शालिनी हॉस्पिटल गेट के सामने वाली गली, एंडोमेंट ट्रिब्यूनल के सामने, बरकतपुरा, पो. काचीगुड़ा, जि. हैदराबाद-500027 (तेलंगाना)

1. श्री रमेश जी पितलिया
'कल्पतरु', 3-4-9/1, डॉ. बोमन्ना गली,
शालिनी हॉस्पिटल गेट के सामने वाली गली,
एंडोमेंट ट्रिब्यूनल के सामने, बरकतपुरा,
पो. काचीगुड़ा, जि. हैदराबाद (तेलंगाना)
मो.: 9885009003, 8121419003

2. श्री विजय जी कटारिया
3-5-44/1, फ्लैट नं. 406
एक्रेडिया अपार्टमेंट,
जागृति कॉलेज के सामने,
रामकोट, जि. हैदराबाद-500001 (तेलंगाना)
मो.: 9848027457

3. श्री सुनील जी कोठारी (मो.: 9391064400)

15. मानसरोवर, जयपुर (राज.)

1. शासन दीपक श्री श्रुतप्रभ मुनि जी म.सा. 2. श्री नि:श्रेयस मुनि जी म.सा.
3. श्री राजरत्न मुनि जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था, किरण पथ, मध्यम मार्ग, मानसरोवर, पो. जयपुर-302020 (राज.)

1. श्री मुकेश जी जारोली
14/168, शिप्रा पथ, मानसरोवर,
पो. जयपुर-302020 (राज.)
मो.: 9351149600

2. श्री प्रकाशचंद जी लोढ़ा
45/174, किरण पथ, मानसरोवर,
पो. जयपुर-302020 (राज.)
मो.: 9571829925

16. जलगाँव (महा.)

1. शासन दीपक श्री सुमित मुनि जी म.सा.
2. श्री भूतिप्रज्ञ मुनि जी म.सा.
3. श्री ऋजुप्रज्ञ मुनि जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : आर.सी. बाफना स्वाध्याय भवन, आकाशवाणी चौक, गणपति नगर, पो. जलगाँव-425001 (महा.)

1. श्री राजेंद्र जी लुंकड़
विश्वास लुंकड़ ज्वैलर्स
109, भवानी पेठ, सराफा बाजार,
पो. जलगाँव-425001 (महा.)
मो.: 9422275234

2. श्री सचिन जी बोरा
बोरा एजेंसीज, 83, नवी पेठ,
पंजाब नेशनल बैंक के सामने,
पो. जलगाँव-425001 (महा.)
मो.: 9372418233

17. रामामंडी (पंजाब)

1. शासन दीपक श्री आदर्श मुनि जी म.सा.
2. श्री नवोन्मेष मुनि जी म.सा. **ठाणा-2**

चातुर्मास स्थल : एस.एस. जैन सभा, पोस्ट ऑफिस के पास, गली नं. 5/1, पो. रामामंडी, जि. बठिंडा-151301 (पंजाब)

1. श्री राजेश जी जैन
द्वारा- जैन आइसक्रीम पार्लर
गौशाला रोड, पो. रामामंडी,
जि. बठिंडा-151301 (पंजाब)
मो.: 9815739711

2. श्री नितेश जी जैन
द्वारा- वर्धमान क्लॉथ हाउस
पोस्ट ऑफिस के पास, पो. रामामंडी,
जि. बठिंडा-151301 (पंजाब)
मो.: 9417075115

18. धमतरी (छ.ग.)

1. शासन दीपक श्री दिव्यदर्शन मुनि जी म.सा.
2. श्री लक्षित मुनि जी म.सा. **ठाणा-2**

चातुर्मास स्थल : जमनालाल स्थानक भवन, सदर बाजार, पो. धमतरी-493773 (छ.ग.)

1. श्री प्रदीप जी बुरड़
पुत्र श्री भागचंद जी जैन, मराठा पारा,
दाजी मराठी स्कूल के पास,
पो. धमतरी-493773 (छ.ग.)
मो.: 9039163838

2. श्री महेशचंद जी कोटड़िया
द्वारा- नेमीचंद जी अंचलचंद जी कोटड़िया
सदर बाजार,
पो. धमतरी-493773 (छ.ग.)
मो.: 9827175531

19. ब्यावर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री रोशन कँवर जी म.सा.
2. साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रखर श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री अविकार श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री सत्कार श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री निरामय श्री जी म.सा.

ठाणा–6

चातुर्मास स्थल : कांकरिया स्थानक, तेलियान चौपड़ के पास, हनुमान मंदिर के सामने, नयाबास, पो. ब्यावर–305901 (राज.)

संपर्क सूत्र : चातुर्मास क्रमांक 8 देखें।

20. उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (उदयपुर वाले)
2. साध्वी श्री कमल श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सिद्धमणि श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री अर्पिता श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री मृगांक श्री जी म.सा.

ठाणा–5

चातुर्मास स्थल : अरिहंत कंस्ट्रक्शन (संजय जी डूंगरवाल), 395, आई–1 रोड, पो. भूपालपुरा, जि. उदयपुर–313001 (राज.)

1. श्री संजय जी डूंगरवाल
   अरिहंत कंस्ट्रक्शन कंसल्टेंट, 395, आई–1 रोड,
   पो. भूपालपुरा, जि. उदयपुर–313001 (राज.)
   मो.: 9352501324
2. श्री प्रशांत जी कोठारी
   432, भूपालपुरा, मेन रोड,
   पो. भूपालपुरा, जि. उदयपुर–313001 (राज.)
   मो.: 9828083828

21. मंदसौर (म.प्र.)

1. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री कस्तूर कँवर जी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री चंदनबाला जी म.सा. (पिपलिया मंडी वाले)
3. साध्वी श्री शारदा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री लक्षिता श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री यशस्वी श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री मनस्वी श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री विशुद्धि श्री जी म.सा.

ठाणा–7

चातुर्मास स्थल : समता सदन, रोम टावर वाली गली, पुलिस कंट्रोल रूम के सामने, नई आबादी, पो. मंदसौर–458001 (म.प्र.)

1. श्री बाबूलाल जी पितलिया
   विकास ट्रेडर्स, दया मंडी रोड,
   गौशाला मार्केट, पो. मंदसौर–458001 (म.प्र.)
   मो.: 9425369562
2. श्री नरेंद्र कुमार जी चौधरी
   77, शुभम् नगर, यशबालाजी चौराहा के पीछे,
   किटीयानी, संजीत रोड,
   पो. मंदसौर–458001 (म.प्र.)
   मो.: 9425369547

22. चित्तौड़गढ़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलता जी म.सा.
2. साध्वी श्री पुष्पलता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री निरंजना श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री जिनप्रभा जी म.सा.
5. साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी म.सा.
6. साध्वी श्री विशालप्रभा जी म.सा.
7. साध्वी श्री सुप्रतिभा श्री जी म.सा. **ठाणा–7**

चातुर्मास स्थल : आचार्य श्री नानेश रामेश भवन, आयकर विभाग के पास, किला रोड, पो. चित्तौड़गढ़–312001 (राज.)

1. श्री रोशनलाल जी लोढ़ा
   62–बी, अरिहंत नगर, बी स्ट्रीट,
   हाई सेकेंडरी स्कूल के पीछे,
   पो. सेंथी, जि. चित्तौड़गढ़–312025 (राज.)
   मो.: 9414109331
2. श्री आदित्येंद्र जी सेठिया
   17–18 सी, चंद्रशेखर आजाद नगर,
   पो. सेंथी, जि. चित्तौड़गढ़–312025 (राज.)
   मो. 9829244305

23. मालू कोटड़ी, बीकानेर (राज.)

1. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री पारस कँवर जी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री कमलप्रभा जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुमति कँवर जी म.सा.
4. साध्वी श्री हर्षिला श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री पूर्णिमा श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री ज्योत्स्ना श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री मणिप्रभा जी म.सा.
8. साध्वी श्री कनकप्रभा जी म.सा.
9. साध्वी श्री संयमप्रभा जी म.सा.
10. साध्वी श्री निष्ठा श्री जी म.सा.
11. साध्वी श्री प्रथमा श्री जी म.सा.
12. साध्वी श्री सांत्वना श्री जी म.सा.
13. साध्वी श्री भवपार श्री जी म.सा.
14. साध्वी श्री लवियशा श्री जी म.सा. **ठाणा–14**

चातुर्मास स्थल : समता साधना भवन (मालू कोटड़ी), रांगड़ी चौक, पो. बीकानेर–334001 (राज.)
संपर्क सूत्र : चातुर्मास क्रमांक 2 देखें।

24. नीमच (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (महाराष्ट्र वाले)
2. साध्वी श्री चंदना श्री जी म.सा. (बड़ीसादड़ी वाले)
3. साध्वी श्री अर्पणा श्री जी म.सा (बड़ीसादड़ी वाले)
4. साध्वी श्री रामकला श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : रामेश समता भवन, बंगला नं. 8, एल्कोलाइड कॉलोनी के सामने, पो. नीमच–458441 (म.प्र.)

1. श्री पारसमल जी सोनी
   बंगला नं. 47, विजय टॉकीज चौराहा,
   टैगोर मार्ग, पो. नीमच–458441 (म.प्र.)
   मो.: 8989055511
2. श्री अशोक जी मोगरा
   291, विकास नगर 14/4,
   पो. नीमच–458441 (म.प्र.)
   मो.: 9329444345

25. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री शकुंतला श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री लक्ष्यज्योति श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री हितैषी श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री रुचिरा श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री कीर्तियशा श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री दीप्ति श्री जी म.सा. **ठाणा–6**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, गोपाल नगर, गोपाल गौशाला के पास, पो. रतलाम–457001 (म.प्र.)

संपर्क सूत्र : चातुर्मास क्रमांक 12 देखें।

26. निकुंभ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (बीकानेर वाले)
2. साध्वी श्री राजमती श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री विरक्ता श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री तरुलता श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री अंजलि श्री जी म.सा. **ठाणा–5**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, पुराने पुलिस थाने के पास, पो. निकुंभ, जि. चित्तौड़गढ़–312603 (राज.)

1. श्री विनोद कुमार जी सहलोत
   हनुमान गली, सदर बाजार,
   पो. निकुंभ, जि. चित्तौड़गढ़–312603 (राज.)
   मो.: 9928309647
2. श्री महावीर जी मेहता
   गौरव जनरल स्टोर, बस स्टैंड के पास,
   चित्तौड़–बड़ीसादड़ी रोड,
   पो. निकुंभ, जि. चित्तौड़गढ़–312603 (राज.)
   मो.: 9929961631, 9928063102

27. प्रतापगढ़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विमला कँवर जी म.सा.
2. साध्वी श्री करुणा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुमित्रा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री इंगिता श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री लक्षिता श्री जी म.सा. (बाड़मेर वाले)
6. साध्वी श्री विशाखा श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री प्रगति श्री जी म.सा.
8. साध्वी श्री प्रीति श्री जी म.सा. (चित्तौड़गढ़ वाले)
9. साध्वी श्री मंजरी श्री जी म.सा.
10. साध्वी श्री कृति श्री जी म.सा. **ठाणा–10**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, समता मार्ग, नई आबादी, पो. प्रतापगढ़–312605 (राज.)

1. श्री अंकित जी चिप्पड़
   सालमपुरा, पो. प्रतापगढ़–312605 (राज.)
   मो.: 8233267777
2. श्री कमलेश जी मालू
   धनपत जी दक का मकान, पहली मंजिल, समता मार्ग,
   नई आबादी, पो. प्रतापगढ़–312605 (राज.)
   मो.: 9928587164, 7737973189

28. शिवा बस्ती, गंगाशहर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याण कँवर जी म.सा.
2. साध्वी श्री लब्धि श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सन्निधि श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री वरदा श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : समता महिला भवन, शिवा बस्ती, पो. गंगाशहर, जि. बीकानेर-334401 (राज.)
सम्पर्क सूत्र 1 व 2 के लिए चातुर्मास क्रमांक 4 देखें।

3. श्री पारस जी भूरा (मो.: 9413106883)

29. इंदौर (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री श्रीकांता जी म.सा.
2. साध्वी श्री चंदनबाला जी म.सा. (बड़ावदा वाले)
3. साध्वी श्री रंजना श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री सुलोचना श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री जयंत श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री मधु श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री मुक्ता श्री जी म.सा.
8. साध्वी श्री रिद्धप्रभा जी म.सा.
9. साध्वी श्री अनुराग श्री जी म.सा.
10. साध्वी श्री अनाकार श्री जी म.सा.
11. साध्वी श्री सुखदा श्री जी म.सा.
12. साध्वी श्री छवियशा श्री जी म.सा.
13. साध्वी श्री सुगुणा श्री जी म.सा.
14. साध्वी श्री तृप्ति श्री जी म.सा.

ठाणा-14

चातुर्मास स्थल : समता भवन, यशवंत निवास रोड, 15, रानी सती गेट के आगे, पो. इंदौर-452002 (म.प्र.)

1. श्री तेजकुमार जी तातेड़
   4, गिरधर नगर, महेश नगर,
   पो. इंदौर-452002 (म.प्र.)
   मो.: 9826033624
2. श्री ललित जी दुगड़
   यशवंत निवास रोड,
   पो. इंदौर-452002 (म.प्र.)
   मो.: 9827013200

30. सरवानिया महाराज (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चेतन श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सूर्यमणि जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुरभि श्री जी म.सा. (जावद वाले)
4. साध्वी श्री सुषमा श्री जी म.सा.

ठाणा-4

चातुर्मास स्थल : महावीर भवन, सदर बाजार, पो. सरवानिया महाराज, जि. नीमच-458220 (म.प्र.)

1. श्री दिलीप कुमार जी नपावलिया
   किराणा के व्यापारी, नीमच सिंगोली रोड,
   पो. सरवानिया महाराज, जि. नीमच-458220 (म.प्र.)
   मो.: 9329465797
2. अजीत कुमार जी फाफरिया
   जैन किराणा स्टोर, नीमच सिंगोली रोड,
   पो. सरवानिया महाराज, जि. नीमच-458220 (म.प्र.)
   मो.: 9827281805

31. जावद (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता जी म.सा. (जावरा वाले)
2. साध्वी श्री स्तुति श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री अरुणिमा श्री जी म.सा.

ठाणा-3

चातुर्मास स्थल : आचार्य श्री हुक्मीचंद स्मृति भवन, पो. जावद, जि. नीमच-458330 (म.प्र.)

1. श्री अजीत जी चेलावत
   मुखर्जी मार्ग, पो. जावद,
   जि. नीमच-458330 (म.प्र.)
   मो.: 9425106028
2. श्री अंकित जी चोपड़ा
   द्वारा- श्री दिलीप कुमार जी चोपड़ा
   18, झंडा गली,
   पो. जावद, जि. नीमच-458330 (म.प्र.)
   मो.: 9407441167

32. साबरमती, अहमदाबाद (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर म.सा. (मोड़ी वाले)
2. साध्वी श्री विवेक श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री पुनीता श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री अर्जिता श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री संपन्नता श्री जी म.सा. **ठाणा–5**

चातुर्मास स्थल : श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ, हिरानी नगर, म्युनिसिपल कम्यूनिटी हॉल के सामने, धर्मनगर पोस्ट ऑफिस के पास, पो. साबरमती, जि. अहमदाबाद–380005 (गुज.)

1. श्री सुरेंद्र टी. जैन
   बी–403, सारथी कॉम्प्लैक्स,
   विषत पैट्रोल पंप के पास,
   पो. साबरमती, जि. अहमदाबाद–380005 (गुज.)
   मो.: 9726199334
2. श्री जयेश भाई शाह
   1003, जिफोन ग्राफिक्स, रिलायंस स्मार्ट
   के सामने, मोटेरा कोटेश्वर रोड,
   पो. साबरमती, जि. अहमदाबाद–380005 (गुज.)
   मो.: 9426756418

33. कांकरोली (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समता श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री रविप्रभा जी म.सा.
3. साध्वी श्री अक्षयप्रभा जी म.सा.
4. साध्वी श्री स्वर्णज्योति श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री प्रसिद्धि श्री जी म.सा. **ठाणा–5**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, होटल स्काईलैंड के पीछे, भीलवाड़ा रोड, पो. कांकरोली, जि. राजसमंद–313324 (राज.)

1. श्री सागर जी मारू
   विवेकानंद चौराहा,
   पो. कांकरोली, जि. राजसमंद–313324 (राज.)
   मो.: 9829273431
2. श्री सागर जी सुराणा
   505, सिल्वर स्प्रिंग अपार्टमेंट, 100 फीट रोड,
   पो. कांकरोली, जि. राजसमंद–313324 (राज.)
   मो.: 9414232337

34. कानोड़ (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियलक्षणा श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री किरणप्रभा जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुमंगला श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री प्रांजल श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : समता साधना भवन, पो. कानोड़, जि. उदयपुर–313604 (राज.)

1. श्री अरुण कुमार जी भणावत
   गांधी चौक, राजमहल के पास,
   पो. कानोड़, जि. उदयपुर–313604 (राज.)
   मो.: 8209772057, 9414684187
2. श्री सुरेश कुमार जी मुर्डिया
   धींगों की घाटी,
   पो. कानोड़, जि. उदयपुर–313604 (राज.)
   मो.: 9001574329

35. बांसदा (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुमनप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री रौनक श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रमिति श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री खामेमि श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, जैन मंदिर के पीछे, पो. वांसदा, जि. नवसारी-396580 (गुज.)

1. श्री हंसराज जी चोरड़िया
   श्री वर्धमान स्थानक के पास,
   पो. वांसदा, जि. नवसारी-396580 (गुज.)
   मो.: 9426868034
2. डॉ. पूनमचंद जी जैन
   श्री वर्धमान स्थानक के पास,
   पो. वांसदा, जि. नवसारी-396580 (गुज.)
   मो.: 9426881591

36. नरडाणा (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री वनिता श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री अनुप्रेक्षा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री निरामगंधा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री तारिका श्री जी म.सा. **ठाणा-4**

चातुर्मास स्थल : श्री जैन वर्धमान स्थानकवासी संघ, पो. नरडाणा, जि. धुलिया-425404 (महा.)

1. डॉ. भीखमचंद जी देसरड़ा
   द्वारा- नयन गिफ्ट हाउस
   जैन स्थानक भवन के पास, आगरा रोड,
   पो. नरडाणा, जि. धुलिया-425404 (महा.)
   मो.: 9404523409
2. श्री भटुलाल जी शांतिलाल जी बाफना
   द्वारा- गजानन मेडिकल स्टोर
   आगरा रोड,
   पो. नरडाणा, जि. धुलिया-425404 (महा.)
   मो.: 9421526635

37. बेलगाँव (कर्ना.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री सत्यप्रभा जी म.सा.
3. साध्वी श्री पुण्यप्रभा जी म.सा.
4. साध्वी श्री सन्मतिशीला जी म.सा. **ठाणा-4**

चातुर्मास स्थल : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, सदाशिव नगर, जैन मंदिर के पास, पो. बेलगाँव-590002 (कर्ना.)

1. श्री मनोज जी संचेती
   कला मंदिर साड़ी सेंटर, सामादेवी गली,
   पो. बेलगाँव-590001 (कर्ना.)
   मो.: 9448907358
2. श्री राजेंद्र जी जैन
   जय प्लास्टिक, गुरुकृपा कॉम्प्लैक्स, मारूती गली,
   पो. बेलगाँव-590001 (कर्ना.)
   मो. : 9448126357
3. श्री शैलेष जी मेहता (मो.: 9343165066)

38. निम्बाहेड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुला श्री जी म.सा. (देशनोक वाले)
2. साध्वी श्री साधना श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री वैभवप्रभा जी म.सा.
4. साध्वी श्री संस्कार श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री लघिमा श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री पूर्णा श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री भव्या श्री जी म.सा. **ठाणा-7**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, आदर्श कॉलोनी, पो. निम्बाहेड़ा, जि. चित्तौड़गढ़-312601 (राज.)

1. श्री रतनलाल जी पोरवाल
   7, आदर्श कॉलोनी, पो. निम्बाहेड़ा,
   जि. चित्तौड़गढ़-312601 (राज.)
   मो.: 9461273789
2. श्री सुशील कुमार जी नागौरी
   130, आर.के. कॉलोनी, पो. निम्बाहेड़ा,
   जि. चित्तौड़गढ़-312601 (राज.)
   मो.: 9799999595

39. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रीतिसुधा जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुभद्रा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सरिश्मा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री ख्याति श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री जयंकरा श्री जी म.सा. **ठाणा–5**

चातुर्मास स्थल : समता सदन, घास बाजार, पो. रतलाम–457001 (म.प्र.)

संपर्क सूत्र : चातुर्मास क्रमांक 12 देखें।

40. मोरवन (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुदर्शना श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री प्रभुता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री संवर श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री प्रीति श्री जी म.सा. (नारायणपुर वाले) **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, जैन मोहल्ला, पो. मोरवन, तह. डूंगला, जि. चित्तौड़गढ़–312024 (राज.)

1. श्री अमृतलाल जी जारोली
   मंगलवाड़ के पास, पो. मोरवन,
   तह. डूंगला, जि. चित्तौड़गढ़–312024 (राज.)
   मो.: 9828770967
2. श्री अजीत कुमार जी जारोली
   मंगलवाड़ के पास, पो. मोरवन,
   तह. डूंगला, जि. चित्तौड़गढ़–312024 (राज.)
   मो.: 9587055145
3. श्री रतनलाल जी जारोली (मो.: 9602633041)

41. जयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चंद्रप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुजाता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुमेधा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री समिधा श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री जीतयशा श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री जागृति श्री जी म.सा. **ठाणा–6**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, 13, गायत्री नगर–ए, महारानी फार्म, पो. दुर्गापुरा, जि. जयपुर–302018 (राज.)

1. श्री ज्ञानचंद जी मूथा
   सी–11, राजा पार्क, सिंधी कॉलोनी,
   पिंक स्क्वायर के पास, पो. जयपुर–302004 (राज.)
   मो.: 9414054971
2. श्री अभय जी नाहर
   103–104, जनकपुरी–प्रथम
   इमलीवाला फाटक, पो. जयपुर–302005 (राज.)
   मो.: 9829165897

42. धुलिया (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री आदर्शप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री ऋतु श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री ह्रींकार श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, वखारकर नगर, नाकोड़ा मेडिसिन के सामने, पो. धुलिया–424004 (महा.)

1. श्री रमेश जी केशरमल जी संकलेचा
   25, भगामोहन नगर, वखारकर नगर के पास,
   पो. धुलिया–424004 (महा.)
   मो.: 9822197130
2. श्री रविंद्र जी भंवरीलाल जी खींवसरा
   सूरज ऑटो पार्ट्स, 8/9, बारा पत्थर,
   पो. धुलिया–424001 (महा.)
   मो.: 9422789680

43. मैसूर (कर्ना.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री अर्चना श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री मल्लिप्रज्ञा जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रतिष्ठा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री रुचिता श्री जी म.सा.

ठाणा–4

चातुर्मास स्थल : समता भवन, पृथ्वी वर्ल्ड, टी.एन. पुरा मेन रोड, इंडियन एयर फोर्स सेलेक्शन बोर्ड के पास, पो. मैसूर–570011 (कर्ना.)

1. श्री सुरेश कुमार जी दक
   9, बुद्धमार्ग, डी.एफ.आर.एल. के सामने,
   सिद्धार्थ नगर, पो. मैसूर–570011 (कर्ना.)
   मो. : 9902013454
2. श्री सुशील जी नंदावत
   180/5–ए, इंदिरा नगर,
   इट्टीगेगुड, पोस्ट ऑफिस के पास,
   पो. मैसूर–570011 (कर्ना.)
   मो. : 9945499150

44. दिल्ली

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मनोरमा श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुमुक्ति श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुविराग श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री सुविराज श्री जी म.सा.

ठाणा–4

चातुर्मास स्थल : समता भवन, बी–11, राणा प्रताप बाग, पो. नई दिल्ली–110007

1. श्री जतन जी भूरा
   द्वारा– करणी बेंगल हाउस, 4006, गली अहिरान,
   तृतीय फ्लोर, बहादुरगढ़ रोड, मनसाराम चौक,
   सदर बाजार, पो. दिल्ली–110006
   मो.: 9212460100
2. श्री अरुण जी सांड
   ए–275, डेरावाल नगर, तृतीय फ्लोर,
   शक्तिनगर टेलीफोन एक्सचेंज के सामने,
   जी.टी. करनाल रोड, पो. दिल्ली–110009
   मो.: 9212443170

45. छोटीसादड़ी (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चंचल कँवर जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुरुचि श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुरक्षा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री उमंग श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री सुनिधि श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री सुवृष्टि श्री जी म.सा.

ठाणा–6

चातुर्मास स्थल : जूना बाजार, स्थानक गली स्थानक, पो. छोटीसादड़ी, जि. प्रतापगढ़–312604 (राज.)

1. श्री लक्ष्मीलाल जी कोठारी
   जूना बाजार,
   पो. छोटीसादड़ी, जि. प्रतापगढ़–312604 (राज.)
   मो.: 9887797063
2. श्री पुखराज जी डूंगरवाल
   द्वारा– चंपालाल जी डूंगरवाल, प्रताप चौक,
   पो. छोटीसादड़ी, जि. प्रतापगढ़–312604 (राज.)
   मो.: 8875258185

46. भीलवाड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता जी म.सा. (छत्तीसगढ़ वाले)
2. साध्वी श्री अरुणा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री दिव्यप्रभा जी म.सा.
5. साध्वी श्री स्थितप्रज्ञा जी म.सा.
6. साध्वी श्री मनीषा श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री धैर्यप्रभा जी म.सा.

8. साध्वी श्री सुनेहा श्री जी म.सा.
9. साध्वी श्री उपासना श्री जी म.सा.
10. साध्वी श्री विरल श्री जी म.सा.
11. साध्वी श्री सुशक्ति श्री जी म.सा.
12. साध्वी श्री जयघोषा श्री जी म.सा.
13. साध्वी श्री वीतराग श्री जी म.सा.
14. साध्वी श्री मृणाल कँवर जी म.सा.
15. साध्वी श्री समीहा श्री जी म.सा.
16. साध्वी श्री चंद्रिका श्री जी म.सा.
17. साध्वी श्री निर्जरा श्री जी म.सा.
18. साध्वी श्री छविप्रज्ञा जी म.सा.
19. साध्वी श्री विमुक्ति श्री जी म.सा. **ठाणा–19**

चातुर्मास स्थल : 1. श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक समिति, जैन स्थानक, पार्क के सामने, सुभाष नगर, पो. भीलवाड़ा–311001 (राज.)

2. श्री कैलाशचंद जी गन्ना का मकान, सी–171, सुभाष नगर, पो. भीलवाड़ा–311001 (राज.)

संपर्क सूत्र : चातुर्मास क्रमांक 1 देखें।

47. सोमेसर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री पूजिता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री अर्चिता श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री नीरज श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री रुचि श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री संयमसुगंधा श्री जी म.सा. **ठाणा–6**

चातुर्मास स्थल : जैन श्रीसंघ भवन, पो. सोमेसर, तह. शेरगढ़, जि. जोधपुर–342025 (राज.)

1. श्री मंगलचंद जी दुग्गड़
पो. सोमेसर, तह. शेरगढ़,
जि. जोधपुर–342025 (राज.)
मो.: 9783569814, 9636636520

2. श्री कांतिलाल जी दुग्गड़
पो. सोमेसर, तह. शेरगढ़,
जि. जोधपुर–342025 (राज.)
मो.: 9660306895

48. कोठारी जी की हवेली, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मधुबाला जी म.सा.
2. साध्वी श्री पंकज श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री गरिमा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री विकास श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री अपूर्व श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री चिराग श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री मतिज्ञा श्री जी म. सा.
8. साध्वी श्री मानस श्री जी म.सा. **ठाणा–8**

चातुर्मास स्थल : कोठारी जी की हवेली, भड़भूजा घाटी, पो. उदयपुर–313001 (राज.)

1. श्री अर्जुन जी लोढ़ा
4, मेवाड़ मोटर्स, लिंक रोड,
पो. उदयपुर–313001 (राज.)
मो.: 8949942495

2. श्री पारस कुमार जी डागा
ज–11, हिरण मगरी, सेक्टर 5,
पो. उदयुपर–313002 (राज.)
मो.: 9413300423

49. मोरवन बाँध (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री गुणसुंदरी श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री समर्पिता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री श्रेया श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : श्री जैन स्थानक भवन, पो. मोरवन बाँध, जि. नीमच–458220 (म.प्र.)

1. श्री विनोद जी सहलोत
महेंद्र किराणा स्टोर, बस स्टैंड,
पो. मोरवन बाँध, जि. नीमच-458220 (म.प्र.)
मो.: 7389696173

2. श्री राजकुमार जी जैन
किराणा व्यापारी, बस स्टैंड,
पो. मोरवन बाँध, जि. नीमच-458220 (म.प्र.)
मो.: 9993474758

50. जावरा (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सरोजबाला श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुप्रज्ञा जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुश्रद्धा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री सुरचिता श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री सुहर्षा श्री जी म.सा.

ठाणा-5

चातुर्मास स्थल : समता भवन, जवाहर पथ, पो. जावरा, जि. रतलाम-457226 (म.प्र.)

1. श्री अशोक कुमार जी छजलाणी
36, सोमवारिया, पो. जावरा,
जि. रतलाम-457226 (म.प्र.)
मो.: 9424591173

2. श्री मनीष जी पोखरना
मुगलपुरा, पो. जावरा,
जि. रतलाम-457226 (म.प्र.)
मो.: 9893482863

3. श्री राजेश जी संघवी (मो.: 9826444732)

51. फलोदी (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री वंदना श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री ललिता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रणतप्रज्ञा जी म.सा.

ठाणा-3

चातुर्मास स्थल : श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन संस्थान, धर्म बाग, राइका बाग रोड, ओसवालों के न्याति नोहरे के पास, पो. फलोदी-342301 (राज.)

1. श्री हुकमचंद जी पींचा
द्वारा- पीयूष टेक्सटाइल्स
सांगीदास शिव मंदिर के पास,
पो. फलोदी-342301 (राज.)
मो.: 8890782150

2. श्री देवेंद्र जी बैद
द्वारा- पुखराज जी देवेंद्र कुमार जी बैद
त्रिपोलिया बाजार,
पो. फलोदी-342301 (राज.)
मो.: 9413509550

3. श्री प्रेम जी संचेती (मो.: 7014262928)

52. सुदामा नगर, इंदौर (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमोद श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सिद्धि श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री अनुमिता श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री बीजरुचि श्री जी म.सा.

ठाणा-4

चातुर्मास स्थल : समता भवन, महावीर गेट के अंदर, गौतम आश्रम के पास, पो. सुदामा नगर, जि. इंदौर-452009 (म.प्र.)

संपर्क सूत्र : चातुर्मास क्रमांक 29 देखें।

53. गुड़ी (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री दर्शना श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुरिद्धि श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुसिद्धि श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री कृतज्ञा श्री जी म.सा.

ठाणा–4

चातुर्मास स्थल : समता भवन, महावीर मार्ग, पो. गुड़ी, जि. खंडवा–450881 (म.प्र.)

1. श्री नेमीचंद जी बरड़िया
   द्वारा– संजय कुमार जी नेमीचंद जी जैन
   पो. गुड़ी, जि. खंडवा–450881 (म.प्र.)
   मो.: 9425952168, 6265731824
2. श्री पारसमल जी बरड़िया
   द्वारा– विकास कुमार जी पारसमल जी बरड़िया
   समता भवन के सामने, खलवा रोड,
   पो. गुड़ी, जि. खंडवा–450881 (म.प्र.)
   मो.: 9752011920, 9669652670

54. दुर्ग (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री मंजुला श्री जी म.सा. (भीनासर वाले)
3. साध्वी श्री सुसारिका श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री सुपर श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री सुरक्ति श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री सुनवनिधि श्री जी म.सा.

ठाणा–6

चातुर्मास स्थल : समता भवन, शिवपारा, चंडी मंदिर रोड, पो. दुर्ग–491001 (छ.ग.)

1. श्री ओमप्रकाश जी सांखला
   द्वारा– मदन ज्वेलर्स, जवाहर चौक,
   पो. दुर्ग–491001 (छ.ग.)
   मो.: 8819811008
2. श्री ज्ञानचंद जी पारख
   द्वारा– चंदनमल बोथरा ज्वेलर्स
   सदर बाजार, पो. दुर्ग–491001 (छ.ग.)
   मो.: 9425558427, 9131359770

55. जमुनियाकलां (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री ज्योतिप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री गुणरंजना श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुवर्णा श्री जी म.सा.

ठाणा–3

चातुर्मास स्थल : महावीर भवन, महू–नीमच रोड, अडानी फैक्ट्री के पास, पो. जमुनियाकलां, जि. नीमच–458441 (म.प्र.)

1. श्री कमलेश जी खिंदावत
   द्वारा– बाबूलाल जी कमलेश जी खिंदावत
   महावीर भवन के सामने,
   पो. जमुनियाकलां, जि. नीमच–458441 (म.प्र.)
   मो.: 9754407427
2. श्री कमलेश जी नागौरी
   द्वारा– माणकलाल जी नागौरी
   महावीर भवन के सामने,
   पो. जमुनियाकलां, जि. नीमच–458441 (म.प्र.)
   मो.: 8815305253

56. कपासन (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विद्यावती जी म.सा.
2. साध्वी श्री नमन श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री मर्यादा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री हर्षिता श्री जी म.सा.

ठाणा–04

चातुर्मास स्थल : समता भवन, पो. कपासन, जि. चित्तौड़गढ़–312202 (राज.)

1. श्री अरुण जी चंडालिया
द्वारा- दीपक मशीनरी, बस स्टैंड,
पो. कपासन, जि. चित्तौड़गढ़-312202 (राज.)
मो.: 9414732275

2. श्री गजेंद्र जी बाघमार
लोढ़किया चौक,
पो. कपासन, जि. चित्तौड़गढ़-312202 (राज.)
मो.: 9829429663

3. श्री मदनलाल जी चंडालिया (मो.: 9929262606)

57. मंडफिया (सांवलिया जी) (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री विनय श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुरभि श्री जी म.सा. (नगरी वाले)
3. साध्वी श्री सुभग श्री जी म.सा.

ठाणा-3

चातुर्मास स्थल : जैन स्थानक भवन, पो. मंडफिया (सांवलिया जी), जि. चित्तौड़गढ़-312901 (राज.)

1. श्री मनोहरलाल जी मारू
स्थानक के पास, ब्रह्मपुरी मोहल्ला,
पो. मंडफिया (सांवलिया जी),
जि. चित्तौड़गढ़-312901 (राज.)
मो.: 9928103706

2. श्री अशोक जी कोठारी
स्टाफ कॉलोनी रोड,
पो. मंडफिया (सांवलिया जी),
जि. चित्तौड़गढ़-312901 (राज.)
मो.: 9460040619

3. श्री सूरजमल जी कोठारी (मो.: 9784151599)

58. उदयरामसर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेता श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री नूतन श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री ऋषिता श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री विश्रुत श्री जी म.सा.

ठाणा-4

चातुर्मास स्थल : समता भवन, आम्बासर रोड, पो. उदयरामसर, जि. बीकानेर-334402 (राज.)

1. श्री नवरतन जी सिपानी
सिपानी मोहल्ला,
पो. उदयरामसर, जि. बीकानेर-334402 (राज.)
मो.: 9351208767

2. श्री कमल जी सिपानी
सिपानी मोहल्ला,
पो. उदयरामसर, जि. बीकानेर-334402 (राज.)
मो.: 9957994548

59. जोरावरपुरा, नोखामंडी (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री मीता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री निशांत श्री जी म.सा.

ठाणा-3

चातुर्मास स्थल : समता भवन, जोरावरपुरा, पो. नोखामंडी, जि. बीकानेर-334803 (राज.)

1. श्री भंवरलाल जी पींचा
पींचा भवन,
जोरावरपुरा, पो. नोखामंडी,
जि. बीकानेर-334803 (राज.)
मो.: 8003684238, 9414184238

2. श्री राजेंद्र कुमार जी बिनायकिया
द्वारा- विलमचंद जी राजेंद्र कुमार जी बिनायकिया
समता भवन के पास, जोरावरपुरा,
पो. नोखामंडी, जि. बीकानेर-334803 (राज.)
मो.: 9413658696, 7852024439

60. देशनोक (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावना श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री चित्तरंजना श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री चंदना श्री जी म.सा. (इंदौर वाले)
4. साध्वी श्री सुनीता श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री मल्लिका श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री कृतिका श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री कर्णिका श्री जी म.सा.

ठाणा–7

चातुर्मास स्थल : श्री जैन जवाहर मंडल, पो. देशनोक, जि. बीकानेर–334801 (राज.)

1. श्री कन्हैयालाल जी बैद
सुराणा मोहल्ला,
पो. देशनोक, जि. बीकानेर–334801 (राज.)
मो.: 9588298906

2. श्री पानमल जी भूरा
सुराणा मोहल्ला,
पो. देशनोक, जि. बीकानेर–334801 (राज.)
मो.: 7976175934

61. सवाई माधोपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री अर्पणा श्री जी म.सा. (कानोड़ वाले)
2. साध्वी श्री कविता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री विभा श्री जी म.सा.

ठाणा–3

चातुर्मास स्थल : समता भवन, गुरुद्वारा रोड, पो. सवाई माधोपुर–322021 (राज.)

1. श्री बाबूलाल जी सर्राफ
तेली मोहल्ला,
पो. सवाई माधोपुर–322021 (राज.)
मो.: 9610801312

2. श्री संदीप जी जैन पुत्र श्री नाथूलाल जी दलाल
पुराना खंडार रोड, मिश्री जी का मोहल्ला,
सवाई माधोपुर–322021 (राज.)
मो.: 9414045296

62. महासमुंद (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणि जी म.सा.
2. साध्वी श्री सौम्यशीला जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रज्ञा श्री जी म.सा. (उड़ीसा वाले)
4. साध्वी श्री रमामि श्री जी म.सा.

ठाणा–4

चातुर्मास स्थल : महावीर भवन, कॉलेज रोड, पो. महासमुंद–493445 (छ.ग.)

1. श्री तिलोकचंद जी सांखला
कॉलेज रोड,
पो. महासमुंद–493445 (छ.ग.)
मो.: 9425506141

2. श्री पूनमचंद जी बरड़िया
द्वारा– अमन ज्वेलर्स, गांधी चौक,
पो. महासमुंद–493445 (छ.ग.)
मो.: 9425215906

63. धरणगाँव (महा.)

1. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री सुबोधप्रभा जी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री साक्षी श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री भाग्य श्री जी म.सा.

ठाणा–3

चातुर्मास स्थल : चौपड़ा भवन, जैन गली, पो. धरणगाँव, जि. जलगाँव–425105 (महा.)

1. श्री सुमित जी संचेती
अरिहंत टायर्स, अंबेडकर पुतला,
पो. धरणगाँव, जि. जलगाँव–425105 (महा.)
मो.: 9823340007

2. श्री गितेश जी ओस्तवाल
रामेश मेडिकल, खत्री गली,
पो. धरणगाँव, जि. जलगाँव–425105 (महा.)
मो.: 9960070003

64. मल्लेश्वरम्, बेंगलुरु (कर्ना.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री भावना श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री विजेता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री विराट श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री जयति श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : दी मल्लेश्वरम् श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, 9, सातवाँ क्रॉस, संपिगे रोड, मल्लेश्वरम्, पो. बेंगलुरु–560003 (कर्ना.)

1. श्री तिलोकचंद जी सेठिया
'सिद्धार्थ कुँज', 57, आठवाँ क्रॉस रोड,
स्विमिंग पूल एक्सटेंशन, सुधींद्र नगर,
मल्लेश्वरम्, पो. बेंगलुरु–560003 (कर्ना.)
मो.: 9036083286

2. श्री प्रकाशचंद जी बाफना
नं. 35, 'ज्ञान प्रकाश',
चौथा क्रॉस, ईस्ट बी लिंक रोड,
मल्लेश्वरम्, पो. बेंगलुरु–560003 (कर्ना.)
मो.: 9845972723

65. दलोट (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री उज्ज्वलप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री संभाव्य श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री मणामगंधा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री चिदानंद श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : श्री वर्धमान स्थानक भवन, पो. दलोट, जि. प्रतापगढ़–312619 (राज.)

1. श्री कमल कुमार जी ओस्तवाल
द्वारा– जैन मिल्क डेयरी
सलामगढ़ रोड, पो. दलोट,
जि. प्रतापगढ़–312619 (राज.)
मो.: 8290603537

2. श्री रौनक जी नलवाया
द्वारा– श्री अनिल जी नलवाया
जैन मंदिर के सामने, पो. दलोट,
जि. प्रतापगढ़–312619 (राज.)
मो.: 9636769432

66. सावन (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चारित्रप्रभा जी म.सा.
2. साध्वी श्री सरोज श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री जलज श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : बलवंत कुमार जी विजय कुमार जी रूंगरेचा का मकान, बड़े मंदिर के पास, सदर बाजार, पो. सावन, जि. नीमच–458441 (म.प्र.)

1. श्री हेमंत कुमार जी राजेश कुमार जी जैन
सदर बाजार, पो. सावन,
जि. नीमच–458441 (म.प्र.)
मो.: 9179787872, 8269368450

2. श्री अशोक कुमार जी महेंद्र कुमार जी कोठारी
पंचायती नोहरा के सामने, पो. सावन,
जि. नीमच–458441 (म.प्र.)
मो.: 9165650539

67. बालोद (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमिला श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुप्रिया श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री दीक्षिता श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री अनुजा श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, संजय नगर, पो. बालोद–491226 (छ.ग.)

1. श्री सोहन जी नाहटा
द्वारा- प्रेम प्रोविजन स्टोर, रामदेव चौक,
पो. बालोद-491226 (छ.ग.)
मो.: 9907414789

2. श्री सुनील जी ललवाणी
मधु चौक, राजनांदगाँव रोड,
पो. बालोद-491226 (छ.ग.)
मो.: 9009946111

68. बारडोली (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री शर्मिला श्री जी म.सा. 2. साध्वी श्री सुगुप्ति श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुप्रीति श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : मकान नं. डी-93/डी-4, सनसिटी, तेन रोड, पो. बारडोली, जि. सूरत-394601 (गुज.)

1. श्री बाबूलाल जी दक
16, नालंदा पार्क, पुनीत स्कूल के पास,
पो. बारडोली, जि. सूरत-394601 (गुज.)
मो.: 9824725700

2. श्री पवन जी तातेड़
सी-147, केसर कुँज सोसायटी, एम.जी. रोड,
पो. बारडोली, जि. सूरत-394601 (गुज.)
मो.: 9662252006

69. चिकारड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री पावन श्री जी म.सा. 2. साध्वी श्री प्रेक्षा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रकृति श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : समता साधना भवन, पो. चिकारड़ा, जि. चित्तौड़गढ़-312402 (राज.)

1. श्री पारसमल जी कोठारी
गुर्जरों का मोहल्ला,
पो. चिकारड़ा, जि. चित्तौड़गढ़-312402 (राज.)
मो.: 9982520847

2. श्री सुंदरलाल जी लोढ़ा
सदर बाजार,
पो. चिकारड़ा, जि. चित्तौड़गढ़-312402 (राज.)
मो.: 9772050840

70. बंबोरा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रज्ञा श्री जी म.सा. (चिकारड़ा वाले)
2. साध्वी श्री प्रणव श्री जी म.सा. 3. साध्वी श्री प्राची श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री प्रशस्ति श्री जी म.सा. **ठाणा-4**

चातुर्मास स्थल : सामायिक भवन, पो. बंबोरा, जि. उदयपुर-313706 (राज.)

1. श्री प्रकाश जी जारोली
सोने-चाँदी के व्यापारी,
पो. बंबोरा, जि. उदयपुर-313706 (राज.)
मो.: 9983932791

2. श्री सुनील जी जारोली
वस्त्र विक्रेता,
पो. बंबोरा, जि. उदयपुर-313706 (राज.)
मो.: 9983176754

71. बालाघाट (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री श्रुतशीला जी म.सा. 2. साध्वी श्री जिनेंद्र प्रभा जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रतीक्षा श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : जैन स्थानक भवन, मेन रोड, पो. बालाघाट -481001 (म.प्र.)

1. श्री श्रेयांस जी वैद्य
द्वारा- वैद्य फाइनेंस, केसर प्लाजा कॉम्प्लैक्स,
शॉप नं. 4/5, हनुमान चौक,
पो. बालाघाट-481001 (म.प्र.)
मो.: 9754456666

2. श्री सोहन जी वैद्य
कल्पतरु मॉल, महावीर चौक,
पो. बालाघाट-481001 (म.प्र.)
मो.: 9425822575

72. दल्लीराजहरा (छ.ग.)

1. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री विवेकशीला जी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशप्रज्ञा जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुवास श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री पीहिता श्री जी म.सा. **ठाणा-4**

चातुर्मास स्थल : जैन भवन, न्यू मार्केट, पो. दल्लीराजहरा, जि. बालोद-491228 (छ.ग.)

1. श्री पारसमल जी बांठिया
जैन महावीरम् ड्रेसेज, पुराना बाजार, बस स्टैंड,
पो. दल्लीराजहरा, जि. बालोद-491228 (छ.ग.)
मो.: 8305659191

2. श्री अंकित जी गुणधर
जैनम् साड़ी सेंटर, न्यू मार्केट,
पो. दल्लीराजहरा, जि. बालोद-491228 (छ.ग.)
मो.: 9755685556

73. संजीत (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री मननप्रज्ञा जी म.सा.
2. साध्वी श्री रामध्वनि श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री रामान्विता श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (रजि.) ट्रस्ट, वाया बुडा, पो. संजीत, जि. मंदसौर-458556 (म.प्र.)

1. श्री भंवरलाल जी परमार
जैन स्थानक के पास,
पो. संजीत, जि. मंदसौर-458556 (म.प्र.)
मो.: 9754941774, 7000960586

2. श्री सुनील कुमार जी मांगीलाल जी पटवा
सदर बाजार,
पो. संजीत, जि. मंदसौर-458556 (म.प्र.)
मो.: 9617959191, 9462243988

74. शाही बाग, अहमदाबाद (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री चिंतनप्रज्ञा जी म.सा.
2. साध्वी श्री मुदितप्रज्ञा जी म.सा.
3. साध्वी श्री सौम्यता श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : श्री राजस्थान स्थानकवासी संघ, हठी सिंह की वाड़ी के सामने, दिल्ली दरवाजा के बाहर, शाही बाग रोड, पो. अहमदाबाद-380004 (गुज.)

1. श्री मदनलाल जी रांका
ए-402, आदेश्वर टॉवर,
शाही बाग, पो. अहमदाबाद-380004 (गुज.)
मो.: 9376188151

2. श्री पारसमल के. कोठारी
बी-62, ऑर्किड ग्रीन सोसायटी,
शाही बाग, पो. अहमदाबाद-380004 (गुज.)
मो.: 9898761509

75. नाई (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समीक्षा श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री अविचल श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री महिता श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महावीर भवन, पो. नाई, तह. गिरवा, जि. उदयपुर–313001 (राज.)

1. श्री लहरीलाल जी दलाल
   पो. नाई, तह. गिरवा,
   जि. उदयपुर–313031 (राज.)
   मो.: 9587447101
2. श्री प्रमोद कुमार जी कोठारी
   पो. नाई, तह. गिरवा,
   जि. उदयपुर–313031 (राज.)
   मो.: 9829444705

76. वाशिम (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री रश्मि श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री उन्नति श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री संपदा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री आगम श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, लॉकडाउन गार्डन के पास, चवान ब्यग हाउस के पीछे वाली गली, सेक्टर 1, ड्रीमलैंड सिटी, पो. वाशिम–444505 (महा.)

1. श्री सुभाषचंद्र जी सुराणा
   गुरुवार बाजार, सर्राफा,
   पो. वाशिम–444505 (महा.)
   मो.: 9403287101
2. डॉ. संजय जी वोरा
   वोरा हॉस्पिटल, ओल्ड जि. परिषद् के पास,
   पो. वाशिम–444505 (महा.)
   मो.: 9422861342

77. रायपुर (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशा श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री जयप्रज्ञा जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुरम्य श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री सुपद्म श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री सुदक्षा श्री जी म.सा. **ठाणा–5**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, समता परिसर, ए–602, न्यू राजेंद्र नगर, अमलीडीह, जि. रायपुर–492001 (छ.ग.)

1. श्री नरेश जी बाफना
   समता परिसर, न्यू राजेंद्र नगर,
   अमलीडीह, पो. रायपुर–492001 (छ.ग.)
   मो.: 9329408125
2. श्री इंदरचंद जी सांखला
   चौबे कॉलोनी,
   पो. रायपुर–492001 (छ.ग.)
   मो.: 9300255141
3. श्री उदयराज जी पारख (मो.: 9424127849)

78. नागौर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रशांत श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री प्रबोध श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रणति श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री पल्लव श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : चोरड़िया समता साधना भवन, सुराणा की छोटी पोल, पो. नागौर–341001 (राज.)

1. श्री राजेंद्र जी चोरड़िया
ओसवाल ट्रेडिंग कं., सदर बाजार,
पो. नागौर-341001 (राज.)
मो.: 9351554361

2. श्री प्रीतम जी ललवाणी
घोड़ावतों की पोल,
पो. नागौर-341001 (राज.)
मो.: 9413678822

79. राहुरी फैक्ट्री (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समीक्षणा श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री मर्मज्ञ श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री रूपयशा श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : 'रूपश्री निवास', शंखेश्वर कॉलोनी, तनपुरे कॉलोनी के सामने, पो. राहुरी फैक्ट्री, तालुका राहुरी, जि. अहमदनगर-413706 (महा.)

1. श्री आशीष जी रतनलाल जी रांका
माणिकरत्न निवास, आदिनाथ वसाहत,
पो. राहुरी फैक्ट्री, ता. राहुरी,
जि. अहमदनगर-413706 (महा.)
मो.: 9890380638

2. श्री रविन कुमार जी अमोलक चंद जी छाजेड़
धीरज एजेंसीज, चॉइस बाजार, श्रीरामपुर रोड,
पो. राहुरी फैक्ट्री, ता. राहुरी,
जि. अहमदनगर-413706 (महा.)
मो.: 9890238101

3. श्री पारस जी चोरड़िया (मो.: 9175913910)

80. वरणगाँव (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री ऋजुता श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री मुस्कान श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री गुंजन श्री जी म.सा. **ठाणा-03**

चातुर्मास स्थल : देवकी भवन, जे.डी.सी.सी. बैंक के पीछे, सब्जी मंडी रोड, पो. वरणगाँव, जि. जलगाँव-425305 (महा.)

1. श्री गिरीश जी प्रमोद कुमार जी डेडिया
द्वारा- गणेश इलेक्ट्रॉनिक्स, भुसावल रोड,
पो. वरणगाँव, जि. जलगाँव-425305 (महा.)
मो.: 9404049292

2. श्री दर्शन जी अनिल कुमार जी संचेती
द्वारा- अरिहंत क्लॉथ स्टोर, सब्जी मंडी,
पो. वरणगाँव, जि. जलगाँव-425305 (महा.)
मो.: 7058778339

81. घाटकोपर (मुंबई)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुभक्ति श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुऋचा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सोऽहम् श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : जैन उपाश्रय समता भवन, ए विंग, 101 टाइगर अपार्टमेंट, संघवी वन, अंधेरी-घाटकोपर लिंक रोड, गंगावाड़ी स्कूल के पास, पो. घाटकोपर (वेस्ट), मुंबई-400086 (महा.)

1. श्री विनोद जी चोरड़िया
सारा हाईट, 201, काकड़ निकेतन, देरासर लेन,
पो. घाटकोपर (ईस्ट), मुंबई-400077 (महा.)
मो.: 9321580793

2. श्री राकेश जी कोठारी
403, आनंद बिल्डिंग, एम.जी. रोड,
पो. घाटकोपर (ईस्ट), मुंबई-400086 (महा.)
मो.: 9820173651

3. श्री सुनील जी सूर्या (मो.: 9820930968)

82. पावटा बी रोड, जोधपुर (राज.)

1. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री प्रभात श्री जी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री वरण श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री खुशाल श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री शुभदा श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : चोरड़िया भवन, राजपूत सभा भवन के पास, पावटा बी रोड, पो. जोधपुर–342006 (राज.)

1. श्री बहादुरचंद जी मणोत
   12/7 जालम विलास, गली नं. 4,
   हनुवंत गार्डन के पास,
   पावटा बी रोड, पो. जोधपुर–342006 (राज.)
   मो.: 9314466412
2. श्री श्रीचंद जी सांखला
   पद्मावती नगर 2, गली नं. 2,
   जालम विलास पोल के अंदर,
   पावटा बी रोड, पो. जोधपुर–342006 (राज.)
   मो.: 9414561873

83. सूरत (गुज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुसमृद्धि श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुविधा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुचारु श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, 3, रवि दर्शन सोसायटी, विजय सेल्स के सामने, नवजीवन सर्किल के पास, पो. सूरत–395002 (गुज.), फोन : 0261–2233266, मो : 9484856008

1. श्री हुलासचंद जी सुराणा
   402, उमंग अपार्टमेंट,
   उमा भवन के पास,
   भटार रोड, पो. सूरत–395017 (गुज.)
   फोन : 0261–2231108, मो.: 9825198522
2. श्री प्रेमचंद जी पारख
   बी–1103, सिलिकन पैलेस, अर्चना स्कूल रोड,
   एस.एम.सी. स्टोर के पास, पर्वत पाटिया,
   भटार रोड, पो. सूरत–395017 (गुज.)
   मो.: 9426865679

84. बालेसर दुर्गावता (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री महक श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री श्रुति श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रज्ञप्ति श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : जैन भवन, पो. बालेसर दुर्गावता, जि. जोधपुर–342023 (राज.)

1. श्री सुमेरचंद जी चोरड़िया
   पो. बालेसर दुर्गावता, जि. जोधपुर–342023 (राज.)
   मो.: 9784355743
2. श्री नवीन जी पारख
   पो. बालेसर दुर्गावता, जि. जोधपुर–342023 (राज.)
   मो.: 9928662803

85. मल्काजगिरी, हैदराबाद (तेलंगाना)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री करिश्मा श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री अणिमा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सर्वज्ञ श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : श्री जैन संघ, मधुसुदन नगर, पो. मल्काजगिरी, जि. सिकंदराबाद–500047 (तेलंगाना)

1. श्री पारसमल जी गांधी
गांधी निवास, मकान नं. 10-96/1ए/1
पी.वी.एन. कॉलोनी, पो. मल्काजगिरी
जि. हैदराबाद-500047 (तेलंगाना)
मो.: 9848272984

2. श्री अजीत जी गुंदेचा
7-133/1/ए, विजया होम्स,
फ्लैट नं. 201, दुर्गा नगर, पो. मल्काजगिरी,
जि. हैदराबाद-500047 (तेलंगाना)
मो.: 9848468081

86. खेतिया (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री संयति श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री रमण श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री हिमानी श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : जैन स्थानक भवन, शिवाजी चौक, पो. खेतिया, जि. बड़वानी-451881 (म.प्र.)

1. श्री इंदरचंद जी मोहनलाल जी बरड़िया
पटेल चौक बाड़े में,
पो. खेतिया, तह. पानसेमल,
जि. बड़वानी-451881 (म.प्र.)
मो.: 9406608434

2. श्री मनोज कुमार जी मोहनलाल जी बोहरा
एल.आई.सी. एजेंट, हनुमान चौक,
पो. खेतिया, तह. पानसेमल,
जि. बड़वानी-451881 (म.प्र.)
मो.: 9406632313, 9039732313

87. पाली (राज.)

1. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री मैनासुंदरी श्री जी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री अभीप्सा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री पुष्पिका श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री सुहानी श्री जी म.सा. **ठाणा-4**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, 15, महावीर नगर विस्तार, आचार्य श्री नानेश मार्ग, बालिया गर्ल्स स्कूल के पीछे, पो. पाली-306401 (राज.)

1. श्री अशोक जी श्रीश्रीमाल
19 ग्रीन पार्क, पो. पाली-306401 (राज.)
मो.: 9414120829

2. श्री ललित जी कुकड़ा
17 श्रेयांश नगर, अनुभव स्मारक जैन मंदिर के सामने,
पो. पाली-306401 (राज.)
मो.: 6375127390, 9414610121

88. कांग्रेस नगर, नागपुर (महा.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुमेरु श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुरक्षण श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री नियतयशा श्री जी म.सा. **ठाणा-3**

चातुर्मास स्थल : श्री शक्ति कुमार संचेती स्वाध्याय भवन, 28/29 ए, कांग्रेस नगर, पो. धनतोली, जि. नागपुर-440012 (महा.)

1. श्री राजेंद्र प्रसाद जी सोहनलाल जी बैद
द्वारा- जैन ब्रदर्स, हेमराज उत्तमचंद कॉम्प्लैक्स,
मस्कानाथ चौक, पो. इतवारी, नागपुर-440002 (महा.)
मो.: 9960695111

2. श्री नंद कुमार जी झामड़
महावीर कॉमर्शियल, गांधी बाग,
पो. नागपुर-440002 (महा.)
मो.: 9422806243

89. सेक्टर 5, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुसौम्य श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री वाचना श्री जी म.सा. 3. साध्वी श्री प्रतिज्ञा कँवर जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : श्री महावीर जैन समिति, हिरण मगरी सेक्टर 5, पो. उदयपुर–313002 (राज.)

1. श्री हिम्मत सिंह जी दक
1–र–55, गायत्री नगर, हिरण मगरी,
सेक्टर 5, पो. उदयपुर–313002 (राज.)
मो.: 9460803916

2. श्री कमलेश जी सामर
3–घ–8, प्रभात नगर, हिरण मगरी,
सेक्टर 5, पो. उदयपुर–313002 (राज.)
मो.: 9414235581

90. परासोली (उ.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समया श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री रम्या श्री जी म.सा. 3. साध्वी श्री अवियशा श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : एस.एस. जैन सभा, एस.बी.आई. बैंक के पास, पो. परासोली जि. मुजफ्फरनगर–247775 (उ.प्र.)

1. श्री प्रवीण कुमार जी जैन
392, मेन मार्केट, एस.बी.आई. बैंक के पास,
पो. परासोली, जि. मुजफ्फरनगर–247775 (उ.प्र.)
मो.: 9927325757

2. श्री जय प्रकाश जी जैन
पुत्र श्री महेंद्र प्रताप जी जैन, अरिहंत स्कूल के पास,
पो. परासोली, जि. मुजफ्फरनगर–247775 (उ.प्र.)
मो.: 9927260703

91. हावड़ा (प.बं.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री समिया श्री जी म.सा. 2. साध्वी श्री कामना श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सुधृति श्री जी म.सा. 4. साध्वी श्री ईहिता श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, 493/सी/ए, जी.टी. रोड (दक्षिण), फेज पाँचवाँ, ब्लॉक 19, विवेक विहार, पो. हावड़ा–711102 (प.बं.)

1. श्री अजीत जी पारख
20, सलकिया स्कूल रोड, स्वप्न लोक अपार्टमेंट,
ब्लॉक ए, सातवाँ फ्लोर, फ्लैट नं. 702,
पो. हावड़ा–711106 (प.बं.)
मो.: 9830161618

2. श्री महावीर जी धारीवाल
493/सी/ए, जी.टी. रोड, विवेक विहार,
ब्लॉक 21, फ्लैट नं. 1–डी, पोरसर रोड साइड,
पो. हावड़ा–711102 (प.बं.)
मो.: 9903958977, 9330930790

92. वल्लभनगर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री पूर्वी श्री जी म.सा. 2. साध्वी श्री सुश्रिया श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री शिक्षिता श्री जी म.सा. 4. साध्वी श्री शशांक श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : महावीर भवन जैन स्थानक, पो. वल्लभनगर, जि. उदयपुर–313601 (राज.)

1. श्री किशनलाल जी मणोलिया
सिद्धार्थ ज्वेलर्स,
पो. वल्लभनगर, जि. उदयपुर–313601 (राज.)
मो.: 9001758551

2. श्री प्रकाशचंद्र जी सुराणा
कपड़े के व्यापारी, सदर बाजार,
पो. वल्लभनगर, जि. उदयपुर–313601 (राज.)
मो.: 9784171700

93. उदासर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री निखार श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री अनमोल श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री दुंदुभि श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री तन्मय श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, पोस्ट ऑफिस के पास, पो. उदासर, जि. बीकानेर–334022 (राज.)

1. श्री राजेंद्र जी सेठिया
   समता भवन के पास,
   पो. उदासर, जि. बीकानेर–334022 (राज.)
   मो.: 9649912305
2. श्री मनोज जी सेठिया
   सेठिया मोहल्ला,
   पो. उदासर, जि. बीकानेर–334022 (राज.)
   मो.: 8952030192

94. अर्जुनी (छ.ग.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियंका श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री शृंगार श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री निर्मलयशा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री दीपिका श्री जी म.सा. **ठाणा–4**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, पो. अर्जुनी, जि. बलौदा बाजार–493331 (छ.ग.)

1. श्री ज्ञानचंद जी टाटिया
   द्वारा– धरमचंद जैन क्लाथ स्टोर्स
   पो. अर्जुनी, जि. बलौदा बाजार–493331 (छ.ग.)
   मो.: 9827107278
2. श्री संदेश जी टाटिया
   अरिहंत ज्वेलर्स, वीतराग चौक,
   पो. अर्जुनी, जि. बलौदा बाजार–493331 (छ.ग.)
   मो.: 9098682007

95. बैतूल (म.प्र.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियता श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री प्रत्युषा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री पर्युपासना श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : जैन स्थानक भवन, कृष्ण मंदिर के सामने, विशाल मेगा मार्ट के पास, कोठी बाजार, पो. बैतूल–460001 (म.प्र.)

1. श्री अरुण जी गोठी
   द्वारा– अलंकार ज्वेलर्स, कोठी बाजार,
   पो. बैतूल–460001 (म.प्र.)
   मो.: 9425002007, 8839403827
2. श्री शुभम् जी गोठी
   गोठी कॉलोनी, कोठी बाजार,
   पो. बैतूल–460001 (म.प्र.)
   मो.: 9425004588

96. कोंडीतोप, चेन्नई (तमि.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यदेशना श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री नवकार श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री शुभंकरा श्री जी म.सा. **ठाणा–3**

चातुर्मास स्थल : समता भवन, नं. 14, कांजीवरम् सभापति स्ट्रीट, कोंडीतोप, चेन्नई–600079 (तमि.)

1. श्री कन्हैयालाल जी झांबड़
   मनमंदिर साड़ी सेंटर
   नं. 15, पेरिया नाइकेन स्ट्रीट, साउकारपेट,
   पो. चेन्नई–600079 (तमि.)
   मो.: 9840763314
2. श्री मांगीलाल जी छल्लाणी
   नं. 1, फर्स्ट स्ट्रीट, स्टेनली नगर,
   कॉर्पोरेशन स्कूल के पास,
   पो. चेन्नई–600079 (तमि.)
   मो.: 9841326166

97. गुवाहाटी (असम)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री सुरीली श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री चिरंतन श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री मृदुलप्रज्ञा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री रोहिता श्री जी म.सा.

ठाणा–4

चातुर्मास स्थल : समता भवन, ए.टी. रोड, रेलवे गेट नं. 5 के पास, पो. गुवाहाटी–781009 (असम)

1. श्री निर्मल जी गोलछा
द्वारा– गोलछा एसोसिएट्स
द्वितीय फ्लोर, जी.एम. टॉवर, एम.एस. रोड,
फैंसी बाजार, पो. गुवाहाटी–781009 (असम)
मो.: 8486520323, 9401609674

2. श्री धनराज जी बोथरा
द्वारा– आशीष टेक्सटाइल एजेंसी
डी/22, तृतीय फ्लोर, बाबू बाजार, एच.बी. रोड,
फैंसी बाजार, पो. गुवाहाटी–781009 (असम)
मो.: 9435049388

98. भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री अक्षिता श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री सुव्रतयशा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री सौम्यसुगंधा श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री निर्वेद श्री जी म.सा.

ठाणा–4

चातुर्मास स्थल : जुहार जैन भवन, मेन रोड, चपलोत हॉस्पिटल (ई.एन.टी.) के पास, पो. भूपालपुरा, जि. उदयपुर–313001 (राज.)

1. श्री हरकलाल जी दुगड़
पुत्र श्री भोलीलाल जी दुगड़
192, क्यू रोड, पो. भूपालपुरा,
जि. उदयपुर–313001 (राज.)
मो.: 9414234748

2. श्री यशवंत जी कटारिया
पुत्र श्री भंवरलाल जी कटारिया
343, मेन रोड, मोहन ज्ञान मंदिर के सामने,
पो. उदयपुर–313001 (राज.)
मो.: 9413020424, 8949913130

99. भीलवाड़ा (राज.)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री खंतिप्रिया श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री रिभिता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री कौमुदी श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री यतना श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री माधुर्य श्री जी म.सा.
6. साध्वी श्री लोकोत्तर श्री जी म.सा.
7. साध्वी श्री रामांजना श्री जी म.सा.
8. साध्वी श्री रामार्चना श्री जी म.सा.
9. साध्वी श्री रामनिधि श्री जी म.सा.
10. साध्वी श्री रामरया श्री जी म.सा.
11. साध्वी श्री रामनेहा श्री जी म.सा.
12. साध्वी श्री रामनयना श्री जी म.सा.
13. साध्वी श्री रामचर्या श्री जी म.सा.
14. साध्वी श्री राममित्रा श्री जी म.सा.
15. साध्वी श्री रामशिष्या श्री जी म.सा.
16. साध्वी श्री रामदर्शना श्री जी म.सा.
17. साध्वी श्री रामाशा श्री जी म.सा.
18. साध्वी श्री रामायुषी श्री जी म.सा.
19. साध्वी श्री रामप्रणीता श्री जी म.सा.
20. साध्वी श्री रामशैली श्री जी म.सा.
21. साध्वी श्री रामत्रया श्री जी म.सा.

ठाणा–21

चातुर्मास स्थल : 1. श्री नाथूलाल जी चोरड़िया का मकान, बी–313, सोसर कुँज, ढोलकी वाले मकान के सामने वाली गली, आर.के. कॉलोनी, पो. भीलवाड़ा–311001 (राज.)

2. श्री प्रकाशचंद जी मेहता, बी-153, आर.के. कॉलोनी, जनप्रिय पान वाले के पास वाली गली, पो. भीलवाड़ा-311001 (राज.)

संपर्क सूत्र : चातुर्मास क्रमांक 1 देखें।

100. कमला नेहरु नगर, जोधपुर (राज.)

1. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री चंद्रकला श्री जी म.सा.
2. शासन दीपिका साध्वी श्री काव्ययशा श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री जयामि श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री शाश्वत श्री जी म.सा.
5. साध्वी श्री श्रुतिप्रज्ञा जी म.सा.

ठाणा-5

चातुर्मास स्थल : ए-125, आचार्य श्री नानेश मार्ग, प्रथम विस्तार, एल.बी.एन. स्कूल के पीछे, कमला नेहरू नगर, पो. जोधपुर-342009 (राज.)

1. श्री नेमीचंद जी पारख
   53, अरिहंत नगर, गुरों का तालाब रोड,
   पो. जोधपुर-342008 (राज.)
   मो.: 9414133188
2. श्री सुरेश जी सांखला
   37, अरिहंत नगर, गुरों का तालाब रोड,
   पो. जोधपुर-342008 (राज.)
   मो.: 9414196404

101. समता भवन, हैदराबाद (तेलंगाना)

1. शासन दीपिका साध्वी श्री स्वागत श्री जी म.सा.
2. साध्वी श्री भाविता श्री जी म.सा.
3. साध्वी श्री प्रणाम श्री जी म.सा.
4. साध्वी श्री निर्ग्रंथ श्री जी म.सा.

ठाणा-4

चातुर्मास स्थल : समता भवन, गांधी नगर, पो. हैदराबाद-500080 (तेलंगाना)

1. श्री विकासचंद जी पितलिया
   द्वारा- एम. मोहनलाल जैन ज्वेलर्स
   1-1-180/डी, आर.टी.सी. एक्स रोड,
   पिज्जा हट के सामने,
   पो. हैदराबाद-500020 (तेलंगाना)
   मो.: 9246296435
2. श्री विजय कुमार जी आदेश जी मुणोत
   6-3-345/1, फ्लैट नं. 501, रिद्धी सिग्नेचर,
   रोड नं. 1, बंजारा हिल्स, वुडलैंड एंड प्यूमा
   शोरूम के बीच की लाइन, जी.वी.के. वन के पास,
   पो. हैदराबाद-500034 (तेलंगाना)
   मो.: 9989311090

उत्तराध्ययन सूत्र में सम्यक्त्व पराक्रम की चर्चा की गई है। वहाँ सम्यक्त्व या सम्यग्दर्शन को आध्यात्मिक जीवन का प्राण कहा गया है, क्योंकि यह जीवन को वह सही दिशा देता है जिसमें चलकर जीवन उत्थान की ओर अग्रसर होता है। उत्तराध्ययन सूत्र के अनुसार प्रश्नों के जो उत्तर भगवान ने दिए हैं, उनमें साधना-पद्धति का मौलिक निरूपण हुआ है। प्रायः संपूर्ण जैनाचार इनमें समाहित हो गया है। आप इससे मार्गदर्शन लें, यह आवश्यक है। इस दृष्टि से मैं आपसे धर्मश्रद्धा पर चर्चा कर रहा हूँ, क्योंकि बिना सच्ची धर्मश्रद्धा के अव्याबाध सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती।

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.

|| जय गुरु नाना ||

|| जय महावीर ||

|| जय गुरु राम ||

महत्तम महोत्सव

अध्यक्ष/मंत्री, स्थानीय श्री संघ के लिए

संघ हमारा अविचल मंगल,
नन्दनवन सा महक रहा....

स्वाध्यायी आमंत्रित करें

दि. 1 से 8 सितम्बर 2024

पर्युषण पर्व

में धर्माराधना के लिये स्वाध्यायी आमंत्रित कीजिये।

स्वाध्यायियों के लिए

आप तिरे – औरों को तारे,

स्वाध्यायी सेवा दीजिये

दि. 1 से 8 सितम्बर 2024

पर्युषण पर्व

में धर्माराधना के लिये स्वाध्यायी सेवा दीजिये।

– नियमानुसार यात्रा व्यय देय है।

अपनी स्वीकृति गुरु चरणों में समर्पित कर संघ का गौरव बढ़ाएं –

शीघ्र व्हाट्सअप करें - 72318-66008 या 92291-91008

हु शि उ चौ श्री ज ग ना ना ©

राम चमकते भानु समाना

समता प्रचार संघ

(अंतर्गत : श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ, बीकानेर)

जैन प्रतियोगिता समिति

A Golden Opportunity to Win

CASH PRIZES WORTH ₹25 LACS

आनंदम् के अंतर्गत आ रही सभी प्रतियोगिताओं में (ओपन बुक सहित) भाग लेकर जीत सकते हैं इनाम राशि कुल 25 लाख तक की

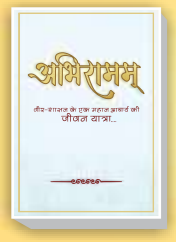

अभिरामम्

Presents

आनंदम्

(अभिरामम् पुस्तक पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन)

इस पुस्तक को पढ़कर आप आयु वर्ग के अनुसार एक्टिविटी में भाग ले सकते हैं।

बाल मन हो या युवा मन, चाहे हों वरिष्ठ गण, आनंदम् के नंदनवन में, अवश्य भ्रमण करे हर जन;
प्रतियोगिताएँ हैं बहुत सारी, और पुरस्कार भी हैं अनेक, दिखा दें अपना हुनर सभी, उपहार पाए हर एक !

अभिरामम् पुस्तक पर विभिन्न आयुवर्गों के लिए निम्नोक्त प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएगी:

6 से 11 वर्ष

1. कौन बनेगा अभिरामम् रत्न

   ज्ञानवर्धक और रोचक Rounds के माध्यम से Quiz का आयोजन

12 से 25 वर्ष

Translate to Communicate

i) पुस्तक में दिए गए विशेष प्रसंगों को अंग्रेजी /अन्य भाषा में अनुवाद करें।

ii) संपूर्ण पुस्तक का अंग्रेजी/अन्य भाषा में अनुवाद करें।

iii) अभिरामम् कलाकृति

रंगारंग Poster द्वारा पुस्तक की झलकियों को दर्शाना।

26 से 45 वर्ष

i) अभिरामम् की बात, कलम के साथ (निबंध)

रचनात्मक लेखन से पुस्तक पर आधारित विषयों को निबंध रूप में पिरोना।

ii) अभिरामम् संवाद

पुस्तक पर आधारित Presentation (Scrap book, PPT, Seminar) तैयार करना।

46 वर्ष से अधिक

i) विचार आपके (लिखित)

पुस्तक को पढ़कर आपके मन में क्या विशेष भाव बने? 250–300 शब्दों में बताएं।

OPEN FOR ALL

अभिरामम् ओपन बुक परिक्षा (सभी आयुवर्ग के लिए)

- उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं में Participate करने के लिए दिए गए QR Code से Registration करवाना अनिवार्य है।
- रजिस्ट्रेशन करवाने के पश्चात् प्रतियोगिता संबंधित जानकारी Whatsapp द्वारा भेजी जाएगी।
- सभी प्रतियोगिताएँ अगस्त/सितंबर 2024 में होना संभावित है।
- अभिरामम् पुस्तक जुलाई माह में उपलब्ध होने की संभावना है।

Contact : 7676650292

Scan to Register

राम चमकते भानु समाना

विविध समाचार

✧✧✧✧✧✧✧ मेवाड़ अंचल ✧✧✧✧✧✧✧

उदयपुर। श्री साधुमार्गी जैन संघ द्वारा शासन दीपिका साध्वी श्री सुसौम्या श्री जी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में साधुमार्गी प्रोफेशनल शिविर का आयोजन श्री महावीर भवन, हिरण मगरी सेक्टर 11 में रखा गया, जिसमें लगभग 103 सी.ए., सी.एस., आई.सी.डब्ल्यू.ए., डॉक्टर, इंजीनियर, पीएच.डी., एम.बी.ए. आदि प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। साध्वीश्रीजी ने मार्गदर्शन करते हुए '**आहार, व्यवहार कैसा हो**', '**पुण्यार्जन के लिए अहोभाव से की गई एक वंदना ही काफी है**' आदि विविध विषयों पर ज्ञानसार प्रदान किया। मोटिवेशनल स्पीकर श्रद्धा जी कावड़िया ने '**पीस ऑफ माइंड**' व टाइम मैनेजमेंट के गुर बताए। दीपक जी कंठालिया के नेतृत्व में साधुमार्गी प्रोफेशनल फोरम का गठन किया गया। **–पी.के. डागा**

हिरण मगरी, सेक्टर 3 की श्री वर्धमान जैन श्रावक समिति तथा श्री चंदनबाला महिला मंडल में नवीन मनोनयन सर्वानुमति से संपन्न हुआ। श्री वर्धमान जैन श्रावक समिति में आनंदीलाल जी बंबोरिया अध्यक्ष, सोहनलाल जी भानावत उपाध्यक्ष, संजय अलावत सचिव, हिम्मत सिंह जी तलेसरा सहसचिव, महेंद्र जी डागा कोषाध्यक्ष, ललित जी कोठारी संगठन मंत्री, विनोद जी कदमालिया धर्म प्रचार मंत्री व मदन जी सियाल भंडारपाल निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी दीपक जी मेहता (आर.ए.एस.), पारसमल जी कोठारी (सेवानिवृत्त आर.ई.एस.), चेतन जी संचेती (लेखा अधिकारी) ने मनोनयन करवाया तथा दीपक जी मेहता ने शपथ दिलाई।

श्री चंदनबाला महिला मंडल में सुशीला जी पोरवाल अध्यक्ष, भारती जी सेठ उपाध्यक्ष, भगवती जी मेहता मंत्री, शकुंतला जी सिसोदिया सहमंत्री, रेणु जी जैन कोषाध्यक्ष, रेणु जी आँचलिया सह-कोषाध्यक्ष, नमिता जी मेहता सांस्कृतिक मंत्री, अण्छाई जी कावड़िया संगठन मंत्री, सुशीला जी खमेसरा धर्म प्रचार मंत्री मनोनीत हुए। चुनाव अधिकारी उर्मिला जी धींग ने निर्वाचन संपन्न कराया। नवमनोनीत अध्यक्ष व सचिव ने अपने उद्‌बोधन में सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों को गतिमान रखने का आश्वासन देते हुए सभी से सहयोग का आह्वान किया। चातुर्मास हेतु विभिन्न प्रभार दिए गए। **–संजय अलावत**

मंगलवाड़। एक दिवसीय मेवाड़ क्षेत्रीय युवक-युवती शिविर का आयोजन समता भवन में किया गया। शिविरार्थी महत्तम रैली के रूप में ओस्तवाल समता भवन पहुँचे, जहाँ रविवारीय समता शाखा के साथ शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में 175 युवा व 215 युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया।

शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा. ने '**जीवन में श्रेष्ठता कैसे लाएँ**', '**सफल होने के लिए क्या करें**', '**सपनों को कैसे साकार करें**' व '**आपकी जीत ऐसे होगी**' आदि विभिन्न विषयों पर प्रेरणास्पद मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री अटल मुनि जी म.सा. द्वारा ध्यान करवाया गया। श्री जयप्रभ मुनि जी म.सा. ने '**व्यस्त जीवन में इजी धर्म**' आदि के विषय में बताया। महेश जी नाहटा ने महत्तम दैनिक आराधना करवाई।

समापन कार्यक्रम में स्थानीय विशिष्टजनों सहित संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने महापुरुषों के प्रति अहोभाव व्यक्त करते हुए शिविरार्थियों व कार्यकर्ताओं का आभार ज्ञापित किया। सभी शिविरार्थियों को प्रभावना वितरित की गई। **–मनीष पोखरना**

✧✧✧ बीकानेर-मारवाड़ अंचल ✧✧✧

देशनोक। ग्रीष्मावकाश में 8 अप्रैल से 30 जून तक समता संस्कार पाठशाला में बच्चों ने सामायिक सूत्र, जैन सिद्धांत बत्तीसी, प्रतिक्रमण, समता चैत्र आदि का ज्ञानार्जन किया। बच्चों को इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स व क्रोध, मान, माया, लोभ से दूर रहने तथा माता-पिता व बड़ों को प्रणाम करने, उनका कहा मानने, जैन दर्शन आदि के बारे में कविता जी नाहर, जया जी सुराणा, करिश्मा जी कातेला, चेतना जी कातेला, हर्ष जी भूरा आदि ने ज्ञानार्जन कराया। प्रतिक्रमण कंठस्थ करने वाले, '**अब कर कमाल**' में भाग लेने वाले, उपस्थिति व अनुशासन रखने वाले बच्चों सहित सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में संघ, महिला मंडल व समता युवा संघ के पदाधिकारियों सहित अनेक जनों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

– आशीष बुच्चा

रावतसर। श्री अ.भा.सा. जैन संघ के अंतर्गत श्री साधुमार्गी जैन संघ, रावतसर में 14 जुलाई को समता भवन के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष चंपालाल जी डागा द्वारा संपन्न हुआ। यहाँ के चलकोई चौक में हुए भूमि पूजन समारोह का शुभारंभ नवकार मंत्र के सामूहिक गान से हुआ।

अपने उद्‌बोधन में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने कहा कि सौभाग्य से आज इस क्षेत्र में समता भवन का भूमि पूजन हुआ है। शीघ्र ही भवन बनकर तैयार होने पर इस भवन का धार्मिक कार्यों में उपयोग के साथ-साथ क्षेत्र के साधुमार्गी परिवारों को संघ की प्रवृत्तियों से जोड़ने का भरपूर प्रयास करें और दानदाताओं व स्थानीय महानुभावों के सहकार से आस-पास के क्षेत्रों में भी समता भवन की शृंखला तैयार करें।

कार्यक्रम में अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, स्थानीय संघ अध्यक्ष-मंत्री, पार्षद देवीलाल जी नाथ, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष घनश्याम जी भोपाल, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष नरेश जी सोमानी सहित गंगाशहर, हनुमानगढ़, संगरिया, गोलूवाला, श्रीगंगानगर, पल्लू, मिर्जावाली आदि अनेक स्थानों के गणमान्यजनों की गरिमामय उपस्थिति रही। समता भवन हेतु भूमि खरीद में सीता देवी जैन का विशिष्ट सहयोग रहा, जिनका कार्यक्रम में सम्मान किया गया।

– पूनमचंद सुराणा

गंगाशहर-भीनासर। श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संस्थान का नवीन मनोनयन इस प्रकार संपन्न हुआ– अध्यक्ष कौशल जी दुगड़, मंत्री चंचल कुमार बोथरा, उपाध्यक्ष पानमल जी सुराणा, महेंद्र जी सोनावत, पारस जी डागा, सहमंत्री ललित जी पटवा, चंदन जी बैद, पारस जी भूरा, मगन जी संचेती, कोषाध्यक्ष हरीश जी सोनावत व प्रचार-प्रसार मंत्री दिलीप जी कातेला।

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश :– शासन दीपक श्री गौतम मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-5 का श्री जैन जवाहर विद्यापीठ में 12 जुलाई को मंगलमय चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। भाई-बहनों ने बड़ी संख्या में चातुर्मासिक प्रवेश का लाभ लिया। श्री मधुर मुनि जी म.सा. ने '**मेरी झलक सबसे अलग**' विषय की मीमांसा करते हुए फरमाया कि चातुर्मास में सभी अधिकाधिक धर्माराधना करके कर्मनिर्जरा का लाभ लें।

श्री विनय मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि इस पावन प्रवास में जीवन जीने की कला सीखने के साथ धर्माराधना में आगे बढ़ना है।

शासन दीपक श्री गौतम मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि इस चातुर्मास में सभी भाई-बहनों को अधिकाधिक धर्माराधना से जीवन सजाना है। सभी जिनवाणी श्रवण, धर्म-ध्यान, तप-त्याग का लाभ लेवें।

महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संघ मंत्री ने गद्य-पद्य में स्वागत करते हुए सभी से चातुर्मास को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याण कँवर जी म.सा. आदि ठाणा-4 का महिला भवन, शिवा बस्ती में 11

जुलाई को मंगलमय चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। आपश्रीजी के सान्निध्य में तप-त्याग का ठाठ लगा हुआ है।

शासन दीपक श्री रमेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा 9 जुलाई को यहाँ से विहार कर सेठिया कोटड़ी बीकानेर तथा शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेता श्री जी म.सा. आदि ठाणा का 12 जुलाई को यहाँ से विहार कर समता भवन, उदयरामसर में विराजमान हैं।

– चंचल कुमार बोथरा

नोखा। शासन दीपक श्री संजय मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-3 व शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभा श्री जी म.सा. आदि ठाणा-3 के पावन सान्निध्य में समता संस्कार पाठशाला, नोखा के तत्त्वावधान में 3 से 12 जून तक '**अपने जीवन के जौहरी स्वयं बनें**' विषय पर शिविर आयोजित किया गया। प्रातः 8 से 10 बजे ग्रीनलैंड स्कूल में आयोजित इस शिविर में 127 बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। 6 से 12 व 13 से अधिक आयु के दो ग्रुप में आयोजित शिविर में शासन दीपक श्री संजय मुनि जी म.सा. ने बड़े बच्चों को '**तीर्थंकर के पंच कल्याणक**', '**समवसरण**', '**गर्भ का दुःख**', '**आओ जीवन सजाएँ**' आदि विषयों पर आध्यात्मिक व प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। साध्वी श्री निशांत श्री जी म.सा. ने ऋषभदेव भगवान के जीवन चारित्र के बारे में बताया। कई नए बच्चे पाठशाला से जुड़े।

शिविर समापन कार्यक्रम में बच्चों ने शिविर अनुभव सुनाए। पाठशाला संयोजक व स्थानीय अध्यापकों का सराहनीय सहयोग रहा।

– विकास सुराणा

✧✧✧✧ जयपुर-ब्यावर अंचल ✧✧✧✧

ब्यावर। पर्याय ज्येष्ठ श्री अनंत मुनि जी म.सा., पर्याय ज्येष्ठ श्री प्राणेश मुनि जी म.सा., शासन दीपक श्री छत्रांक मुनि जी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में 21 जून योग दिवस को आयोजित धर्मसभा में श्री शोभन मुनि जी म.सा. ने योग का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए फरमाया कि योग करने से रोग मुक्त होते हैं। मोक्ष जाने के लिए मन, वचन, काया के योग से पुरुषार्थ करना होगा। चौदह नियम स्वीकार करने से संयम का रास्ता नजदीक दिखता है। भौतिकता को दूर करना होगा तभी भविष्य सुरक्षित रहेगा। सिद्ध बनने से पहले अरिहंत बनना होगा और अरिहंत बनने के लिए संयम जीवन स्वीकार करना होगा।

– नोरतमल बाबेल

✧✧✧✧ छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल ✧✧✧✧

दुर्ग। श्री साधुमार्गी जैन संघ द्वारा त्रिवेणी दीक्षा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन समता संस्कार पाठशाला में हुआ। अध्यापकों व विद्यार्थियों ने डे वन को ए-वन बना दिया। सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया। उत्साह का विशेष कारण था कि आचार्य श्री रामेश के श्रीमुख से 9 जून को जैन भागवती दीक्षा ग्रहण करने वाले मुमुक्षु भाई सौरभ जी संचेती, मुमुक्षु प्रणीता जी बाफना व मुमुक्षु शैली जी बाफना समता पाठशाला के ही विद्यार्थी थे। छोटे-छोटे बच्चों ने पाठशाला के महत्त्व पर प्रस्तुति दी। पाठशाला की पूर्व विद्यार्थी अंशिता कटारिया ने तीनों दीक्षार्थियों का साक्षात्कार लिया।

– संयोजक, समता संस्कार पाठशाला

✧✧✧ कर्नाटक-आंध्र प्रदेश अंचल ✧✧✧

बेंगलुरु। महत्तम महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री साधुमार्गी जैन संघ के तत्त्वावधान में व्यसनमुक्ति सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत 16 जून को 8 से 23 वर्ष के बालक-बालिकाओं हेतु ड्रॉइंग व निबंध प्रतियोगिता बेंगलुरु के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सकल जैन समाज के 360 प्रतिभागी रहे। कार्यक्रम में संघ, समता युवा संघ व महिला मंडल के कार्यकर्ताओं की सराहनीय सेवाएँ रहीं। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। **– कमलेश बोहरा**

विविध भेंट मार्फत

01 जून से 30 जून 2024

संघ सदस्यों द्वारा समय-समय पर संघ की विभिन्न गतिविधियों में आर्थिक सहयोग हेतु भेंट राशि प्रदान की जाती है, ताकि विभिन्न गतिविधियाँ, प्रवृत्तियाँ निर्विघ्न गतिमान रहें। इसी कड़ी में विभिन्न प्रवृत्तियों में उदार महानुभावों के सौजन्य से प्राप्त भेंट का उल्लेख आपके समक्ष है –

संघ महाप्रभावक सदस्यता (सौजन्य से प्राप्त)

2,20,000/- जीवनलाल जी गोखरू, कानवन

2,20,000/- निर्मल जी खिंवसरा, ब्यावर

महत्तम महोत्सव (सौजन्य से प्राप्त)

10,00,000/- बिमलचंद जी कांकरिया, बेंगलुरु

4,50,000/- विमला जी कमल जी सिपानी, बेंगलुरु

2,51,000/- गुप्तदान, दिल्ली

2,50,000/- ताड़केश्वर जी रविंद्र जी सांड, जयपुर

1,11,000/- निर्मलचंद जी सरला देवी बोथरा, गुवाहाटी

1,00,000/- झमकलाल जी अनिल कुमार जी चोरड़िया, खाचरौद

5,300/- सुनील जी बंब, टोंक

समता भवन प्रवृत्ति (सौजन्य से प्राप्त)

समता भवन, हावड़ा

3,00,000/- समता युवा संघ, हावड़ा

समता भवन, संगरिया

50,000/- जबर देवी दीपचंद जी दस्साणी चैरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई

इदं न मम (सौजन्य से प्राप्त)

5,00,000/- सुंदरलाल जी दुगड़, कोलकाता

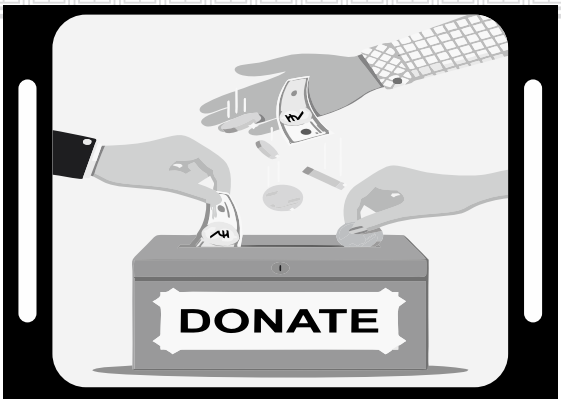

1,51,000/- उदयचंद जी अशोक कुमार जी डागा, नोखा/ अहमदाबाद

1,00,000/- भोपालचंद जी महावीर कुमार जी पींचा, सेलम

51,000/- गौतमचंद जी देरासरिया, मैसूर

33,000/- पवन कुमार जी बिनोद जी लुणावत, ईरोड़

22,000/- धरमचंद जी सौरभ जी बाफना, गुंडरदेही

22,000/- निर्मलचंद जी बोथरा, गुवाहाटी

22,000/- सरला देवी निर्मलचंद जी बोथरा, गुवाहाटी

22,000/- संजय जी रतनलाल जी पारख, गुवाहाटी

20,400/- आनंदमल जी सुराणा, नारायणपुर

15,300/- अशोक कुमार जी रवि कुमार जी लुणावत, विशाखापट्टनम

14,000/- मेघराज जी खिंवसरा, अजमेर

11,111/- भागचंद जी सिंघी, जोधपुर

11,000/- विवेक जी प्रकाशचंद जी कांकरिया, देवली

11,000/- महावीर कुमार जी मेहता, बेंगलुरु

11,000/- मनोहर जी सूर्या, मुंबई

11,000/- परेश जी चितरंजन जी नांदेचा, खाचरौद

10,200/- सुंदरलाल जी लुणिया, दिल्ली

10,000/- मीना जी कमलेश कुमार जी दक, बेंगलुरु

5,100/- गुलाबचंद जी दिनेश कुमार जी डोशी, भेड़ी

5,100/- विजयराज जी मंगल जी कोटड़िया, मुंगेली

5,100/- हर्ष जी महेश जी सुराणा, सूरत

5,000/- शुभकरण जी डागा, नोखा

5,000/- सुशील कुमार जी शाह, राजनांदगाँव
4,231/- गुप्तदान, जगदलपुर
4,000/- ऋषभ जी चोरड़िया, बालाघाट
3,500/- विजय सिंह जी प्रवीण कुमार जी वीरेंद्र कुमार जी सेठिया, गंगाशहर
3,000/- केशरीचंद जी गोलछा, विराटनगर
1,200/- पानमल जी सुराणा, गंगाशहर
1,100/- अनिल जी जैन (भटेवरा), खाचरौद
1,000/- पुखराज जी बाघमार, अहमदाबाद
501/- स्नेहा जी शाह, राजनांदगाँव
500/- मधु जी शीतल कुमार जी भाणावत, उदयपुर

साधुमार्गी पब्लिकेशन सहयोग (सौजन्य से प्राप्त)

1,85,000/- अनुपमा जी चोरड़िया, इंदौर

दानपेटी योजना

21,000/- सुंदर बाई (विजयलाल जी) कोटड़िया, कोंडागाँव
15,000/- माणकचंद जी धूड़मल जी डागा, बेंगलुरु
11,000/- उत्तमचंद जी कोटड़िया, कोंडागाँव
10,000/- साहिल जी सिपानी, बेंगलुरु
8,500/- संजय जी गुलाबचंद जी जैन, सूलूरुपेटा
7,100/- राजमल जी मनोज जी ओस्तवाल, कोंडागाँव

5,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- भीकमचंद जी नाहटा, अमोदा, शैलेंद्र कुमार जी भूपेंद्र जी कोटड़िया, रायपुर, प्रेमचंद जी संतोष कुमार जी भंडारी, रायपुर, श्री साधुमार्गी जैन संघ, तोंगपाल, दलीचंद जी राजेंद्र कुमार जी सुराणा, मलकानगिरी, पारसमल जी लूणकरण जी सुराणा, नारायणपुर, गुलाबचंद जी मुकेश जी पींचा, सोनारपाल, नरेश कुमार जी संजय जी गोलछा, सरोना, प्रकाशचंद जी राजेश जी डोशी, सरोना, नवीन जी कोटड़िया, कोंडागाँव
4,500/- समता शाखा, तूफानगंज
3,500/- मोहनलाल जी कोटड़िया, कोंडागाँव
3,300/- रावलचंद जी किशनचंद लोढ़ा, सेतरावा

3,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- हनुमानमल जी बोथरा, गोलकगंज, केशरीमल जी कंवरलाल छाजेड़, छिंदगढ़, नेमीचंद जी राजकुमार जी सांखला, खरियार रोड, मनोज जी डोशी, सरोना, गौतम जी संचेती, कोंडागाँव, मोहनलाल जी संचेती, कोंडागाँव, शांतिलाल जी सुराणा, कोंडागाँव, बसंत जी सुराणा, कोंडागाँव
3,050/- विवेक जी प्रकाशचंद जी कांकरिया, देवली
2,542/- मनोज जी सौरभ जी मालू, महासमुंद
2,500/- प्रसन्न जी देशलहरा, रायपुर
2,500/- महेंद्र जी मोहित जी सुराना, कोंडागाँव

2,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- विजय कुमार जी नाहटा, अमोदा, प्रकाशचंद जी गांधी, कांकेर, कैलाशचंद पगारिया, नरहरपुर, मूलचंद जी हर्ष जी पींचा, रायपुर, संजय जी चेतना जी सुराणा, रायपुर, राजेंद्र कुमार जी ऋषभ जी टाटिया, सुकमा, भोमराज जी टाटिया, सुकमा, सरोज देवी आर्य, कांटाबांजी, अशोक जी जैन, राजा खरियार, ताराचंद जी पूनमचंद जी बरड़िया, महासमुंद, जवरीलाल जी चोरड़िया, नारायणपुर, ज्ञानचंद जी छाजेड़, नारायणपुर, कंचन देवी सुराणा, नारायणपुर, शकुन देवी सांखला, सोनारपाल, गौरव जी डोशी, सरोना, मोहित कुमार जी रोहित जी डागा, बीकानेर, **सेतरावा से-** बंशीलाल जी मोहनलाल जी संचेती, लालचंद जी जसराज जी गुलेच्छा, झूमरलाल जी भंवरलाल जी दुग्गड़, **गोलकगंज से-** पूरनमल जी बोथरा, पूनमचंद जी बोथरा, संपतलाल जी सेठिया, **कोंडागाँव से-** जोतमल जी सुराणा, मोतीलाल जी सुराणा, खेतमल जी ओस्तवाल, दिलीप जी ओस्तवाल, राजू जी सांखला, भंवरलाल जी सुराणा, **मलकानगिरी से-** कन्हैयालाल जी सुराणा, नारायणमल जी कैलाश जी सुराणा, कंवरलाल जी देवीचंद जी बाफना, हीरालाल जी चोरड़िया, फूली देवी चोरड़िया, रमेश कुमार जी ऋषभ कुमार जी चोरड़िया, संजय कुमार जी संचेती
2,000/- किशोर जी प्रतीक जी चोरड़िया, महासमुंद
2,000/- प्रेमचंद जी लोढ़ा, नारायणपुर

1,700/- भंवरलाल जी भंसाली, कोंडागाँव
1,700/- ललित जी संचेती, कोंडागाँव
1,700/- नेमीचंद जी सुराणा, कोंडागाँव
1,642/- राजमल जी संतोष जी कोटड़िया, महासमुंद
1,600/- शुभकरण जी डागा, नोखा
1,600/- किशोर जी संचेती, कोंडागाँव
1,502/- निर्मल जी सिद्धार्थ जी चोरड़िया, महासमुंद
1,500/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- कन्हैयालाल जी बाफना, लखनपुरी, रावलमल जी लालचंद जी जैन, मलकानगिरी, सुरेंद्र कुमार जी कार्तिक कुमार जी पारख, बीकानेर, **कोंडागाँव से-** मुकेश जी महावीर जी सुराणा, नीलम जी सुराणा, कांतिलाल जी संचेती, विकास जी संचेती
1,307/- सुभाष जी वैभव जी बाफना, महासमुंद
1,300/- सुरेश जी संचेती, कोंडागाँव
1,254/- ताराचंद जी निर्मल जी बरड़िया, महासमुंद
1,150/- विजय जी नाहटा, सुकमा
1,120/- विजयचंद जी कमलचंद जी पारख, बीकानेर
1,111/- पुखराज जी संचेती, नारायणपुर
1,101/- भीखी बाई सोनराज जी पींचा, महासमुंद
1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- शुभकरण जी बोथरा, गोलकगंज, पारसमल जी सेठिया, गोलकगंज, ऋषभ जी संचेती, नरहरपुर, मुकेश जी संचेती, नरहरपुर, नितेश जी धर्मराज जी आछा, चरोदा, राजकुमार जी डागा, बीकानेर, **सेतरावा से-** अरविंद कुमार जी अक्षय कुमार जी दुग्गड़, मूलचंद जी सुमेरमल जी लाधूचंद जी गुलेच्छा, लालचंद जी जसवंत कुमार जी गुलेच्छा, मदनलाल जी संजय कुमार जी लोढ़ा, **रायपुर से-** जिनेश जी चोरड़िया, पुष्पा देवी सुराणा, गौतमचंद जी नीरव जी बरड़िया, सुशील कुमार जैन, आशीष कुमार जी विनय जी लोढ़ा, धर्मेंद्र जी संचेती, **अहिवारा से-** धर्मीचंद जी विकास जी रायसोनी, धर्मचंद जी रौनक जी बाफना, रमेश कुमार जी मनन जी बाफना, जितेंद्र कुमार जी प्रथम जी बाफना, महेंद्र कुमार जी सपना जी बाफना, हितेश कुमार जी नयन जी बाफना, **सुकमा से-** रामलाल जी अरिहंत जी बैद, शिवराज जी अरिहंत कुमार जी राखेचा, कैलाश कुमार जी जैन, अजय कुमार जी हर्ष जी बाफना, धीरज कुमार जी पंकज जी बाफना, हुक्मीचंद जी अनीश कुमार जी बोथरा, हुक्मीचंद जी स्वरूपचंद जी टाटिया, **खरियार रोड से-** किशोर जी सेवन जी बरड़िया, बंशीलाल जी रितेश जी सोनी, शंकरलाल जी रामकुमार जी सोनी, शंकरलाल जी हेमंत कुमार जी सोनी, बंशीलाल जी मनोज जी डागा, संजय जी संकलेचा, **राजा खरियार से-** राहुल जी जैन, रमेशचंद जी जैन, विजय जी जैन, **महासमुंद से-** रमेश जी सौरभ जी सांखला, त्रिलोकचंद जी सम्यक् जी सांखला, भोमराज जी दिलीप जी चोरड़िया, **नारायणपुर से-** अशोक कुमार जी ललित जी सेठिया, संतोष जी सुराणा, पवन जी सुराणा, धर्मचंद जी प्रथम जी भंडारी, **सरोना से-** राजेश कुमार जी निकेश जी गोलछा, मूली बाई डोशी, ज्ञानचंद जी संचेती, किशोरचंद जी परागिया, **अलाय से-** प्रदीप कुमार जी चोरड़िया, संतोष देवी चोरड़िया, भैरुदान जी केवलचंद जी बैद, महेंद्र जी बोथरा, महेंद्र कुमार जी घेवरचंद जी कोचर, सूरजमल जी चोरड़िया, **रामपुरहाट से-** रामलाल जी बोथरा, श्यामलाल जी बोथरा, सुशील जी बोथरा, सुशील जी बांठिया, राजू जी बोथरा, **कोंडागाँव से-** ज्ञानचंद जी सुराणा, मनीष जी पीयूष जी सुराणा, राजेश जी अरिहंत जी सुराणा, शेषमल जी मनोज जी सुराणा, भीकमचंद जी लूंकड़, मनीष जी श्रीश्रीमाल, राजकुमार जी संचेती, नितिन जी संचेती, मनोज जी सुराणा, जितेंद्र जी सुराणा
1000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- मोतीलाल जी प्रदीप जी सांखला, रायपुर, विकास जी दुग्गड़, रायपुर, संतोष जी बाफना, अहिवारा, पायल जी ढोलकिया, खरियार रोड, नरेश कुमार जी जैन, राजा खरियार, अशोक जी मुकेश जी चोरड़िया, महासमुंद, आनंदमल जी सुराणा, नारायणपुर, पूनमचंद जी पारख, बीकानेर, **सुकमा से-** अनिल कुमार जी बाफना, आकाश जी नीरज जी बाफना, अशोक कुमार जी सिद्धार्थ जी बाफना, प्रकाश

कुमार जी ऋतिक जी बाफना, पारसमल जी रावलमल जी बाफना, बंशीलाल जी नाहटा, धर्मचंद जी सुराणा
800/– कूमचंद जी बाफना, सुकमा
718/– रिखबचंद जी रोशन जी बाफना, महासमुंद
700/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– लक्ष्मीचंद जी महावीरचंद जी गुलेच्छा, सेतरावा, चंपालाल जी दुर्गेश कुमार जी गुलेच्छा, सेतरावा, गुलाबचंद जी सुनील कुमार जी रायसोनी, सेमरा, अमरचंद जी गुलसन जी बैद, नुआपाड़ा
551/– लाभचंद जी बाफना, अहिवारा,
551/– चंचल जी बाफना, अहिवारा,
520/– राजेश कुमार जी सुखानी, गंगाशहर,
512/– झूमरमल जी प्रदीप जी बुरड़, महासमुंद
500/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– पन्नालाल जी प्रतीक जी संकेत जी लोढ़ा, रायपुर, प्रकाशचंद जी प्रवीण जी दुग्गड़, रायपुर, उत्तमचंद जी भूपेंद्र जी चोरड़िया, कुम्हारी, अमित जी छाजेड़, कुम्हारी, दिनेश जी प्रत्यूष जी सुराणा कुम्हारी, राजेंद्र जी वरुण जी मूथा, कुम्हारी, गिरधारीलाल जी कंचन बाई चोरड़िया, खरियार रोड, अमित जी ढोलकिया, खरियार रोड, नरेश जी जैन, राजा खरियार, अजीत कुमार जी जैन, राजा खरियार, बंशीलाल जी रायसोनी, कोड़िया, चांदमल जी किशोर कुमार जी रायसोनी, कोड़िया, धन्नालाल जी पींचा, महासमुंद, सुनील कुमार जी चोरड़िया, मलकानगिरी, हीरालाल जी संतोष जी सुराणा, नारायणपुर, विजय कुमार जी गोलछा, नुआपाड़ा, अनिल जी डोशी, सरोना, उत्तम जी डोशी, सरोना, देवराज जी विजय कुमार जी डागा, बीकानेर, नेमचंद जी मुकीम, बीकानेर, श्री विजय स्टोर, बीकानेर, बिमल जी बोथरा, रामपुरहाट, उज्ज्वल कुमार जी पीपाड़ा, रामपुरहाट, मनोज जी बोथरा, रामपुरहाट, प्रेमचंद जी संचेती, कोंडागाँव, तनसुखलाल जी सुराणा, कोंडागाँव, **भींडर से–** भगवतीलाल जी अशोक कुमार जी वया, महेंद्र कुमार जी कमलेश जी कोठारी, अरुण कुमार जी कोठारी, कमलेश कुमार जी लसोड़, पंकज कुमार जी लसोड़, ओमप्रकाश जी हरीश जी नंदावत, अनिल जी दिलीप जी मुकेश जी कोठारी, बसंतीलाल जी दिनेश जी प्रमोद जी वया, मदनलाल जी नरेंद्र जी दक, महावीर जी निशांत जी नागौरी, करणमल जी लोकेश जी कोठारी, प्रकाशचंद्र जी चिराग जी कुदाल, मदनलाल जी अभिषेक जी नांदेचा, भगवतीलाल जी हंसमुख जी बडाला, पूनमचंद जी पवन कुमार जी वया, गोवर्धनलाल जी दिलीप जी मनोज जी मुणोत, अशोक कुमार जी भूपेंद्र जी नागोरी, बसंतीलाल जी प्रकाश जी नरेश जी वया, पारसमल जी मुकेश जी कुदाल, हिम्मत सिंह जी श्यामलाल नागोरी, सुरेश कुमार जी रौनक जी नागोरी, विजय सिंह जी मनीष जी हिमांशु जी भाणावत, गिरिराज जी दीपक जी भाणावत, श्यामलाल जी वया, प्रकाशलाल जी अनमोल जी वया, अनिल कुमार जी धीरज जी नागोरी, मीठालाल जी नागोरी, भगवतीलाल जी जीवन जी नंदावत, हिम्मत सिंह जी महावीर जी नंदावत, पारसमल जी नेमीचंद जी नागोरी, प्रेम बाई पारसमल जी नागौरी, चंद्रप्रकाश जी सचिन जी मेहता, शांतिलाल जी नरेंद्र कुमार जी लसोड़, बंशीलाल जी वया, रोशनलाल जी महावीर जी वया, मिट्ठूलाल जी वया, सुरेश जी दिनेश जी विनोद जी अभय जी वया, विपिन कुमार जी वया, संपत जी चेतन जी कांठेड़, संपत जी दिनेश जी पितलिया, उमेश कुमार जी सुशील जी कोठारी, पंकज कुमार जी कनिष्क जी खेरोदिया, दिलीप कुमार जी राजकुमार जी बोहरा, नितिन कुमार जी कुदाल, संतोष कुमार जी नलवाया, विनोद कुमार जी सिंघवी, **सेतरावा से–** देवीचंद जी चंद्रप्रकाश जी सुराणा, प्रकाशचंद जी ललित कुमार जी गुलेच्छा, अशोक कुमार जी सवाईमल जी गुलेच्छा, जबरचंद जी नेमीचंद जी गुलेच्छा, अशोक कुमार जी प्रवीण कुमार जी संचेती, **गोलकगंज से–** हीरालाल जी सोनावत, नथमल जी सोनावत, महावीर जी सोनावत, चंद्रकला जी सेठिया, **सेमरा से–** घेवरचंद जी धर्मचंद जी बेगानी,

भंवरलाल जी अशोक जी चौपड़ा, चेतन कुमार जी श्रेयांश कुमार जी रायसोनी, प्रमोद कुमार जी अमन कुमार जी रायसोनी, विनोद कुमार जी रायसोनी, चंचल देवी (विकास कुमार जी) रायसोनी, **अर्जुनी से–** संजय कुमार जी दुलीचंद जी टाटिया, ज्ञानचंद जी झूमरलाल जी टाटिया, भंवरलाल जी टाटिया, रेखचंद जी सांखला, राजेंद्र कुमार जी टाटिया, रमेश कुमार जी टाटिया, **भिलाई से–** हेमचंद जी अमित जी सेठिया, पुखराज जी राजेश जी चोपड़ा, अर्चना जी ओस्तवाल, पुखराज जी पार्श्व जी पुगलिया, विजय जी गोलछा, **सुकमा से–** सांगीलाल जी सुराणा, गर्व जी राखेचा, ताराचंद जी चोरड़िया, जसराज जी चोरड़िया, नीलेश कुमार जी ऋषभ जी बाफना, रावलमल जी दिनेश जी बाफना, पारसमल जी टाटिया, राजेंद्र कुमार जी बाफना, **अलाय से–** सुमित जी सुराणा, भीवराज जी बोथरा, घेवरचंद जी मूथा, बाबूलाल जी बोथरा, भंवरलाल सोलंकी

जीवदया

7,100/– गुप्तदान, बेंगलुरु

5,400/– रोमिका जी नवलखा, बारडोली

3,000/– राजेंद्र जी सुखानी, बीकानेर/नागपुर (धर्मपत्नी श्रीमती मंजू देवी की पुण्यस्मृति में)

2,100/– पीयूष जी अहान जी सरिता जी मांडोत, पुणे

2,100/– विजयचंद जी बरड़िया, गंगाशहर (अपनी माताजी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में)

2,000/– बाबूलाल जी दीपक जी जारोली, लसड़ावन

2,000/– गुप्तदान, उदयपुर

1,100/– दीपक कुमार जी सांखला, कपासन

777/– मूलचंद जी मुकेश छाजेड़, साजा

500/– गुप्तदान, बीकानेर

500/– ललित जी सकलेचा, आलोट (माताजी श्रीमती पान कंवर जी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर)

संघ सहयोग

1000/– रविंद्र जी गाँधी, नागपुर

समता साहित्य स्टॉल अनुदान

11,000/– गुप्तदान, जयपुर

5,000/– समीर जी नागौरी, नीमच

5,000/– सुशील कुमार जी मेहता, ब्यावर

5,000/– सुशील जी गोरेचा, रतलाम (श्रीमती सुनिता जी गोरेचा की पुण्यस्मृति में)

साहित्य सदस्यता सहयोग

11,000/– आशा जी देवराज जी श्रीश्रीमाल, कवर्धा (दीक्षा के उपलक्ष्य में)

श्रमणोपासक भेंट

5,25,000/– रिद्धकरण जी सिपानी, बेंगलुरु

21,000/– गोविंदराम जी बोथरा, गंगाशहर (श्री शांतिलाल जी बोथरा की पुण्यस्मृति में)

2,500/– गिरिश जी बोहरा, उदयपुर (ऊषा जी शांतिलाल जी बोहरा की 50वीं वैवाहिक वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में)

1,100/– राजेंद्र कुमार जी जैन, जयपुर (विपुल संग मोनिका के शुभविवाह के उपलक्ष्य में)

500/– किशनलाल जी बजरंगलाल जी मालू, नोखा (श्रीमती मनोहरी देवी मालू की पुण्यस्मृति में)

सर्वधर्मी सहयोग (महिला समिति)

1,100/– मोनालिसा जी लोकेश जी डागा, रायपुर

1,000/– गुप्तदान, बीकानेर

:: **विशेष** ::

श्रमणोपासक सदस्यता–3, साहित्य सदस्यता–2, युवा संघ सदस्यता–1

:: 1 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक ::

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के बैंक खाते में अधोलिखित राशियाँ विभिन्न दानदाताओं ने जमा करवाई हैं। लेकिन जमाकर्ता के नाम व किस मद हेतु राशि जमा की गई है इसकी सूचना कार्यालय को प्राप्त नहीं होने से ये राशियाँ संघ के

सस्पेंस खाते में संयोजित हैं। अत: जिन दानदाताओं ने राशि के सामने अंकित दिनांक को ये राशियाँ जमा करवाई हैं, वे केंद्रीय कार्यालय, बीकानेर को मोबाइल नंबर 7976520588 पर सूचित कर अपनी पक्की रसीद अतिशीघ्र ही प्राप्त करें।

दिनांक	*राशि*	*अन्य विवरण*
एस.बी.आई. बैंक		
02.04.24	1,100/-	UPI सिद्धार्थ
04.04.24	500/-	नकद
04.04.24	12,000/-	UPI रौनक
04.04.24	7,000/-	UPI रौनक
06.04.24	1,000/-	UPI आदित्य जैन
12.04.24	501/-	UPI विपुल जैन
19.04.24	1,100/-	UPI विकास
19.04.24	1,000/-	NEFT अशोका रेजीडेंसी
29.04.24	3,256/-	UPI राजेश
07.05.24	13,000/-	UPI NAKES
13.05.24	5,100/-	नकद
14.05.24	1,100/-	UPI सिंपल
14.05.24	800/-	UPI सचिन
07.06.24	4,000/-	NEFT अभिषेक किरण स्टूडियो
10.06.24	21,000/-	By Trf.
12.06.24	2,100/-	UPI पारसमल जैन
19.06.24	2,960/-	UPI रचना

उपरोक्त भेंटदाताओं का श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा आभार व्यक्त किया जाता है। आप इसी तरह संघ के उत्थान में अपना योगदान बनाए रखें। -जय जिनेंद्र!

अनुभूतिहीन ज्ञान

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालाल जी म.सा.

एक पाठशाला में दो शिष्य सहपाठी थे। एक दिन दो गुरुओं ने अपने अलग-अलग शिष्यों को सूचना दी कि वह दही रखा है। हम स्नानादि से निवृत्त होकर आते हैं तब तक तुम इस दही का ध्यान रखना। यह बात उन्होंने संस्कृत में अपने शिष्यों से कही– ''**'काकेभ्यो दधि रक्ष्यताम्'** जिसका अर्थ हुआ कि कौवों से दही की रक्षा करना।'' इतना कहकर गुरु चले गए।

अब दोनों शिष्यों में से एक शिष्य ने सोचा कि गुरु जी ने कहा है कि कौवों से दही की रक्षा करना। सो यह बात मन में गाँठ की तरह बाँधकर वह आकाश की ओर ताक लगाकर बैठ गया कि कोई कौवा वहाँ आकर दही को न खा जाए। उधर एक बिल्ली उस दही की ओर ताक लगाए बैठी थी। कुछ देर बाद वह आई और दही को खाने लगी। शिष्य ने देखा तो सोचा कि गुरु जी ने दही की रक्षा कौवों से करने के लिए कहा था, बिल्ली से नहीं। अत: उसने बिल्ली को नहीं भगाया और बिल्ली दही चट कर गई।

वही बिल्ली जब दूसरे शिष्य के दही के पास पहुँची तो उसने उस बिल्ली को भगा दिया और दही की रक्षा की।

जब दोनों गुरुजन लौटे तो एक ने अपने शिष्य से पूछा- ''दही की रक्षा की?'' शिष्य ने उत्तर दिया– ''हाँ, गुरुजी रक्षा कर ली।'' गुरु ने पूछा– ''कौवे आए?'' तो शिष्य ने बताया– ''कौवे तो नहीं आए, बिल्ली आई थी, उससे दही की रक्षा कर ली।''

जब दूसरे गुरु ने दूसरे शिष्य से वही बात पूछी तो उसने कहा– ''मैंने दही की रक्षा कौवों से तो कर ली, आपकी ऐसी ही आज्ञा थी; किंतु बिल्ली दही को खा गई। मैंने उसे नहीं रोका क्योंकि आपने कहा था **'काकेभ्यो दधि रक्ष्यताम्'**।'' गुरु ने अपने शिष्य की बुद्धि पर अपना सिर पीट लिया।

साभार- नानेश वाणी-46 (दृष्टांत सुधा)

विनम्र श्रद्धांजलि

जेठाना (भीलवाड़ा)। सुश्रावक नंदलाल जी सुपुत्र स्व. श्री नोरतमल जी नाहर का 79 वर्ष की आयु में 5 जून को देहावसान हो गया। आपकी आचार्य श्री नानेश व आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट श्रद्धा थी। नियमित सामायिक, स्वाध्याय का लक्ष्य रखते थे। आपने रुग्णता में भी समता भाव बनाए रखा। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

गंगाशहर। सुश्रावक शांतिलाल जी सुपुत्र श्री गोविंदराम जी बोथरा का 7 जून को निधन हो गया। आप प्रतिदिन सामायिक व ज्ञान-ध्यान सहित विभिन्न प्रत्याख्यान करते थे। आपकी आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. के प्रति पूर्ण समर्पणा थी। चारित्रात्माओं की सेवा में सदैव अग्रणी रहते थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

बीकानेर। सुश्रावक सूरजप्रकाश जी झाबक सुपुत्र स्व. श्री फुसराज जी झाबक का 18 जून को निधन हो गया। आप सरलहृदयी व स्पष्टवक्ता होने के साथ गुरु-भगवंतों पर अटूट श्रद्धा रखते थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

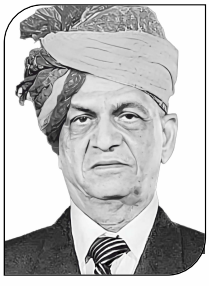

देशनोक। सुश्रावक झंवरलाल जी नाहटा का 90 वर्ष की आयु में 28 जून को देहावसान हो गया। आपने 4 मासखमण, 4 प्रतिपूर्ण दया मासखमण, एक सामायिक मासखमण, एकासन मासखमण, सत्रह तक की लड़ी सहित अनेक छोटी-बड़ी तपस्याओं से जीवन सजाया हुआ था। आप साध्वी श्री कल्पना श्री जी म.सा. व साध्वी श्री जयघोषा श्री जी म.सा. के संसारपक्षीय मामा जी थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

देशनोक। सुश्राविका कमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री राधाकिशन जी सामसुखा, देशनोक निवासी बंगईगाँव प्रवासी का 6 जुलाई को निधन हो गया। आप सरल स्वभावी, मृदुभाषी व देव, गुरु, धर्म पर पूर्ण आस्था रखती थीं। आपने स्वस्थ रहते हुए पाँचों तिथियों पर उपवास, सामायिक आदि का पच्चक्खाण करती थीं। मरणोपरांत आपके नेत्र दान किए गए। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

गंगाशहर। सुश्राविका इंद्रा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री झंवरलाल जी बोथरा का 87 वर्ष की आयु में 9 जुलाई को देहावसान हो गया।

आप पिछले 50 वर्षों से विभिन्न आगम व थोकड़ों का नियमित स्वाध्याय कर रही थीं। आप विभिन्न तपस्याओं के साथ चौदस को उपवास व अष्टमी को आयंबिल/एकासन करने का लक्ष्य रखती थी। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

खेतिया। सुश्राविका जमुना बाई धर्मपत्नी बनेचंद जी

सुराणा का 98 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। आप पाँचों तिथि लिलोती का त्याग रखती थी। चारित्रात्माओं की सेवा में सदैव अग्रणी रहती थीं। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

भक्ति रस

अभिमोक्षम् की खास बात

–मोनिका राका, बेंगलुरु

स्वयं से स्वयं की पहचान कराता है शिविर-2,
अपने टैलेंट को सबके सामने लाता है शिविर।
शिविर में संस्कारों का खजाना है,
हम सबको झोली भर-भर के लेकर जाना है।
क्यूँ? क्योंकि इन सब ज्ञान में मेरे गुरुवर का ध्यान है।
मेरे अभिमोक्षम् कैंप की यही तो खास बात है।।

बत्तीसी के ज्ञान को दिल में बसाया है-2,
कर्म बंध को जानकर हमने ज्ञान बढ़ाया है।
अब आई कर्म बंध से मुक्त होने की बारी,
एक्टिविटी और जिज्ञासा-समाधान हमारे मन को है बहुत भाई।
क्यूँ? क्योंकि इन सब ज्ञान में मेरे गुरुवर का ध्यान है।
मेरे अभिमोक्षम् कैंप की यही तो खास बात है।।

छोटे-छोटे थोकड़ों से मिला हम सबको बहुत ज्ञान-2,
चारित्रात्माओं के सान्निध्य से जाना संयम है महान।
शुद्ध सम्यक्त्व को जानकर हो गया जीवन निहाल,
हृदय में धर्म श्रद्धा गहरी बसाकर हो गई मैं खुशहाल।
क्यूँ? क्योंकि इन सब ज्ञान में मेरे गुरुवर का ध्यान है।
मेरे अभिमोक्षम् कैंप की यही तो खास बात है।।

वर्ल्ड फैमस कैंप में हुआ नए-नए दोस्तों से मिलान,
गुरुवर व उपाध्याय प्रवर की कृपा से सीखा नवीन ज्ञान।
किंगमेकर टीचर्स ने श्रुतज्ञान से किंग बनाए,
और हमारे समर होलीडेज में चार चाँद लगाए।
क्यूँ? क्योंकि इन सब ज्ञान में मेरे गुरुवर का ध्यान है।
मेरे अभिमोक्षम् कैंप की यही तो खास बात है।।

अंत में इतना कहना चाहती हूँ,
हृदय की गहराई से क्षमायाचना व खमतखामणा करना चाहती हूँ।
मेरे भगवन् के 50वें सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव पर कुछ अर्पण करना चाहती हूँ,
भावों को विशुद्ध कर पुण्यवानी बढ़ाकर आचार्य भगवन् के चरणों में
अपने आपको समर्पण करना चाहती हूँ।
क्यूँ? क्योंकि इन सब ज्ञान में मेरे गुरुवर का ध्यान है।
मेरे अभिमोक्षम् कैंप की यही तो खास बात है।।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम ।।

चिंतन की कड़ियाँ

वरं मे अप्पा दंतो

विपरीत संस्कार जब मन पर हावी होते हैं, तब मन आत्मा से शत्रुता करने लगता है। श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र में भगवान महावीर का उपदेश है कि संयम व तप से आत्मा का दमन करना, आत्मा को वश में करना श्रेष्ठ है। अन्य साधनों से, डंडे आदि के बल पर कोई शासित करे, उससे अच्छा है वह स्वयं को स्वयं से ही, संयम-योगों से अनुशासित करे। अपना शासन अपने हाथ। अपनी गाड़ी की स्टेयरिंग अपने हाथ। अपने घोड़े की लगाम अपने हाथ। यानी सेल्फ यात्रा। किसी दूसरे के हस्तक्षेप के बिना अपनी चर्या से चलना। अपने लक्ष्य के अनुरूप गति करना। ऐसा करने से मन का नियंत्रण स्वयं के पास होता है। मन अनियंत्रित नही हो पाएगा।

(उपांशु)

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.

युवती शक्ति

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत 12 वर्ष से अधिक आयु की अविवाहित युवतियों के आध्यात्मिक एवं व्यक्तिगत विकास हेतु '**युवती शक्ति**' मंच समय-समय पर विभिन्न उपक्रम, गतिविधि लाता रहता है।

'**तृप्ति : एक नई पहल**' प्रकल्प ने संपूर्ण देश में भीषण गर्मी में धूप से तप रहे लोगों को छोटी-सी राहत पहुँचाने के उद्देश्य से युवती शक्ति की युवतियों ने लगभग 63 क्षेत्रों में 22,000 से भी अधिक व्यक्तियों को शीतल पेय पिलाए एवं फुटपाथ के विक्रेताओं हेतु छाया व पशुओं के लिए पानी के पात्रों की व्यवस्था की। इस सद्कार्य में लगभग 670 युवतियों ने योगदान दिया। स्थानीय संयोजिकाओं ने पूर्ण पुरुषार्थ किया।

1 से 15 जून तक चलाए गए इस प्रकल्प में 12 अंचलों के निम्न क्षेत्रों ने इस गतिविधि में योगदान दिया -

अंचल	क्षेत्र
मेवाड़	भदेसर, चित्तौड़गढ़, बड़ीसादड़ी, असावरा, प्रतापगढ, भीलवाड़ा, बंबोरा
बीकानेर-मारवाड़	नोखा, नागौर, बीकानेर, बालेसर, उदयरामसर, पाली, रावतसर, सोमेसर, पांचू, गंगाशहर, अलाय
जयपुर-ब्यावर	ब्यावर, अजमेर, जयपुर, बजरिया
मध्य प्रदेश	मंदसौर, अशोकनगर, खिरकिया, चारवाह, नीमच
छत्तीसगढ़-उड़ीसा	डौंडी, नगरी, डोंगरगाँव, राजनांदगाँव, रायपुर

अंचल	क्षेत्र
कर्नाटक-आंध्र प्रदेश	बेंगलुरु, हैदराबाद
तमिलनाडु	चेन्नई
मुंबई-गुजरात	नवी मुंबई, भायंदर, सेलंबा, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई (सेंट्रल), पुणे, वड़ोदरा
महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश	नागपुर, अक्कलकुआँ, निमगुल, जलगाँव, नंदुरबार, शहादा, धुलिया
बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान	कोलकाता
पूर्वोत्तर	सिलापथार, बिलासीपाड़ा, गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, विश्वनाथचरली, पथारकांदी, सिलचर

सभी अंचल संयोजिकाओं के मार्गदर्शन व प्रेरणा से स्थानीय स्तर पर बहुत ही उत्साहवर्धक प्रयास किया गया।

'**खुशियों का पिटारा**' के अंतर्गत '**तृप्ति**' प्रकल्प के पश्चात् युवतियों के लिए '**दिशा : Career Awareness Programme**' के ऑनलाइन वेबिनार में ग्लोबल कॅरियर काउंसलर चेतन शिखर जी जैन, पुणे ने मार्गदर्शन दिया। लगभग 160 युवतियों ने इस सेशन में भाग लिया और 61 युवतियों को श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति द्वारा निःशुल्क सुटेब्लिटी टेस्ट देने का अवसर प्राप्त हुआ। इस टेस्ट में कॅरियर से संबंधित प्रश्नोत्तर द्वारा मार्गदर्शन मिलता है।

महत्तम महोत्सव के शिखर वर्ष में चलाई जा रही तप-त्याग की लड़ी में युवती शक्ति के पुरुषार्थ से मुंबई-गुजरात-यू.ए.ई. अंचल की युवतियाँ निरंतर एकासन की लड़ी चला रही हैं। इस हेतु अंचल व स्थानीय संयोजिकाएँ अथक प्रयास कर रही हैं।

Sadhumargi Women's Motivational Forum

साधुमार्गी वुमन्स मोटिवेशनल फोरम

एक नया अंदाज, एक नई सोच, एक नया नजरिया, एक नया कदम।
हमारे छोटे-छोटे कदम उस मंजिल की ओर, एक कदम अपरिग्रह की ओर।।

7 जुलाई को बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान अंचल के लिए साधुमार्गी वुमन्स मोटिवेशनल फोरम की ओर से Sustainable Living : अनर्थदंड से बचाव पर आधारित एक ऑनलाइन गतिविधि करवाई गई, जिसमें निम्न 5 बिंदु साझा किए गए -

1. फलों के बीज व गुठलियों को एकत्रित करके उनका बीजारोपण करना।
2. पुराने अखबारों को एकत्रित करके कागज के छोटे-बड़े अलग-अलग माप के थैले बनाए गए।
3. **Reduce Reuse Clothing :** नए कपड़ों का उपयोग कम करें तथा पुराने कपड़ों को अधिक उपयोग में लें।
4. दूध की थैलियों को एकत्रित करके उन्हें ईंट बनाने के काम में ले सकते हैं और प्लास्टिक को डंपिंग यार्ड में फेंकने से बचा जा सकता है।
5. टूटे हुए बालों को एकत्रित करना, जिससे कि जाने-अनजाने में मूक जीवों के पेट में बाल न चले जाएँ।

सभी स्थानीय संयोजिकाओं ने भाग लेकर इसे सफल बनाया। जूम के माध्यम से 100 महिलाओं ने भाग लिया और 500 से अधिक लोगों ने इसे यूट्यूब पर लाइव देखा।

साधुमार्गी वुमन्स मोटिवेशनल फोरम की अगली गतिविधि छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल के लिए होनी संभावित है, जिसका विषय रहेगा - **'ALERT TODAY BRIGHT TOMORROW'**.

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की संगठन प्रवृत्ति के अंतर्गत श्राविका वर्ग को धर्मस्थान के रखरखाव व आगम व पुस्तकों आदि के प्रतिलेखन हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से 1 से 30 जून तक **'स्कूल चलें हम'** कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय महिला मंडल व बहू मंडल ने मिलकर समता भवन की साफ-सफाई का बीड़ा उठाया। बड़े भवनों हेतु आठ से दस दिन अलग-अलग टीम बनाकर पुरुषार्थ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत किताबों, बिस्तर, डांडिए, मच्छरदानियों, पाट-पाटला, आसन, कुर्सी व भवन की सफाई तथा प्रतिलेखन किया गया। कार्यक्रम पश्चात् समता भवन के व्यवस्थित व निखरे हुए रूप को देखकर हर्ष का अनुभव हुआ साथ ही सभी ने प्रतिवर्ष प्रतिलेखन कार्य करने का भाव रखा।

संगठन टीम का उद्देश्य 'स्कूल चलें हम' कार्यक्रम को प्रत्येक समता भवन तक ले जाना है। जो मंडल किसी कारणवश अभी नहीं कर पाए हैं, उनसे निवेदन है कि आप अपनी संभावित तारीख अंचल उपाध्यक्ष/मंत्री/संगठन संयोजिका तक भेजने का लक्ष्य रखें। हम समस्त डाटा आपके सहयोग के बाद ही प्रेषित करेंगे।

केसरिया कार्यशाला

केसरिया कार्यशाला के माध्यम से हम सभी आचार्य की आठ संपदाओं के विषय में ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं, जिसका आधार श्री दशाश्रुतस्कंध सूत्र की चौथी दशा है। मई-जून माह की कार्यशाला **'वचन संपदा'** पर आधारित थी, जिसमें आचार्य की वचन-वाणी की विशेषताओं के विषय में उदाहरणों सहित विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें 900 से अधिक श्राविकाओं ने भाग लिया। सभी आंचलिक व स्थानीय संयोजिकाओं से अनुरोध है कि और अधिक पुरुषार्थ करके नए-नए क्षेत्र केसरिया कार्यशाला से जोड़ने का लक्ष्य रखें तथा केसरिया कार्यशाला की रिपोर्ट अवश्य करें। अगली जुलाई माह की कार्यशाला आचार्य की **'वाचना संपदा'** पर होनी संभावित है।

धार्मिक शिविर

देश के अनेक क्षेत्रों में चारित्रात्माओं के पावन सान्निध्य में विविध विषयों पर आयोजित शिविरों का विवरण -

क्र.सं.	विषय	क्षेत्र	चारित्रात्माओं का सान्निध्य
1.	जीवधड़ा, गमक, ज्ञानलब्धि	नगरी	शासन दीपक श्री दिव्यदर्शन मुनि जी म.सा.
2.	कर्मबंध और हमारा जीवन, जैन सिद्धांत बत्तीसी, भिक्षाचर्या, श्रावक के 14 नियम	रायपुर	शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशा श्री जी म.सा.
3.	जीवधड़ा	देवकर	शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी म.सा.
4.	जीव की संख्या के विभिन्न द्वार/अल्प-बहुत्व	गुंडरदेही	शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी म.सा.
5.	ज्ञानलब्धि का थोकड़ा	भाटापारा	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियंका श्री जी म.सा.
6.	कर्म प्रज्ञप्ति, श्रुत आरोहक 3, जैन सिद्धांत बत्तीसी, जैन संस्कार पाठ्यक्रम	दुर्ग	शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभा जी म.सा.
7.	तमसो मा ज्योतिर्गमय	उदयपुर	साध्वी श्री प्रतिज्ञा श्री जी म.सा.
8.	Perfection in life : A Bridge to success	मंगलवाड़	शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा.

:::: विशेष शिविर ::::

दुर्ग। शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभा जी म.सा. के सान्निध्य में आर्ट एंड क्राफ्ट शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 170 महिलाओं ने भाग लिया। इसमें निम्न सामग्री बनानी सिखाई गई –

- संवर करने के लिए फोल्डेबल पुट्ठा
- पूंजनी व डांडिया बनाना
- मुँहपत्ती रखने का कवर
- आसन के नीचे बिछाने पुट्ठा का आसन
- मुँहपत्ती रखने का बॉक्स
- माला

।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम ।।

राम चमकते भानु समाना

केसरिया कार्यशाला

आचार्य की 8 संपदाएं

राम चमक रहे भानु समाना

आचार्य श्री रामेश की संपदाएँ हैं हमारे लिए शिक्षा का सार।
सीखेंगे, धारेंगे, बदलेंगे हमारे भी वाणी, वचन और व्यवहार।
वचनों को धार हृदय, अब जानेंगे वाचना का सार।।

अगस्त 2024

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ)

समीक्षण ध्यान योग शिविर संपन्न

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आचार्य श्री नानेश ध्यान केंद्र व भारतीय प्राकृत स्कॉलर्स सोसायटी तथा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में एक दिवसीय समीक्षण ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिक्षक डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने योगासन, योगिक क्रियाएँ, प्राणायाम आदि का अभ्यास कराया। शिविर में 60 जनों ने भाग लिया। अनेक गणमान्यजनों ने भावाभिव्यक्ति दी।

– डॉ. सत्यनारायण शर्मा

“ जो अपने जीवन को एक पवित्र साध्य के लिए देना नहीं जानता, उसे एक जीवन्त जीवन का ओज और तेज प्राप्त भी नहीं हो सकता है। जीवन दिये बिना जीवन कहाँ? त्याग व बलिदान के बिना सच्ची उपलब्धि कहाँ? जो अपने जीवन को लोकोपकार में न्योछावर कर सकता है, उसे कष्टों में निर्भय होकर डाल सकता है और विपत्तियों से फौलाद की तरह टकरा सकता है, वही अपने जीवन को कुन्दन की तरह निखार भी सकता है।

– परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालाल जी म.सा.

॥जय गुरु नाना।। ॥ जय महावीर ॥ ॥जय गुरु राम।।

राम चमकते भानु समाना

श्री अ. भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत: श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

(मेवाड़ अंचल)

प्रतिक्रमण

प्रश्न मंच 2024

MEGA QUIZ CONTEST

अगर हमने किया है व्रतों का
अतिक्रमण,

तो आओ चलो सीखें
प्रतिक्रमण

चतुर्थ चरण

COMMON ROUNDS

SEMIFINAL ROUNDS

FINAL ROUNDS

22 सितंबर 2024
रविवार
भीलवाड़ा

विशेष-आकर्षण

समस्त शीर्ष राष्ट्रीय पदाधिकारीगणों की पावन साक्षी में

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

आरोग्यम् : स्वास्थ्य जाँच शिविर

श्री साधुमार्गी जैन समता युवा संघ, नोखा की ओर से आरोग्यम् हेल्थ चेकअप शिविर लगाया गया, जिसका 151 लोगों ने लाभ लिया। शिविर की शुरुआत मंगलाचरण से की गई। युवा सदस्यों की सेवाएँ अविस्मरणीय रही।

व्यसनमुक्ति सप्ताह

'**राम गुरु का है संदेश, व्यसनमुक्त हो सारा देश**' के अनमोल उद्घोष पर कदम बढ़ाते हुए 26 मई से 2 जून तक संपूर्ण देश में महत्तम महोत्सव के अंतर्गत समता युवा संघ द्वारा व्यसनमुक्ति सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत देशभर में प्रतियोगिताओं, शैक्षणिक संस्थानों व हॉस्पिटल में व्यसनमुक्ति अभियान, व्यसनमुक्ति जनजागरण स्टॉल एवं रैली का आयोजन गरिमामय उपस्थिति में हुआ। विविध कार्यक्रमों में समता युवा संघ हैदराबाद, जयपुर, मैसूर, हिंदमोटर, बेंगलुरु, इंदौर, मुंबई में 444 प्रतिभागियों ने निबंध/ड्रॉइंग प्रतियोगिता में भाग लिया। समता युवा संघ हैदराबाद, तेजपुर में शैक्षणिक संस्थानों, हॉस्पिटल आदि में व्यसनमुक्ति कार्यक्रम हुए। समता युवा संघ भाटापारा, हैदराबाद में व्यसनमुक्ति जनजागरण स्टॉल के माध्यम से व्यसनमुक्ति हेतु प्रेरणा दी गई। समता युवा संघ बालोद, नवी मुंबई, रायपुर, उदयपुर में व्यसनमुक्ति जनजागरण रैली का आयोजन हुआ, जिसमें 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसी के साथ अहिंसा प्रचारक महेश जी नाहटा द्वारा भी व्यसनमुक्ति हेतु सराहनीय जनजागरणा की जा रही है।

खिलते ज्ञान पुष्प सीरीज ऑनलाइन क्विज़

संघ सदस्यों को ज्ञान-ध्यान के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ '**खिलते ज्ञान पुष्प**' की सीरीज को आगे बढ़ाते हुए 5 मई को '**खिलते ज्ञान पुष्प-10**' ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुल 1201 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सबसे अधिक उपस्थिति **मेवाड़ अंचल** से **233** पुरुष व महिलाओं की रही। **मुंबई-गुजरात-यू.ए.ई अंचल** से **228**, **मालवा अंचल** से **198**, **बीकानेर-मारवाड़ अंचल** से **109**, **जयपुर-ब्यावर अंचल** से **89**, **छत्तीसगढ़-ओड़िशा अंचल** से **82**, **बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान अंचल** से **81**, **महाराष्ट्र-खानदेश-विदर्भ अंचल** से 57, **दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरी अंचल** से **45**, **पूर्वोत्तर अंचल** से **44**, **कर्नाटक-आंध्र प्रदेश-तेलंगाना अंचल** से **28**, **तमिलनाडु अंचल** से **7** पुरुष व महिलाओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया जा चुका है। इस प्रतियोगिता में 86 विजेता रहे।

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

परिवर्तित पाठ्यक्रम (वर्ष 2024 से लागू)

::::: नियमावली :::::

1. प्रारंभिक परीक्षाएँ प्रतिवर्ष व प्रति 6 माह में होनी संभावित है। जो एक वर्ष के अंतराल से परीक्षाएँ देंगे, उनके उत्तीर्णांक 40 होंगे और जो 6 माह के अंतराल से देंगे, उनके उत्तीर्णांक 50 होंगे। जिन प्रश्न-पत्रों को 6 माह के अध्ययन उपरांत ही दिया जा रहा है, उनमें उत्तीर्णांक 50 तथा शेष में उत्तीर्णांक 40 होंगे। जैसे अगर किसी ने मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष (नवंबर-दिसंबर) में भूषण परीक्षा के 4 प्रश्न-पत्र दिए और वे प्रथम व द्वितीय पत्र में उत्तीर्ण हुए, तृतीय व चतुर्थ में उत्तीर्ण नहीं हो पाए, तो पुनः आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष (जून-जुलाई) में कोविद के प्रथम व द्वितीय पत्रों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें 50 अंक व भूषण के तृतीय व चतुर्थ पत्रों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें 40 अंक प्राप्त करने होंगे।
2. भूषण, कोविद, विभाकर में 4-4 प्रश्न-पत्र रखे गए हैं। इन परीक्षाओं को देने का क्रम निम्न प्रकार है –
   - अगर किसी ने भूषण के प्रथम पत्र की परीक्षा दी है तथा शेष 3 प्रश्न-पत्रों की परीक्षा नहीं दी थी या चारों की दी, लेकिन 3 में उत्तीर्ण न हुए तो अगली बार कोविद के प्रथम पत्र की परीक्षा दे पाएँगे, शेष 3 की नहीं। कोविद के प्रथम पत्र की परीक्षा के लिए भूषण के प्रथम पत्र को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
   - यह व्यवस्था प्रारंभिक तीन परीक्षाओं में ही रहेगी। चतुर्थ परीक्षा का कोई भी प्रश्न-पत्र देने के लिए पूर्व 3 परीक्षाओं (भूषण, कोविद, विभाकर) के 4 + 4 + 4 = 12 प्रश्न-पत्रों को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
3. - मनीषी व विशारद में 6-6 प्रश्न-पत्र हैं, जिसमें से प्रथम दो प्रश्न-पत्र देने अनिवार्य हैं। शेष 4 वैकल्पिक प्रश्न-पत्रों में से स्वैच्छिक 2 प्रश्न-पत्रों का चयन किया जा सकता है।
   - मनीषी के 4 वैकल्पिक प्रश्न-पत्रों में जिन 2 प्रश्न-पत्रों की उत्तीर्ण किया जाएगा, विशारद में उनके समानांतर प्रश्न-पत्र दिए जा सकेंगे।
   - यथा- मनीषी के प्रथम 2 अनिवार्य प्रश्न-पत्रों के साथ किन्हीं ने चौथे-छठे वैकल्पिक प्रश्न-पत्र का चयन किया तो चौथा-छठा प्रश्न-पत्र ही दे पाएँगे।
   - विशारद के तीसरे या पाँचवें तक प्रश्न पत्र देने के लिए मनीषी का तीसरा या पाँचवाँ प्रश्न-पत्र क्रमशः उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
   - परीक्षार्थी मनीषी, विशारद में इच्छानुसार 5 या 6 प्रश्न-पत्र भी दे सकते हैं। प्रारंभ की 3 परीक्षाओं में तो एक साथ अधिकतम चार प्रश्न-पत्र ही दिए जा सकते हैं, आगे मनीषी व विशारद में अधिकतम 6 प्रश्न-पत्र भी एक साथ दिए जा सकते हैं।
4. पूर्व पाठ्यक्रमानुसार जिन्होंने मनीषी या विशारद के एक या दो प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण किए हैं, उन्हें पुनः संबंधित परीक्षा के चारों प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण करने होंगे। जिन्होंने तीन प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण कर लिए हैं, उन्हें संबंधित परीक्षा के कोई दो प्रश्न-पत्रों (स्वैच्छिक) उत्तीर्ण करने होंगे।
5. फिलहाल वर्ष में 2 बार परीक्षाएँ होने की संभावना है – (1) मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष में (2) आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में।

6. **आवेदन –** मार्गशीर्ष माह की परीक्षा के आवेदन भाद्रपद सुदी पंचमी तक और आषाढ़ माह की परीक्षा के आवेदन महावीर जयंती तक अपेक्षित रहेंगे।
7. जो विशारद परीक्षा उत्तीर्ण कर लेंगे, वे ही वर्गीकृत परीक्षाओं में प्रवेश ले सकते हैं। (वर्गीकृत विभाग में केवल वर्गीकृत आगम कंठस्थ और चारों वैकल्पिक परीक्षा के लिए यह नियम लागू नहीं है)
8. जिन्होंने पूर्व में ये परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर ली हैं, वे पुनः ये परीक्षा देना चाहें तो दे सकते हैं।
9. आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम व नियमावली में यथावसर संशोधन-संवर्धन भी संभव है।

जैन सिद्धांत भूषण (प्रारंभिक परीक्षा – प्रथम वर्ष)

प्रथम पत्र				
क्र.	**विषय**	**पाठ्यक्रम**	**पुस्तक/प्रकाशक**	**अंक**
1.	श्री दशवैकालिक सूत्र - अध्ययन 1 से 4	कंठस्थ + भावार्थ	श्री दशवैकालिक सूत्रम्	60
2.	श्री दशवैकालिक सूत्र - अध्ययन 5	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	
3.	पुच्छिंसु णं	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	25
4.	उववाई सूत्र की 22 गाथाएँ	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	15
द्वितीय पत्र				
1.	जैन सिद्धांत बत्तीसी	प्रश्नोत्तर सहित (आगम प्रमाण नहीं)	जैन सिद्धांत बत्तीसी	75
2.	कर्मों का परिचय	अध्याय-1 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	25
3.	कर्मबंध के 85 कारण	अध्याय-2 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	
4.	कर्म और आत्मा	अध्याय-3 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	
5.	8 कर्मों की 148 उत्तर प्रकृतियाँ (सिर्फ प्रकृतियों के नाम कंठस्थ)	अध्याय-4 (प्रकृतियों की परिभाषा, टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	
तृतीय पत्र				
1.	संघीय धारणा	धारणा क्रमांक 1 से 34	नोट्स	30
2.	साधुमार्गी परंपरा के नौ आचार्य जीवन सौरभ		नोट्स	20
3.	सूझता-असूझता	संपूर्ण	नोट्स	50
4.	सचित्त-अचित्त	संपूर्ण	नोट्स	
5.	श्रावक के 21 गुण	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	
6.	तीर्थंकर पद प्राप्ति के 20 बोल	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	

7.	जल्दी मोक्ष जाने के 23 बोल	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	50
8.	वंदना के दोष, कायोत्सर्ग के दोष	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	
	चतुर्थ पत्र			
1.	आध्यात्मिक भजन-1	कंठस्थ	नोट्स	10
2.	दोहे, श्लोक, सूक्तियाँ-1	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	30
3.	श्री उपासकदशांग सूत्र - अध्ययन 1 व 7	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	25
4.	अस्वाध्यायिक	प्रत्याख्यान के पाठ कंठस्थ पेज 21-31	नोट्स	20
5.	प्रत्याख्यान स्वरूप			
6.	आगार स्वरूप			
7.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 18.05.1951 से 29.05.1951	नोट्स	15

जैन सिद्धांत कोविद (प्रारंभिक परीक्षा – द्वितीय वर्ष)

	प्रथम पत्र			
1.	श्री दशवैकालिक सूत्र - अध्ययन 6 से चूलिका 2 तक	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	60
2.	पिछले वर्ष में कंठस्थ आगम	कंठस्थ	नोट्स	20
3.	अमितगति बत्तीसी (संस्कृत)	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	20
	द्वितीय पत्र			
1.	लघु दंडक	परिभाषा सहित	नोट्स	50
2.	गति-आगति	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	गुणस्थानों का परिचय	अध्याय-11 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	20
	तृतीय पत्र			
1.	आगम परिचय	परिशिष्ट सहित	आगम परिचय	60
2.	परम कल्याण के 40 बोल	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	यों पायें निर्वाण, श्री प्रताप मुनि ज्ञानालय, बड़ीसादड़ी	25
3.	साधु की 32 उपमाएँ	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	15
4.	ब्रह्मचर्य की 32 उपमाएँ	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	

चतुर्थ पत्र				
1.	आध्यात्मिक भजन-2	कंठस्थ	नोट्स	15
2.	दोहे, श्लोक, सूक्तियाँ-2	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	20
3.	ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र - अध्ययन 1, 2, 5, 7, 8, 9, 12, 13, 14 व 16वाँ	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	30
4.	उच्चारण व वर्तनी शुद्धि	संपूर्ण	नोट्स	10
5.	देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण	(भूमिका 1.0, 2.4, 2.5 परिशिष्ट को छोड़कर बाकी पाठ्यक्रम आएगा)	नोट्स नोट्स	10 15
6.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 30.08.1951 से 22.06.1965		

जैन सिद्धांत विभाकर (प्रारंभिक परीक्षा – तृतीय वर्ष)

प्रथम पत्र				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र - (अध्ययन-1, 2, 4, 9, 10, 17)	कंठस्थ + भावार्थ	अ.भा. सुधर्म जैन सं. रं. संघ पूर्ववत्	50
2.	प्रथम व द्वितीय वर्ष के कंठस्थ आगम	कंठस्थ (भावार्थ नहीं)	नोट्स	30
3.	वैराग्यकुलकम्	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	20
द्वितीय पत्र				
1.	जीवधड़ा	संपूर्ण	नोट्स	30
2.	सम्यक्त्व स्वरूप	अध्याय-12 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	35
3.	जीव के 563 भेदों में सम्यक्त्व	अध्याय-13 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	
4.	चार गति के जीवों में सम्यक्त्व	अध्याय-14 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	
5.	गुणस्थान विस्तार	अध्याय-15 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	35
6.	गुणस्थान स्वरूप	टिप्पणी सहित	नोट्स	
तृतीय पत्र				
1.	तत्त्वार्थ सूत्र - अध्ययन 1 से 10	कंठस्थ + भावार्थ + विवेचन - पृष्ठ 1 से 240	कंठस्थ - स्वाध्याय माला, भावार्थ + विवेचन - पं. सुखलाल संघवी, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी	55
2.	जैन इतिहास	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	काल गणना	संपूर्ण	नोट्स	15

चतुर्थ पत्र				
1.	प्रश्नव्याकरण, संवर द्वार	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	25
2.	लोक स्वरूप	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	कर्म प्रज्ञप्ति-2, आधार ग्रंथ, अध्याय 1 से 5	(टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	आगम-अहिंसा-समता एवं प्राकृत संस्थान	20
4.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 23.06.1965 से 20.03.1967	साधुमार्गी पब्लिकेशन	25
5.	आध्यात्मिक भजन-3	कंठस्थ	नोट्स	

जैन सिद्धांत मनीषी (प्रारंभिक परीक्षा – चतुर्थ वर्ष)

प्रथम पत्र				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र - अध्ययन 1 से 20	कंठस्थ + भावार्थ	अ.भा. सुधर्म जैन सं. र. संघ पूर्ववत्	100
द्वितीय पत्र				
1.	श्रमण सामाचारी	संपूर्ण	नोट्स	75
2.	श्री दशाश्रुतस्कंध सूत्र	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	25
(श्रावक वर्ग हेतु)				
1.	श्री दशाश्रुतस्कंध सूत्र	भावार्थ + विवेचन	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	50
2.	कल्प मर्यादा	संपूर्ण	साधुमार्गी पब्लिकेशन	50
3.	साधुमार्गी संकल्प सूत्र	संपूर्ण	साधुमार्गी पब्लिकेशन	
तृतीय पत्र (वैकल्पिक)				
1.	काय स्थिति का थोकड़ा	संपूर्ण	नोट्स	45
2.	102 बोलों की अल्प बहुत्व	(बासठिया परीक्षा में नहीं)	नोट्स	25
3.	पिछले तीन वर्षों के थोकड़े	पूर्ववत्	पूर्ववत्	30
चतुर्थ पत्र (वैकल्पिक)				
1.	रचनानुवाद कौमुदी (संस्कृत व्याकरण)	पाठ 1 से 30	कपिल देव त्रिवेदी, वाराणसी	50
2.	अभिवन गुण सिद्ध हेम प्राकृत पाठ श्रेणी (प्राकृत व्याकरण)	भूमिका, पाठ 1 से 16 - पेज 1 से 125 तक	गुणोदय फाउंडेशन	50
पंचम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	अध्याय 1-31 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	100

पष्ठम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	सम्यक् अनुशासनम् (दिगंबर, मूर्तिपूजक व तेरापंथ मत का निरसन)	संपूर्ण	नोट्स	25
2.	प्रारंभिक न्याय दर्शन (पूर्वार्ध)	संपूर्ण	नोट्स	25
3.	वैराग्य दीप	संपूर्ण	अरुण जैन (सांड)	30
4.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 21.03.1967 से 22.06.1969	साधुमार्गी पब्लिकेशन	20
5.	आध्यात्मिक भजन-4	कंठस्थ	नोट्स	

नोट - प्रारंभिक न्याय दर्शन (पूर्वार्ध व उत्तरार्ध) में नय, निक्षेप, प्रमाण, लक्षण, अनुमान के पाँच अंग (प्रतिज्ञा, हेतु, दृष्टांत, उपनय, निगमन) सप्तभंगी, स्याद्वाद, अनेकांतवाद आदि विषय हैं।

जैन सिद्धांत विशारद (प्रारंभिक परीक्षा – पंचम वर्ष)

प्रथम पत्र (अनिवार्य)				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र (अध्ययन 21 से 36)	कंठस्थ + भावार्थ	अ.भा. सुधर्म जैन सं. रं. संघ पूर्ववत्	100
द्वितीय पत्र (अनिवार्य)				
1.	सामायिक सूत्र	सार्थ-कंठस्थ (विधि नहीं)	साधुमार्गी पब्लिकेशन	25
2.	श्रमण प्रतिक्रमण	सार्थ-कंठस्थ (विधि नहीं)	नोट्स	25
3.	व्युत्पत्ति संग्रह		नोट्स	20
4.	प्रवचन स्वाध्याय आदि लेख		नोट्स	30
तृतीय पत्र (वैकल्पिक)				
1.	गमक का थोकड़ा आगम स्तोक मंजूषा-7	संपूर्ण	नोट्स	60
2.	98 बोल का अल्प बहुत्व	(बासठिया परीक्षा में नहीं)	नोट्स	20
3.	तत्त्व का ताला ज्ञान की कुँजी, भाग-1 के सामान्य ज्ञान विभाग के थोकड़े	जयंती बाई की पृच्छा' से समकित के 67 बोल' तक	नोट्स	20
चतुर्थ पत्र (वैकल्पिक)				
1.	रचनानुवाद कौमुदी (संस्कृत व्याकरण)	पाठ 31 से 60	कपिल देव त्रिवेदी, वाराणसी	50
2.	अभिवन गुण सिद्ध हेम प्राकृत पाठ श्रेणी (प्राकृत व्याकरण)	पाठ 17 से 31 तक परिशिष्ट क्रमांक 4, 5, 7, 8 व 11	गुणोदय फाउंडेशन	50

पंचम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	योग स्वरूप	टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-2, आधार ग्रंथ, खंड-2	100
2.	मार्गणाओं में प्रकृति बंध स्वामित्व			
3.	उपशमक श्रेणी (संक्षिप्त वर्णन)			
4.	क्षपक श्रेणी (संक्षिप्त वर्णन)			
षष्ठम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	The Right Path (हिंदी) (श्रीमद्रायचंद्र, दादा भगवान, ओशो, ब्रह्मकुमारी, कान जी स्वामी, ईसाई, मुस्लिम मत का निरसन इत्यादि)	संपूर्ण	साधुमार्गी पब्लिकेशन	30
2.	प्रारंभिक न्याय दर्शन (उत्तरार्ध)	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	शान्त-सुधारसः	(श्लोक कंठस्थ नहीं)	साधुमार्गी पब्लिकेशन	20
4.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 29.06.1969 से 30.09.1977	साधुमार्गी पब्लिकेशन	20
5.	आध्यात्मिक भजन-5	कंठस्थ	नोट्स	

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड के अंतर्गत वैकल्पिक व वर्गीकृत परीक्षाएँ भी आयोजित होती हैं, जो निम्न प्रकार से हैं -

वैकल्पिक स्तोक, आगम कंठस्थ, संस्कृत प्राकृत, राष्ट्रभाषा हिंदी परीक्षाएँ व वर्गीकृत परीक्षाओं में जैन आगम कंठस्थ, जैन द्रव्यानुयोग, जैन चरणकरणानुयोग, जैन इतिहास, जैन योग ध्यान अध्यात्म, जैन कर्म सिद्धांत, जैन प्राकृत, जैन संस्कृत, जैन स्तोक, जैन दर्शन, जैन धर्मकथानुयोग आदि।

अधिक जानकारी व सहायता हेतु 7231933008 पर संपर्क करें।

जय महावीर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम

भाग 1 से 12 तक

परीक्षा के नियम | Exam Date: 15 September 2024 | Exam Timing 12:30 to 3:30 pm

1. **यह परीक्षा भाग 1 से 12 तक लिखित में होगी। 12 वर्ष से कम आयु के बच्चे एवं 55 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, जो लिखने में असमर्थ हों, उनके लिए भाग 1 से 4 तक मौखिक परीक्षा आयोजित होने जा रही है।**
2. **उत्तीर्ण होने वाले सभी परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।**
3. **सकल जैन समाज के सभी वर्ग व आयु के परीक्षार्थी यह परीक्षा दे सकते हैं।**
4. **परीक्षार्थियों को पुस्तक निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी।**

कृपया अपने क्षेत्र में अधिकाधिक प्रभावना करावें।

Helpline No. : ☎ 7231933008

।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम ।।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

PRESENTS

स्वर्ण कुंभ

Block Booking 45...

2 दिवसीय आवासीय शिविर

आयु सीमा - 45 वर्ष तक

24-25 August 2024

// जय गुरु नाना // // जय महावीर // // जय गुरु राम //

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

समता छात्रवृत्ति योजना

(कक्षा 1 से 12 तक)

– साधुमार्गी परिवार के विद्यार्थियों के लिए –

- जैन संस्कार पाठ्यक्रम की प्रमाण-पत्र की प्रति।
- जैन साधुमार्गी ग्लोबल कार्ड बना हुआ होना अनिवार्य है।
- छात्रवृत्ति आवेदन के लिए गत कक्षा में विद्यार्थी ने कम से कम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हो।
- छात्रवृत्ति की राशि विद्यार्थी के विद्यालय के खाते में प्रदान की जाएगी, इसलिए विद्यालय के बैंक खाते का विवरण उपलब्ध करवाएं।

फॉर्म के लिए यहाँ स्कैन करें

Please Scan

संपर्क सूत्र : 6375633109

तीनों इकाई के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण एवं स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री से करबद्ध निवेदन है कि अपने क्षेत्र में समता छात्रवृत्ति की प्रभावना करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

पूर्ण विवरण, पात्रता, आवेदन प्रपत्र इत्यादि श्रीसंघ व महिला समिति की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

सुश्रावक श्री किशनलाल जी भूरा

धन्य है आपका अनुशासित जीवन।
धन्य है सजग संथारा आराधन।।

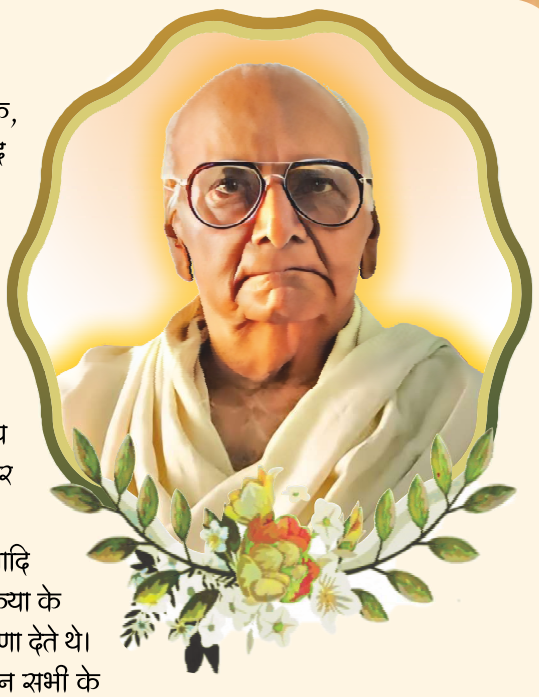

देशनोक निवासी स्वनाम धन्य, धर्मनिष्ठ, संथारा साधक, सुश्रावक **श्री किशनलाल जी भूरा** सुपुत्र स्व. श्री दीपचंद जी-मगनी देवी भूरा का 6 जून 2024 को चौविहार संथारे सहित महाप्रयाण हो गया। आपने जीवन के अंतिम क्षण को नजदीक जानकर पूर्ण जागृत अवस्था में 5 जून को दोपहर 3:40 बजे चौविहार संथारा के पच्चक्खाण ग्रहण किए, जो 6 जून को दोपहर लगभग 12:15 बजे सीझ गया। आपने चौविहार संथारा की आराधना कर मृत्यु को महोत्सव बनाते हुए अपना जीवन धन्य कर लिया। जैन परंपरा में इसे वीरों का कृत्य माना गया है। मृत्यु तो सबकी होती है परंतु मृत्यु पर विजय पाकर मृत्युंजय बन जाना ही सच्ची समाधि, संथारा व संलेखना है।

आपका जीवन 7 मासखमण, अनेक अठाइयों, तेले आदि तपों से सजा हुआ था। जो भी आपसे मिलता उससे आप धर्मक्रिया के विषय में चर्चा करते हुए गुरु समर्पणा तथा शासन सेवा की प्रेरणा देते थे। आचार्य श्री नानेश के समता दर्शन से सराबोर आपका जीवन सभी के लिए प्रेरणीय था। आपने संपूर्ण जीवन में कभी भी अहंकार को स्थान नहीं दिया।

आपने जीवनभर परिवार को मंदिर, स्नेह को शक्ति, परिश्रम को कर्तव्य और परमार्थ को भक्ति माना। आप द्वारा प्रदत्त शिक्षाएँ सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी। आप सदैव ही प्रेरणा देते कि जीवन के किसी भी मोड़ पर कोई भी तकलीफ आए तो उस वक्त लोगस्स का पाठ करना चाहिए।

आपकी पुण्याई व पारिवारिक संस्कारों की धरोहर के रूप में आपके 7 भाइयों व 2 बहनों का परिवार सदैव ही आपके मार्गदर्शन में चलते हुए सेवा में तत्पर रहता था। संपूर्ण भूरा परिवार आचार्य श्री नानेश-रामेश के प्रति पूर्ण समर्पणा के साथ सेवा कार्यों में संलग्न है। आपके निधन से संघ व समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। शासनदेव से यही प्रार्थना है कि स्मृतिशेष श्री भूरा जी की आत्मा शीघ्र सिद्ध-बुद्ध-मुक्त हो चरम लक्ष्य मोक्ष का वरण करे।

बिछड़े कुछ इस तरह से कि रुत ही बदल गई....
इक शख्स सारे शहर को वीरान कर गया.....

श्रद्धावनत

कमला देवी, केशरीचंद, निर्मल कुमार-विजयश्री देवी, जयंत कुमार-सरला देवी, गोपालचंद-गुलाब देवी, उत्तम कुमार-सपना देवी भूरा (भाई-भाभी), ललिता देवी-पदमचंद चौरड़िया (बहन-बहनोई), राजेंद्र कुमार-अनुरीता देवी (पुत्र-पुत्रवधू), मंजू-पंकज जी बोहरा, पिपलिया कलां, मधु-जय कुमार जी बैद, मुंबई (पुत्री-दामाद) व समस्त भूरा परिवार, देशनोक।

ससुराल पक्ष : कोठारी परिवार (फर्म : चांदमल भीखमचंद), करीमगंज।

Serving Ceramic Industries Since 1965

हु शि उ चौ श्री ज ग नाना, राम चमकते भानु समाना।
तरुण तपस्वी, प्रशांतमना आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.
एवं समस्त चारित्रात्माओं के चरणों में कोटिश: वंदन

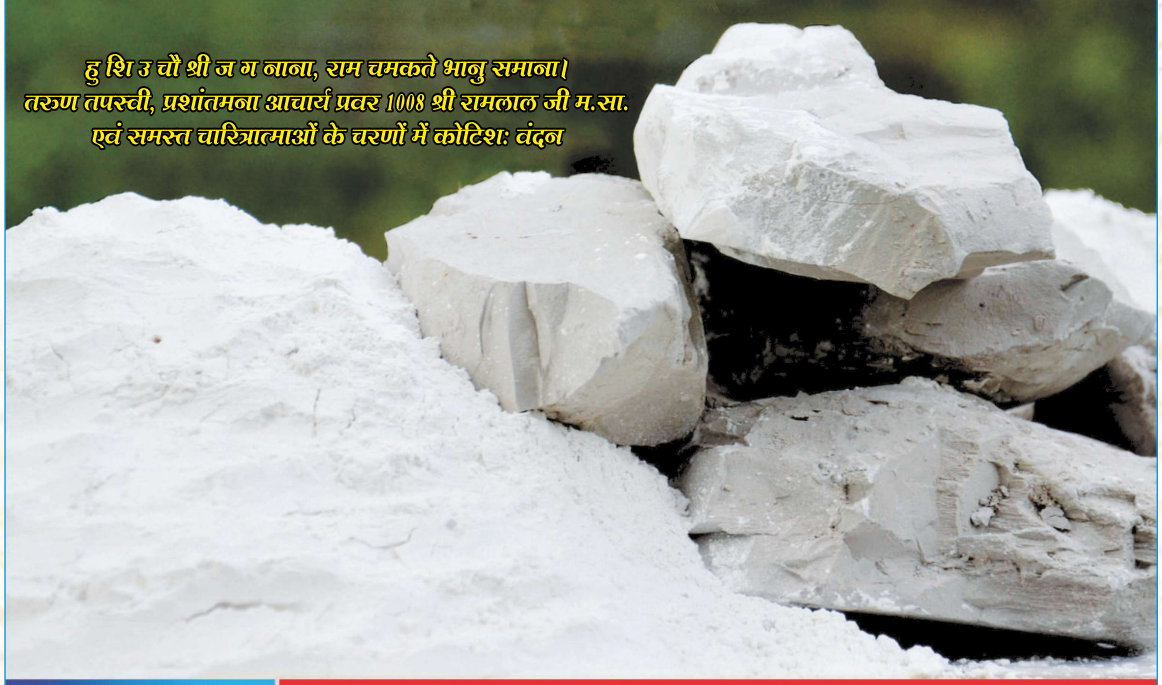

A Premier Clay Specialists in The Country...

- 48 years of experience with efficient processing technology and high-quality deposits of raw materials.
- Extraction, Processing and Refining of industrial minerals, particularly Ball Clay, China Clay, Bentonite, Silica Sand, Quartz, Potassium & Sodium Feldspar.
- In-depth knowledge of the market and understands the need for high-grade raw materials in the ceramic industries.
- Extraction of raw materials to the final delivery of the finished product, all of our procedures are subjected to ongoing quality monitoring.
- Export good quantity of minerals to various countries.
- Import of many others minerals and raw materials for Indian ceramics industries.

JLD MINERALS
Jaichand Lal Daga group

Corporate Office :
1st Floor, Labhuji Ka Katla,
Bikaner-334001, Rajasthan, INDIA

Phone : +91-151-2220380 / 2521624 / 3294234
FAX : +91-151-2522768, Mobile No. 09829217944
Email : wbcclay@yahoo.com

www.jldminerals.com

हु शि उ चौ श्री ज ग नाना,
राम चमकते भानु समाना।
तरुण तपस्वी, प्रशांतमना आचार्य प्रवर
1008 श्री रामलाल जी म.सा.
एवं समस्त चारित्रात्माओं के चरणों में
कोटिशः वंदन!

SIPANI MARBLES

STRONG - STYLISH - SOPHISTICATED

Royal Italian Marbles

AS PER ISI STANDARDS

WWW.SIPANIMARBLES.COM

संघ से संबंधित विभिन्न जानकारियां

प्रकाशक

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

प्रधान कार्यालय

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग,
नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401
(राज.) फोन : 0151-2270261
helpdesk@sadhumargi.com

अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक

नरेन्द्र गांधी, जावद

सह संपादिका

श्रीमती मोनिका जय ओस्तवाल, ब्यावर

श्रमणोपासक सदस्यता

केवल भारत में	1,000/- (15 वर्ष के लिए)
विदेश हेतु	15,000/- (10 वर्ष के लिए)

वाचनालय हेतु (केवल भारत में)

वार्षिक	50/-

संघ सदस्यता

साधारण सदस्यता	500/-
आजीवन सदस्यता	5,000/-

साहित्य सदस्यता

15 वर्ष	(केवल भारत में)	3,000/-

संघ केन्द्रीय कार्यालय के विभिन्न विभागों से कार्य सम्पादन हेतु सम्पर्क करें :-

E-mail : ho@sadhumargi.com

बैंक खाता विवरण

Shree Akhil Bharatvarshiya Sadhumargi Jain Sangh, Bikaner

State Bank of India

SCAN & PAY

Account No. : 31264126681
IFSC Code : SBIN0003401
Branch : G.S. ROAD, Bikaner
Mob. : 7073311108
E-mail : **accounts@sadhumargi.com**

व्हाट्सएप और ई-मेल आईडी

श्रमणोपासक	9799061990	news@sadhumargi.com
श्रमणोपासक समाचार	8955682153	
साहित्य	8209090748	sahitya@sadhumargi.com
महिला समिति	6375633109	ms@sadhumargi.com
समता युवा संघ	7073238777	yuva@sadhumargi.com
धार्मिक परीक्षा	7231933008	examboard@sadhumargi.com
कर्म सिद्धांत	7976519363	
परिवारांजलि	7231033008	anjali@sadhumargi.com
विहार	8505053113	vihar@sadhumargi.com
पाठशाला	9982990507	pathshala@sadhumargi.com
शिविर	7231833008	udaipur@sadhumargi.com
ग्लोबल कार्ड अपडेशन	6265311663	globalcard@sadhumargi.com
सामाजिक, संघ सदस्यता, सहयोग, समृद्धि, जन सेवा, जीव दया आदि अन्य प्रवृत्तियाँ	9602026899	
शैक्षणिक, आध्यात्मिक, धार्मिक, साहित्य संबंधी प्रवृत्तियाँ	7231933008	

-: सूचना :-

निवेदन है कि किसी भी कार्य के लिए सम्बंधित विभाग से ही सम्पर्क करें। इससे आपका कार्य सुगम और त्वरित गति से हो सकेगा।

कार्यालय समय – प्रात: 10:00 से सायं 6:30 बजे तक
लंच – दोपहर 1:00 से 1.45 बजे तक

आवश्यक सूचना

सभी संघ सदस्यों से निवेदन है कि कृपया कोई भी नकद भुगतान (Cash Payment) श्री संघ के किसी भी सदस्य, कार्यालय अधिकारी को किसी भी प्रवृत्ति में करें तो केन्द्रीय कार्यालय के लेखा विभाग (Accounts Department) को सूचना जरूर देवें। इससे आपको पक्की रसीद शीघ्र ही भिजवाई जा सकेगी।

मो.न. 7073311108 पर व्हाट्सएप करें।

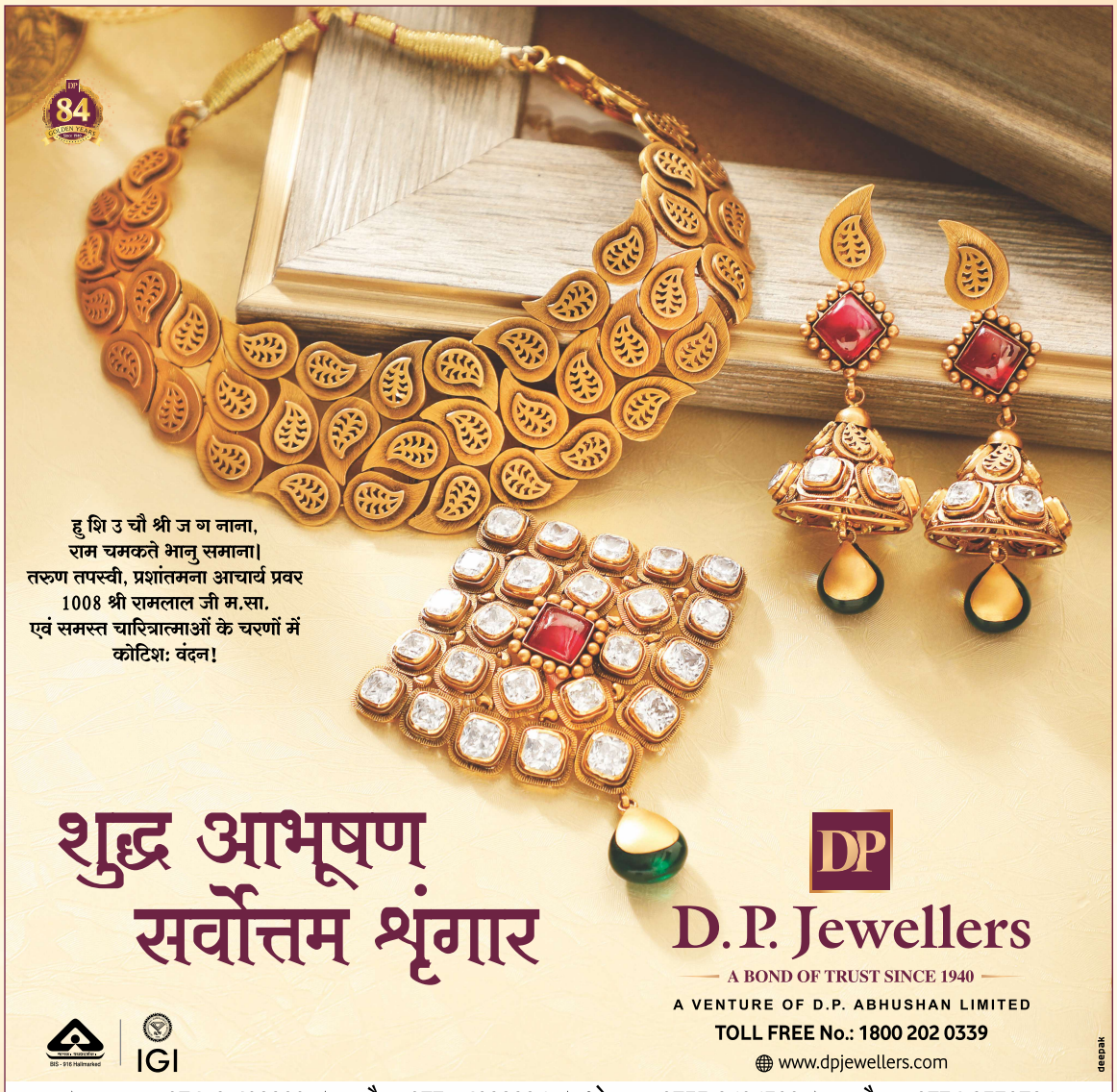

@absjainsangh
www.facebook.com/HOSadhumargi

रचनाकारों अथवा लेखकके विचारों से संपादक की सहमति होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र बीकानेर ही रहेगा।
प्रधान संपादक, प्रकाशक, मुद्रक नरेन्द्र गांधी के लिए जैन आर्ट प्रेस, बीकानेर के लिए साक्षी प्रिंटर्स, जयपुर (राज.) में मुद्रित प्रतियाँ 25000

प्रेषक : श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ
समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.), फोन नं.: 0151-2270261